जबलपुर

शनिवार, 19 अप्रैल 2025

- वैशाख मास कृष्ण पक्ष–7
- वर्ष : 19, अंक : 342
- पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

मौसम

अधि. 43
न्यून. 26

1100 रु.देना होगा शुल्क...
मां शारदा मंदिर में भी होंगे वीआईपी दर्शन

मैहर। मैहर के मां शारदा मंदिर में भी वीआईपी दर्शन व्यवस्था जल्द लागू की जाएगी। इस व्यवस्था से श्रद्धालुओं को आसानी और शीघ्रता से मां शारदा के दर्शन मिल सकेंगे। वीआईपी व्यवस्था शुरू होने से वे लोग, जो समय के अभाव में दर्शन नहीं कर पाते, 1100 रुपए शुल्क देकर शीघ्र दर्शन कर सकेंगे।

भारत की सांस्कृतिक विरासत के लिए एक महत्वपूर्ण कदम

यूनेस्को के मेमोरी ऑफ वर्ल्ड रजिस्टर में भगवद् गीता नाट्यशास्त्र शामिल, पीएम मोदी ने बताया गर्व का क्षण

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

यूनेस्को ने भगवद गीता और भरत मुनि के नाट्यशास्त्र को मेमोरी ऑफ वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल किया है। यह भारत की सांस्कृतिक विरासत के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे भारत के लिए गर्व का क्षण बताया है। उन्होंने कहा कि यह हमारी प्राचीन ज्ञान और संस्कृति को वैश्विक स्तर पर पहचान है। यूनेस्को का मेमोरी ऑफ वर्ल्ड रजिस्टर दुनिया की महत्वपूर्ण दस्तावेजी धरोहरों को बचाने और उन्हें हमेशा के लिए उपलब्ध कराने की एक कोशिश है। इस लिस्ट में शामिल होने से अतीत के इन धरोहर ग्रंथों को सुरक्षित रखने में मदद मिलेगी। भगवद गीता और नाट्यशास्त्र को यूनेस्को की 'मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड' रजिस्टर में शामिल किए जाने पर पीएम मोदी ने खुशी जताते हुए एक्स पर लिखा कि भगवद गीता और नाट्यशास्त्र को शामिल करना, 'हमारी कालातीत ज्ञान और समृद्ध संस्कृति की वैश्विक मान्यता' है। यह हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा कि हिंदू धर्मग्रंथों ने सदियों से सभ्यता और चेतना को पोषित करने का काम किया है।

इस लिस्ट में शामिल होने से अतीत के इन धरोहर ग्रंथों को सुरक्षित रखने में मदद मिलेगी

'मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड' रजिस्टर क्या है?

यह एक ऐसा कार्यक्रम है जो दुनिया की दस्तावेजी विरासत को बचाने और उसके संरक्षण के लिए बनाया गया है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यह विरासत हमेशा के लिए उपलब्ध रहे। इसे 1992 में शुरू किया गया था। इसका मकसद ऐतिहासिक लिखित धरोहरों को विस्मृति से बचाना और दुनिया भर में मूल्यवान अभिलेखीय होल्डिंग्स और पुस्तकालय संग्रहों को संरक्षित करना है। यूनेस्को की वेबसाइट पर बताया गया है, 'दुनिया की दस्तावेजी विरासत सभी की है, इसे पूरी तरह से संरक्षित और सभी के लिए सुरक्षित रखा जाना चाहिए। सांस्कृतिक मूल्यों और व्यवहारिकताओं को ध्यान में रखते हुए, यह बिना किसी बाधा के सभी के लिए हमेशा उपलब्ध होनी चाहिए।'

गीता और नाट्यशास्त्र को क्यों चुना?

भगवद गीता के 18 अध्यायों में 700 श्लोक हैं। यह महाभारत काल का एक अनुपम हिंदू धर्मग्रंथ है। यह वैदिक, बौद्ध, जैन और चार्वाक जैसे प्राचीन भारतीय धार्मिक विचारों का मिश्रण है। यह कर्तव्य, ज्ञान और भक्ति के महत्त्व पर आधारित है। भगवद गीता को सदियों से पूरी दुनिया में पढ़ा गया है और कई भाषाओं में अनुवाद किया जा चुका है। यूं कह लें कि यूनेस्को ने अभूतपूर्व देरी से ही सही, एक बहुत ही उचित दिशा में पहल की है। दूसरी ओर, भरत मुनि का नाट्यशास्त्र प्रदर्शन कलाओं का वर्णन करने वाले संस्कृत काव्य छंदों का संग्रह है। इसमें नाट्य (नाटक), अभिनय, रस (सौंदर्य अनुभव), भाव (भावना), संगीत आदि को परिभाषित करने वाले नियमों का एक व्यापक दृष्टिकोण हैं। यह कलाओं पर एक प्राचीन विश्वकोश ग्रंथ है।

2011 से संचालित
शंकराचार्य
स्वामी स्वरूपानंद कॉलेज ऑफ नर्सिंग, जुनवानी, भिलाई
B.Sc. NURSING & M.Sc. NURSING
प्रवेश के लिए संपर्क करें
मो.: 83193 47482
81030 45003
74411 61485
Website : ssscn.ac.in

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल न. 1155
airtel चैनल न. 366

IPL आज का मुकाबला

गुजरात – दिल्ली, दोपहर 3.30 बजे से

राजस्थान – लखनऊ, शाम 7.30 बजे से

खबर संक्षेप

सनी देओल-रणदीप पर जालंधर में केस दर्ज

जालंधर। फिल्म अभिनेता सनी देओल और रणदीप हुड्डा पर पंजाब के जालंधर में केस दर्ज किया गया है। कुछ दिन पहले सिनेमाघरों में रिलीज हुई सनी देओल और रणदीप हुड्डा की फिल्म जाट के खिलाफ पंजाब में ईसाई समुदाय द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया था। इसके बाद जालंधर में एफआईआर दर्ज की गई है।

चकेरी एयरपोर्ट पर बम की सूचना, 1 गिरफ्तार

कानपुर। यूपी के कानपुर में एयरपोर्ट पर बम की धमकी हड़कंप मच गया। इस धमकी पर सुरक्षा एजेंसिया तत्काल सक्रिय हुईं। एययपोर्ट पर एक शख्स ने 72 सीटर प्लेन में बम रखे होने की झूठी सूचना दी थी। जांच में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। इस बीच कानपुर पुलिस ने दहशत फैलाने वाले आरोपी को खोज निकाला।

थाने में दो पुलिसकर्मियों पर बोतल से हमला

बैतूल। जिला मुख्यालय के थाना कोतवाली परिसर में शुक्रवार शाम एक युवक ने दो पुलिसकर्मियों पर शराब की बोतल से हमला कर दिया। घटना शाम करीब 4.30 बजे की है। घटना में एसआई पंचम सिंह उइके और आरक्षक हर्षित डांगे गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जलवायु परिवर्तन और समुदाय आधारित आजीविका पर राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ

सीएम बोले-बाघ, तेंदुए के बाद सांपों की गिनती भी होना चाहिए, केंद्रीय मंत्री ने किया समर्थन

विशेष प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने वनों के संरक्षण एवं पर्यावरण संतुलन को लेकर कई महत्वपूर्ण बातें कहीं। उन्होंने सांपों की गिनती और जंगलों में वृक्षों की तमाम वैरायटी पर जोर देते हुए कहा कि संपूर्ण जंगल तभी है जब उसमें सभी तरह के पेड़ लगे हों।

उसमें हर तरह के जीव जंतु और वन्य प्राणी हों, तो न केवल जंगल की खूबसूरती बढ़ती है बल्कि पर्यावरण का एक बेहतर संतुलन भी बनता है। राज्य में सांपों की संख्या भी हमें पता होना चाहिए इसलिए इसकी गिनती होना बेहद जरूरी है। तभी मंच पर मौजूद केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने मुख्यमंत्री डॉ.यादव की बात का समर्थन करते हुए कहा कि सांपों गिनती होना चाहिए, क्योंकि पर्यावरण संतुलन में सांपों की भी अपनी भूमिका है। फिर डेटा होने से विश्लेषण करना भी आसान हो जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जनजातीय क्षेत्र में अपार वन संपदा उपलब्ध है।

वन क्षेत्र में विद्यमान जनजातीय समुदाय के आस्था स्थलों का होगा संरक्षण

प्रकृति के संरक्षण के लिए समुदाय आधारित योजनाओं की जरूरतः केंद्रीय मंत्री यादव

नदियों का प्रवाह बनाए रखने वनों का संरक्षण जरूरी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में वनों की स्थिति में सुधार और वन प्रबंधन में नवाचार के लिए के लिए वन विभाग को बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में यद्यपि कोई ग्लेशियर नहीं है, किन्तु प्राकृतिक रूप से वनों से निकलने वाली जल राशि से ही प्रदेश से निकलने वाली बड़ी नदियां आकार लेती हैं। इन नदियों के संरक्षण और उनके निर्मल अविरल प्रवाह को बनाए रखने के लिए मध्यप्रदेश के वनों का संरक्षण और संवर्धन महत्वपूर्ण है।

ग्लोबल साऊथ का नेतृत्व कर रहा भारत

केन्द्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि विकास की इस धारा में वन और प्रकृति के संरक्षण को साथ लेकर चलना होगा। वन और यहां रहने वाले लोगों के विकास और संरक्षण के लिए समग्र चिंतन की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य हो रहे हैं। एक पेड़ मां के नाम हमारा बड़ा अभियान बन चुका है। प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए अलायंस की स्थापना की गई है। भारत आज दुनिया के विकासशील देशों में ग्लोबल साऊथ का नेतृत्व कर रहा है। हमें वोकल फॉर लोकल तो होना है, साथ में भारत को जनजातीय वर्ग और पर्यावरण के संरक्षण में वैश्विक नेतृत्वकर्ता भी बनना है।

वन-पर्यावरण के संरक्षण में उपयोगी होगी कार्यशाला

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जल जीवों के संरक्षण पर कार्य करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश ने वन्य प्राणियों के संरक्षण में विशेष पहचान बनाई है। उन्होंने प्रवासी पक्षियों पर केंद्रित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित करने की आवश्यकता बताई। डॉ.यादव ने वन संरक्षण के साथ-साथ आजीविका को सरल और सुलभ बनाने के लिए आयोजित कार्यशालाकी सफलता की कामना करते हुए कहा कि जनजातीय क्षेत्रों की सामाजिक-आर्थिक प्रगति के साथ-साथ वन-पर्यावरण के संरक्षण में भी यह कार्यशाला उपयोगी सिद्ध होगी।

सुरक्षित आजीविका की गारंटी मिलेगी

जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में समुदाय आधारित वन पुनर्स्थापना, जलवायु अनुकूल आजीविका पर चर्चा आज की महती आवश्यकता है। इससे भविष्य में जनजातीय क्षेत्रों में सुरक्षित आजीविका की गारंटी मिलेगी। उन्होंने कहा कि देश से आए विषय विशेषज्ञों के अनुभवों एवं विचारों से प्राप्त होने वाले निष्कर्ष जनजातीय क्षेत्रों के निवासियों के सुरक्षित भविष्य का मार्ग प्रशस्त करेगा। प्रमुख सचिव जनजातीय कार्य, गुलशन बामरा ने बताया कि कार्यशाला में वन संरक्षण की वर्तमान कानूनी व्यवस्थाएं, उनकी सीमाएं और समाधान, जैव विविधता संशोधन अधिनियम-2023, सामुदायिक वन अधिकार, पारंपरिक ज्ञान का दस्तावेजीकरण और वन पुनर्स्थापन जैसे मुद्दों पर विस्तृत चर्चा होगी।

अनुसूचित जाति आरक्षण में सब-कोटा लागू

आरक्षण के अंदर एससी कोटा देने वाला तीसरा राज्य बना आंध्र प्रदेश

14 अप्रैल को तीन ग्रुप बनाकर एससी आरक्षण का पुनर्वितरण किया था

एजेंसी ⏭ हैदराबाद

तेलंगाना और हरियाणा के बाद अब आंध्र प्रदेश ने भी अनुसूचित जातियों (एससी) कोटे में सब-कोटा लागू कर दिया है। राज्य सरकार ने गुरुवार को एक अध्यादेश जारी किया, जिसके तहत एससी समुदाय की 59 जातियों को तीन ग्रुप में बांटकर अलग-अलग आरक्षण दिया जाएगा।

यह फैसला सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश के बाद आया है जिसमें राज्यों को एससी-एसटी आरक्षण में आंतरिक वर्गीकरण की अनुमति दी गई थी। इस सब-कोटा की सिफारिश पिछले साल बनाए गए एक सदस्यीय आयोग ने की थी।

तीन ग्रुप बनाए गए अलग-अलग प्रतिशत में मिलेगा आरक्षण

आंध्र प्रदेश सरकार ने सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण के लिए अनुसूचित जातियों को तीन समूहों में बांटा है। ग्रुप-1 में चंढाला, पाकी, रेल्ली, डोम जैसी 12 जातियों को रखा गया है जिन्हें 1% आरक्षण मिलेगा। ग्रुप-2 में चमार, मादिगा, सिंधोला, मातंगी जैसी जातियों को रखा गया है, जिन्हें 6.5% आरक्षण मिलेगा। वहीं ग्रुप-3 में माला, अदि आंध्र और पंचमा जैसी जातियों को शामिल किया गया है, जिन्हें 7.5% आरक्षण का लाभ मिलेगा।

मवेशी को बचाने के चक्कर में कार अनियंत्रित

नहर में कार गिरने से एयर होस्टेस की मौत, 3 घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

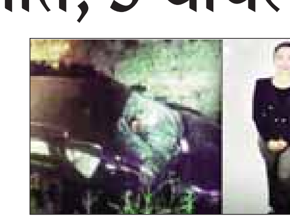

कोलार थाना क्षेत्र स्थित होली क्रॉस स्कूल के पास गुरुवार रात करीब 9 बजे कार अनियंत्रित होकर नहर में गिर गई। इस हादसे में कार सवार एयर होस्टेस की मौत हो गई, जबकि कार चला रहे युवक समेत तीन युवक घायल हुए हैं। हादसा मवेशी को बचाने के चक्कर में कार अनियंत्रित होकर सड़क से नहर में जा घुसी थी। एएसआई रूपेश नर्रे ने बताया कि हर्षिता शर्मा पिता प्रदीप शर्मा (22) बिजली नगर कॉलोनी, पिपलानी में रहती थी। वह एयर इंडिया में एयर होस्टेस थी। गुरुवार को वह बेंगलोर से भोपाल आई थी। रात में अपने दोस्त सुजल, जय सिंह और आयुष के साथ वह कार से घूमने ने निकली।

बंगाल भाजपा के पूर्व अध्यक्ष हैं

60 साल की उम्र में दिलीप घोष ने रिंकू मजूमदार से रचाई शादी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल भाजपा के पूर्व अध्यक्ष दिलीप घोष 60 साल की उम्र में शादी के बंधन में बंध गए हैं। उनकी दुल्हन भाजपा की सहयोगी रिंकू मजूमदार बनीं। बताया गया है कि शादी शुक्रवार को कोलकाता में उनके आवास पर हुई। 60 वर्षीय भाजपा नेता अब तक अविवाहित थे। सूत्रों के मुताबिक, कुणाल घोष और देबांगशु भट्टाचार्य सहित कई तृणमूल नेताओं ने इस अवसर पर भाजपा नेता को बधाई दी। दिलीप घोष के करीबी लोगों के हवाले से बताया कि दोनों की मुलाकात सुबह की सैर के दौरान हुई और समय के साथ उनका रिश्ता मजबूत होता गया।

झांसी-खजुराहो हाईवे पर दर्दनाक हादसा

ट्रक ने बाइक सवारों को रौंदा पिता और दो बेटे की मौत

छतरपुर। झांसी खजुराहो नेशनल हाईवे पर शुक्रवार सुबह ट्रक ने बाइक सवारों को रौंद दिया। मौके पर ही पिता सहित दो बेटों की मौत हो गई। जबकि दो घायल हो गए। घटना ओटापुरवा गांव के पास सुबह करीब आठ बजे की बताई जा रही है। हादसे में घायल दो लोगों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। घटना की सूचना मिलने के बाद बमीठा पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। हादसे में मिजाजी लाल अहिरवार (45 साल), शिवम (2 साल), भावना (3 साल) की मौत हो गई है। वहीं बादल (6 साल), काजल (5 साल) घायल हो गए हैं।

जबलपुर में अब 705 को ही मान्यता

स्कूलों के आवेदन में मिली खामियां 38 निजी स्कूलों की मान्यता रद्द

जबलपुर। जिले में शिक्षा विभाग ने कड़ा कदम उठाते हुए नए शिक्षा सत्र 2025-26 में 38 निजी प्राथमिक स्कूलों की मान्यता रद्द कर दी है। इन स्कूलों के आवेदन में पाई गईं विभिन्न खामियों के चलते यह कार्रवाई की गई है। जिले में कुल 743 स्कूल, जिले में पहली से आठवीं तक के कुल 743 निजी स्कूल संचालित हो रहे हैं। लेकिन इस बार केवल 705 स्कूलों को मान्यता प्रदान की गई है। 38 स्कूलों के आवेदन में जरूरी दस्तावेजों की कमी, बुनियादी सुविधाओं का अभाव और नियमों का पालन न करने जैसी कई कमियाँ पाई गईं। जिला शिक्षा अधिकारी ने मान्यता रद्द करने की कार्यवाही की पुष्टि की है। उनका कहना है कि शिक्षा की गुणवत्ता बनाए रखने और बच्चों को सुरक्षित व बेहतर शैक्षिक वातावरण देने के लिए यह कदम जरूरी था। इसके अलावा, ऐसे स्कूल जो छात्रों की जानकारी अपडेट करने में लापरवाही बरत रहे हैं, उन्हें भी नोटिस जारी किया गया है।

हाईकोर्ट ने एक मामले में कहा था कि जमानत तभी दी जा सकती है जब दोषी अपनी आधी सजा काट चुका हो

हाईकोर्ट को मौजूदा कानूनों के आधार पर फैसला करना चाहिए था

मप्र हाईकोर्ट के जमानत इनकार पर सुप्रीम कोर्ट ने जताई नाराजगी, कहा-आपने नया कानून बना दिया

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के एक फैसले पर नाराजगी जताई है जिसमें हाईकोर्ट ने एक दोषी को जमानत देने से यह कहकर मना कर दिया कि जमानत तभी दी जा सकती है जब दोषी अपनी आधी सजा काट चुका हो। सुप्रीम कोर्ट की पीठ, जिसमें जस्टिस अभय एस. ओका और जस्टिस उज्जल भुयान शामिल थे, ने इस फैसले को 'नए कानून की खोज' बताते हुए कहा कि हाईकोर्ट का यह निर्णय कानून में कहीं नहीं लिखा है और यह पूरी तरह गलत है। दरअसल, मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने एक ऐसे व्यक्ति की जमानत याचिका खारिज कर दी थी, जिसकी जेब से रिश्वत के पैसे बरामद हुए थे।

'हाईकोर्ट ने कानून का सही इस्तेमाल नहीं किया'

इसके जवाब में सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'हम हैरान हैं कि हाईकोर्ट ने कानून का ऐसा नया सिद्धांत बना दिया, जिसका कोई आधार नहीं है।' सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा कि जब ऊपरी अदालतों में अपीलों की संख्या बहुत ज्यादा हो और जल्दी सुनवाई की कोई उम्मीद न हो, तो ऐसे मामलों में दोषियों को जमानत मिलनी चाहिए। पीठ ने कहा कि हाईकोर्ट को मौजूदा कानूनों के आधार पर फैसला करना चाहिए था। किसी को मजबूर नहीं किया जाना चाहिए कि वह सुप्रीम कोर्ट तक आए सिर्फ इसलिए कि निचली अदालत या हाईकोर्ट ने कानून का सही इस्तेमाल नहीं किया।

इधर, मप्र हाई कोर्ट की डीआईजी को फटकार लगाया 5 लाख का जुर्माना

ग्वालियर। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने हत्या के एक मामले में कथित तौर पर तथ्य छिपाने के लिए भोपाल के डीआईजी मयंक अवस्थी को कड़ी फटकार लगाई। इतना ही नहीं उन पर पांच लाख रुपये का जुर्माना भी ठोंक दिया। जस्टिस जीएस अहलूवालिया ने कहा कि अवस्थी को देश के कानून की कोई परवाह नहीं है और वह अपनी मर्जी और इच्छा के मुताबिक एक पुलिस अधिकारी के तौर पर काम कर रहे हैं।

वक्फ विवाद के बीच तमिलनाडु सरकार का कारनामा आया सामने

गला डाला मंदिरों का 1000 किलो सोना, सालाना 18 करोड़ कमाएंगे

मंत्री ने विधानसभा में बताया, सोना बैंको में किया जमा

एजेंसी ▶▶ चेन्नई

अभी वक्फ बोर्ड का मामला पूरे देश में गरमाया हुआ है। इस बीच तमिलनाडु सरकार ने मंदिरों का 1,000 किलोग्राम सोना गलाकर उससे जरिए करोड़ों रुपए कमाई का रास्ता बना लिया है।

इसकी जानकारी सरकार के ही मंत्री ने खुद विधानसभा में दिया है। उन्होंने बताया कि 21 मंदिरों से जुटाए करीब 1,000 किलोग्राम सोने को गलाकर उसे बैंकों में जमा किया गया और हर साल करीब 18 करोड़ रुपए कमाने का रास्ता बना लिया है।

24 कैरेट के गोल्ड बार तैयार किए: मंत्री

मंत्री पीके शेखर ने बताया कि उनकी सरकार ने प्रदेश के 21 मंदिरों से करीब 1,000 किलोग्राम सोना जुटाया और उसे गलाकर 24 कैरेट के गोल्ड बार यानी बिस्टिक तैयार किए। इन गोल्ड बार को बैंकों में जमा किया गया है। इनसे मिले ब्याज का इस्तेमाल मंदिरों के विकास कार्यों में किया जाएगा. उन्होंने बताया कि गोल्ड बार को बैंकों में जमा करने पर सालाना करीब 17.81 करोड़ रुपए का ब्याज मिलेगा।

सालाना करीब 18 करोड़ रुपए का ब्याज लेगी सरकार

मंदिरों पर भले सोना भगवान के नाम पर चढ़ाया जाता है, लेकिन इसका इस्तेमाल मंदिर के पुजारी नहीं कर सकते हैं। इस सोने को गोल्ड इनवेस्टमेंट स्कीम के तहत गलाकर 24 कैरेट गोल्ड में बदल दिया जाता है और उसे मुंबई स्थित सरकार के मिंट में जमा कर दिया जाता ह। इन गोल्ड बार को सरकारी बैंक एसबीआई में रखा जाता है, जहां से हर साल मोटा ब्याज मिलता है। तमिलनाडु सरकार ने भी इस सोने को एसबीआई में जमा किया।

मंदिरों के विकास पर खर्च करने की बात कही

शेखर ने बताया कि बैंकों से सोने पर ब्याज के रूप में मिली रकम को मंदिरों के विकास कार्यों पर ही खर्च किया जाएगा। उन्होंने बताया कि हिंदू धर्म चैरिटेबल इंडोमेंट डिपार्टमेंट की ओर से मंदिरों के विकास कार्यों का खाका पेश किया गया है और यह रकम इसी काम के लिए खर्च होगी।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने दी गृहमंत्री शाह को चुनौती

दिल्ली के सामने नहीं झुकेगा तमिलनाडु, हम नियंत्रण के बाहर

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए कहा कि नीट, तीन-भाषा पॉलिसी, वक्फ संशोधन कानून और परिसीमन जैसे मुद्दों पर सवाल उठाना 'ध्यान भटकाने की कोशिश' नहीं, बल्कि राज्यों के अधिकारों की लड़ाई है। उन्होंने अमित शाह को चुनौती देते हुए कहा कि अगर डीएमके वास्तव में ध्यान भटकाने का प्रयास कर रही है, तो शाह को इन मुद्दों पर तमिलनाडु की जनता को 'स्पष्ट जवाब' देना चाहिए।

स्टालिन ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान कहा कि चाहे वह नीट हो या तीन-भाषा नीति, या फिर वक्फ कानून संशोधन और परिसीमन का मसला इन सभी पर सिर्फ हम ही मुखर हैं। क्या राज्यों के अधिकारों की मांग करना गलत है? उन्होंने यह भी कहा कि तमिलनाडु सिर्फ अपने लिए नहीं, बल्कि पूरे देश के राज्यों के अधिकारों की बात कर रहा है।

हम कानूनी रूप से पैदा सभी बाधाओं को तोड़ देंगे

स्टालिन ने कहा कि सिर्फ शाह ही नहीं, बल्कि कोई भी शाह तमिलनाडु पर राज नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि कहा तमिलनाडु दिल्ली के 'कंट्रोल से बाहर' है। साथ ही कहा कि हम आपके द्वारा कानूनी रूप से पैदा की गई सभी बाधाओं को तोड़ देंगे।

खबर संक्षेप

गुड फ्राइडे दयालुता के लिए प्रेरित करता है

नई दिल्ली। गुड फ्राइडे ईसाई धर्म के प्रमुख त्योहारों में से एक है। इसी दिन ईसा मसीह को सूली पर

चढ़ाया गया था। पीएम नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को शांति, करुणा और भाईचारे का संदेश दिया। मोदी ने लिखा, गुड फ्राइडे के दिन हम ईसा मसीह के बलिदान को याद करते हैं। यह दयालुता, करुणा और हमेशा उदार हृदय रखने की प्रेरणा देता है।

अंतिम संस्कार के डेढ़ माह बाद वह जिंदा लौटा

दरभंगा। बिहार के दरभंगा जिले से एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। एक युवक की दुर्घटना के

बाद इलाज के दौरान मौत हो गई थी। परिजन डीएमसीएच पहुंचकर अपहृत पुत्र भोला कुमार राम के रुप में पहचान कर चुके थे। एक मार्च को मृतक का दाह संस्कार भी कर दिया। युवक गुरुवार को जिंदा मिल गया है।

सिद्धारमैया रोहित वेमुला अधिनियम लागू करें

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को पत्र

लिखकर रोहित वेमुला एक्ट नाम से एक कानून बनाने का आग्रह किया है, यह सुनिश्चित हो कि शिक्षा प्रणाली में किसी को भी जाति-आधारित भेदभाव का सामना न करना पड़े। बीआर अंबेडकर के साथ भेदभाव को उजागर किया है।

नासिक में धर्मस्थल गिराने पर मांगी रिपोर्ट

नासिक। यहां धार्मिक स्थल को नगर निगम ने ध्वस्त कर दिया।

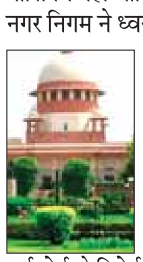

सुप्रीम कोर्ट ने नगर निगम के नोटिस पर अंतरिम रोक लगाई। याचिका को सूचीबद्ध न करने बॉम्बे हाईकोर्ट से रिपोर्ट से मांगी है। नगर निगम ने 15-16 अप्रैल को काठे गली इलाके में अनधिकृत सतपीर बाबा दरगाह को हटा दिया था।

मुर्शिदाबाद में हिंसा को लेकर राज्यपाल बोस ने सख्त रुख अपनाया

महिलाएं शिविरों में रहने को मजबूर, हम इस हिंसा को किसी तरह बर्दाश्त नहीं करेंगे

लोगों को सुरक्षा देना राज्य सरकार की पहली जिम्मेदारी, भेजेंगे रिपोर्ट

एजेंसी ▶▶ मुर्शिदाबाद/मालदा

मालदा में हिंसा पीड़ित लोगों से की मुलाकात और बोल मालदा मुर्शिदाबाद। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हिंसा से अब भी पूरे प्रदेश में जमकर सियासत गरम है। प्रदेश के राज्यपाल सीवी आनंद बोस हिंसा पीड़ितों से मिलने मालदा पहुंचे। वे ट्रेन से गए। बोस ने हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में पीड़ितों से मुलाकात से पहले यह बयान दिया। मुर्शिदाबाद में हिंसा को लेकर बोस ने सख्त रुख अपनाया है। हिंसा प्रभावित लोग शिविरों में रहने को मजबूर हैं। इस दौरान उन्होंने कहा कि बंगाल में जगह-जगह हिंसा अपना भयानक रूप दिखा रही है।

बोस ने कहा कि हमें हिंसा के रास्ते को खत्म करना होगा और उसके ताबूत में आखिरी कील ठोंकनी होगी। यह शांति और सौहार्द्र के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा है कि मुर्शिदाबाद या मालदा में हुई हिंसा को कभी बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। बोस ने हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में पीड़ितों से मुलाकात से पहले यह बयान दिया। राज्यपाल मालदा पहुंच चुके हैं और वे स्थिति का आकलन करने के बाद केंद्र सरकार को रिपोर्ट भेजेंगे।दोनों जगहों पर हिंसा पीड़ितों से मुलाकात के बाद राज्यपाल ने प्रभावित क्षेत्रों का जायजा भी लिया। उन्होंने जिला प्रशासन के अधिकारियों से स्थिति सामान्य करने को लेकर चर्चा भी की।

हिंसा के रास्ते को खत्म करेंगे, ताबूत में आखिरी कील ठोंकेंगे

केंद्र को भेजूंगा सिफारिशें

मालदा से निकले बोस ने कहा कि वे पीड़ितों से मिले और इसकी रिपोर्ट केंद्र सरकार को सौंपेंगे। मैं पीड़ितों से मिलने और प्रभावित क्षेत्र से प्राप्त सूचनाओं की पुष्टि करने गया था। मैं अस्पतालों, पीड़ितों के आवासों और राहत शिविरों में गया। अपनी सिफारिशें भेजूंगा।

हिंसा के खिलाफ लड़ाई लड़ेंगे

राज्यपाल बोस ने कहा कि मुर्शिदाबाद और मालदा जैसी घटनाएं कभी नहीं होनी चाहिए। बंगाल की सड़कों पर कई जगहों पर मौत का तांडव चल रहा है। इस तरह की हिंसा को कभी बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि हिंसा प्रभावित इलाकों का दौरा करने और लोगों की भावनाओं को जानने के बाद उनके पास एक कार्ययोजना होगी, जिस पर मिशन मोड में काम किया जाएगा। किसी भी कीमत पर हिंसा के खिलाफ लड़ाई लड़नी होगी।

राज्य की राजनीति में फैल रहे 2 कैंसर

राज्य बंगाल की स्थिति पर बात करते हुए राज्यपाल ने कहा है कि बंगाल में हिंसा का मामला नया नहीं है और यह एक सतत मुद्दा है। बोस ने कहा कि बंगाल की राजनीति में दो चीजें कैंसर की तरह बढ़ रही है, हिंसा और भ्रष्टाचार। हमें इसकी जड़ों को खत्म करना होगा।

घटनाओं को 'मौत का नाच' बताया

मुर्शिदाबाद और मालदा जिलों में हिंसा से बड़ी संख्या में महिलाएं प्रभावित हुई हैं। पीड़ितों से मुलाकात करने के बाद हबोस ने घटनाओं को 'मौत का नाच' बताया। उन्होंने कहा कि हिंसा का रास्ता अपनाने वाली मानसिकता को जड़ से खत्म किए जाने की जरूरत है।

राज्य सरकार ने लापरवाही की

राज्यपाल ने कहा कि कानून व्यवस्था को बनाए रखना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। अगर राज्य को मदद की जरूरत है, तो हम केंद्रीय बल भेजने के लिए तैयार हैं। बंगाल में हिंसा की घटनाएं लंबे समय से हो रही हैं। राज्य सरकार हिंसा को रोके।

मालदा में एनएचआर ने प्रभावित लोगों से की बात

3 सप्ताह में विस्तृत जांच रिपोर्ट पेश की जाए

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) के एक दल ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के मालदा पहुंचकर उन लोगों से मुलाकात की जिन्होंने मुर्शिदाबाद जिले के हिंसा प्रभावित क्षेत्रों से भागकर एक अस्थायी शरणार्थी शिविर में शरण ली है। एनएचआरसी ने हाल में मुर्शिदाबाद में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के विरोध में भड़की हिंसा का स्वतः संज्ञान लिया। एनएचआरसी सदस्यों ने लालपुर हाई स्कूल में शिविर में रह रहे प्रभावित परिवारों के सदस्यों से बात की।

मुर्शिदाबाद में पीड़ितों से मिली एनसीडब्ल्यू

महिलाएं बहुत डरी हैं, उन पर अत्याचार हुए

एनसीडब्ल्यू प्रमुख विजया रहाटकर मुर्शिदाबाद में हुई हालिया हिंसा की जांच का नेतृत्व करने के लिए गुरुवार शाम कोलकाता पहुंचीं। इस बीच राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने वहां के हालातों पर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि वक्फ संशोधन अधिनियम के विरोध में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार किए गए हैं। महिलाओं के खिलाफ बहुत अत्याचार हुए हैं। यहां महिलाएं भी डरी हुई हैं।

कर्नाटक में फिर नया बवाल

सीईटी परीक्षा में छात्रों से जनेऊ व कलावा उतरवाए

आदि चुनचुनगिरी पीयू कॉलेज परिसर में ऐसी करतूत की

एजेंसी ▶▶ शिमोग्गा

कर्नाटक के शिवमोग्गा में कॉमन एंट्रेंस टेस्ट(सीईटी) के दौरान एक विवाद खड़ा हो गया। कुछ छात्रों से परीक्षा केंद्र में जनेऊ और हाथों में बंधे कलावे को उतारने के लिए कहा गया और यही विवाद की जड़ बन गय। घटना आदि चुनचुनगिरी पीयू कॉलेज परिसर की है।

परीक्षा देने आए 3 छात्रों को परीक्षा केंद्र पर रोका गया और उनके शरीर पर बंधे जनेऊ और हाथों में बंधा रक्षा सूत्र (कलावा) हटाने को कहा गया। गेट पर मौजूद गाड्‌र्स ने दो छात्रों से जनेऊ और बंधा रक्षा सूत्र उतरवा दिए, लेकिन तीसरा छात्र जनेऊ न उतारने पर अड़ गया। घटना 16 अप्रैल की है। छात्र को 15 मिनट तक गेट पर रोका गया। गाड्‌र्स ने उसके रक्षा सूत्र उतरवा लिया। जनेऊ के साथ परीक्षा देने की इजाजत दी।

मामले ने पकड़ा तूल, कार्रवाई हो

अब मामला तूल पकड़ चुका है। अखिल कर्नाटका ब्राह्मण सभा ने जिलाधिकारी से मिलकर सख्त कार्रवाई की मांग की है। उनका आरोप है कि धार्मिक भावनाओं को आहत किया गया है और दोषियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाए। पीड़ित छात्र अभिज्ञान के मामा ने बताया कि मेरा भांजा पीयू कॉलेज गया, वहां गार्ड ने टी शर्ट के अंदर पहने जनेऊ और हाथों में पहने रक्षा सूत्र को उतारने को कहा। भांजे ने साफ कह दिया कि वह भले ही परीक्षा देगा लेकिन जनेऊ नहीं उतारेगा। उसे जनेऊ के साथ परीक्षा देने की अनुमति दी गई, लेकिन कलावा निकालकर उसे डस्टबिन में डाल दिया गया। इससे पहले 2 बच्चों का जनेऊ भी उतरवा दिया गया था।

उच्च शिक्षा मंत्री बोले-तो कार्रवाई होगी

कर्नाटक के उच्च शिक्षा मंत्री एमसी सुधाकर ने कहा कि ऐसा नहीं होना चाहिए था। अगर ऐसा हुआ है और जैसा दावा किया गया है तो ये निंदनीय है। मैंने एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर से रिपोर्ट मांगी है। एग्जाम के लिए कुछ सेट प्रोटोकॉल होते हैं, उसका पालन हर संस्थान करता है, लेकिन उनमें जनेऊ उतरवाने की बात नहीं है। अगर जांच में ये बात सही साबित होती है तो दोषी लोगों के खिलाफ कार्यवाही होगी।

गुरु तेग बहादुर की जयंती

अमृतसर। सिख धर्म के नौवें गुरु तेग बहादुर की जयंती के अवसर पर अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में प्रार्थना के बीच सिख पुजारी सिख धर्म के धार्मिक ग्रंथ 'गुरु ग्रंथ साहिब' के चारों ओर बैठे हुए।

वीर विनय चौराहा पर लगाए बड़े आरोप

बलरामपुर में भाजयुमो ने राहुल-सोनिया का जलाया पुतला, जमकर की नारेबाजी

नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस के बड़े नेताओं पर चार्जशीट

एजेंसी ▶▶ बलरामपुर

नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस नेता सांसद राहुल गांधी एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी का नाम आने पर भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने वीर विनय चौराहा पर दोनों नेताओं का पुतला जलाया। भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी भी की। भाजपा जिलाध्यक्ष रवि मिश्र के नेतृत्व में युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने अटल भवन कार्यालय तुलसीपार्क से नारेबाजी करते हुए वीर विनय चौराहा पहुंचे। रवि ने कहा कि कांग्रेस घोटाले पर घोटाला करती आ रही है। नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी ने सोनिया गांधी, राहुल गांधी,सैम पित्रोदा व सुमन दुबे का नाम अपनी चार्ज शीट में शामिल किया है।

कांग्रेस सरकार ने देश को लूटा

नेशनल हेराल्ड के मामले में कांग्रेस ने सिर्फ घोटाला किया है। मोदी सरकार में जांच एजेंसियां सही ढंग से कार्य कर रही हैं। अब कांग्रेस कार्यकाल में हुए भ्रष्टाचार का पर्दाफाश हो रहा है। नेशनल हेराल्ड केस में सोनिया एवं राहुल अंतरिम जमानत पर हैं। अवध क्षेत्र के क्षेत्रीय कार्य समिति सदस्य एकता जायसवाल ने कहा कि युवा मोर्चा की ओर से पूरे देश में नेशनल हेराल्ड मामले में कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। 2014 से पहले कांग्रेस की सरकार ने देश को लूटने का कार्य किया है।

भ्रष्टाचार को छुपाने देश को गुमराह कर रही कांग्रेस

कांग्रेस नेता राहुल व सोनिया के नाम से 661 करोड़ मनी लॉन्ड्रिंग घोटाला किया गया है। जांच करवाई प्रभावित करने के लिए कांग्रेस झूठ का प्रपंच रच रही है। जिलाध्यक्ष संदीप वर्मा ने कहा कि ईडी ने नेशनल हेराल्ड केस में यंग इंडिया की 751.9 करोड़ की संपत्ति अटैच की थी। इस कंपनी में सोनिया व राहुल की 76 प्रतिशत हिस्सेदारी है। कांग्रेसी भ्रष्टाचार को छुपाने के लिए देश को गुमराह कर रहे हैं।

आय से अधिक संपत्ति मामले में ईडी की कार्रवाई

डालमिया सीमेंट की 793 करोड़ रुपए की प्रॉपर्टी अटैच, जगन मोहन पर काली कमाई के आरोप

आंध्र प्रदेश के कडपा में 417 हेक्टेयर के लाइम स्टोन की खरीदारी

एजेंसी ▶▶ कडपा

आय से अधिक संपत्ति मामले में कार्रवाई करते हुए ईडी ने डालमिया सीमेंट की 793 करोड़ की प्रॉपर्टी अटैच की है। आरोप है आंध्र प्रदेश के कडपा जिले में 417 हेक्टेयर के लाइम स्टोन की खरीदारी में धांधली की गई थी। इस घोटाले के जरिए जगन मोहन रेड्डी को करीब 150 करोड़ अवैध तरीके से लाभ मिलने का आरोप है। रेड्डी तक जो पैसे पहुंचे थे, उनमें से 95 करोड़ रघुराम सीमेंट के शेयर के जरिए मिले थे और 55 करोड़ हवाला के रूप में जगन तक पहुंचे थे। सीबीआई ने 2013 में चार्जशीट लगाई थी। रेड्डी के साथ डालमिया सीमेंट्स ने 417 हेक्टेयर के लाइम स्टोन अवैध तरीके से लीज में लिए थे।

राजशेखर रेड्डी के राज में हुआ घोटाला

डालमिया सीमेंट की 793 करोड़ की जमीन जब्त करते हुए मार्च 31 को आदेश जारी किए गए थे। अटैचमेंट की कॉपी इस महीने की 15 तारीख रात को डालमिया सीमेंट को मिलने की खबर है। डालमिया सीमेंट की ओर से कहा गया था कि इस जमीन को खरीदते वक्त इसकी कीमत 377 करोड़ थी।

केस दर्ज होने के बाद रुके 85 करोड़ : सीबीआई का कहना है कि जगन मोहन रेड्डी को जो 150 करोड़ मिले हैं, उनके अलावा उन्हें हावाला के जरिए 85 करोड़ और मिलने वाले थे। मामला दर्ज होने से ये पैसे रेड्डी तक नहीं पहुंचे।

बाराबंकी और अयोध्या में आंधी-बारिश, तूफान ने बरपाया कहर

दीवार गिरी, छप्पर उड़े और 10 लोगों की गई जान

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

यउत्तर प्रदेश में अवध क्षेत्र में गुरुवार की शाम अचानक बिगड़े मौसम ने कहर बरपाया। तेज आंधी, बारिश व ओलावृष्टि ने किसानों के लिए परेशानी खड़ी कर दी। बाराबंकी में टिन शेड, दीवार और पेड़ गिरने से चपेट में आए 5 लोगों की मौत हो गई। 6लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। अयोध्या में भी अलग-अलग हादसों में 5महिलाओं ने दम तोड़ दिया। 3 महिलाओं समेत 4 लोग घायल हो गए। पेड़ गिरने से अयोध्या-लखनऊ हाईवे पर आवागमन बाधित हो गया। पोल गिरने से बिजली गुल हो गई। गेहूं और आम की फसल को भारी नुकसान हुआ है।

हादसों में 5 महिलाओं ने दम तोड़ा

पीड़ित परिवारों को जल्द आर्थिक सहायता देंगे

तहसीलदार प्रियंका त्रिपाठी ने बताया कि 25 बकरियों की भी मौत हो गई है। दरियाबाद के अलियाबाद में दीवार गिरने से चंदू कुमार की पत्नी फूलन देवी गंभीर रूप से घायल हो गईं। जिले में अलग-अलग स्थानों पर हुई मौतों की जानकारी मिली है राजस्व टीम को मौके पर भेजा गया है।

ट्राली में दबीं 3 महिलाएं

रामनगरी में आंधी, बारिश और ओलावृष्टि ने जिले के कई इलाकों में कहर बरपा दिया। अयोध्या-लखनऊ हाईवे पर आवागमन बाधित हो गया। बिजली गुल हो गई। सैदपुर गांव में 3 महिलाएं ट्रैक्टर ट्राली के नीचे बैठी थीं लेकिन उसमें दब गईं।

टिन शेड गिरने से गई कई बच्चों की जान

बाराबंकी के नवाबपुर कोड़री गांव में विष्णुलाल की पत्नी फूलमती, उनका बेटा राहुलऔर देवर वासुदेव का बेटा ध्रुव खेत में मेंथा की सिंचाई करने गए थे। आंधी आने पर तीनों गांव के बाहर बने स्कूल परिसर में टीन शेड के नीचे खड़े हो गए। टीन शेड पिलर समेत ढह गया, जिसमें दबकर फूलमती और ध्रुव की मौत हो गई। असंद्रा क्षेत्र के कचार मजरे हकामी निवासी मुन्नालाल की पुत्री ज्योति व राजू यादव का पुत्र शिवम भाई सौरभ, सुमित गांव की राधा, हरिओम के साथ बकरी चराने गए थे। सभी बच्चे बकरियों को लेकर मुर्गी फॉर्म में चले गए। फॉर्म का टिनशेड व दीवार गिर गई। सभी दब गए।

पीएम नरेंद्र मोदी और एलन मस्क की फोन पर हुई बातचीत

दोनों ने टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के क्षेत्रों में आपसी साझेदारी बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई

• पीएम मोदी ने कहा कि एलन मस्क के साथ विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की, जिसमें इस साल की शुरुआत में वाशिंगटन डीसी में हमारी बैठक के दौरान उठे विषय भी शामिल थे। हमने टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के क्षेत्रों में सहयोग की अपार संभावनाओं पर बातचीत की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क के साथ फोन पर बातचीत की। दोनों नेताओं ने टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के क्षेत्रों में भारत और अमेरिका के बीच सहयोग को बढ़ाने के बारे में चर्चा की। पीएम ने कहा हमने टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के क्षेत्रों में सहयोग की अपार संभावनाओं पर बातचीत की। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर पोस्ट किया कि एलन मस्क से बात की और विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की, जिसमें इस साल की शुरुआत में वाशिंगटन डीसी में हमारी बैठक के दौरान उठे विषय भी शामिल थे। हमने टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के क्षेत्रों में सहयोग की अपार संभावनाओं पर बातचीत की। भारत इन क्षेत्रों में अमेरिका के साथ अपनी साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

भारत और अमेरिका उभरते क्षेत्रों में करेंगे सहयोग

फरवरी में पीएम मोदी के यूएस दौरे पर मस्क मिले थे

नवीकरणीय उर्जा और अंतरिक्ष क्षेत्र में भी सहयोग की आशा

पीएम मोदी और मस्क दोनों ने इससे पहले इलेक्ट्रिक वाहन, नवीकरणीय ऊर्जा और अंतरिक्ष जैसे उभरते क्षेत्रों में भविष्य के सहयोग के बारे में आशा व्यक्त की थी पीएम मोदी और मस्क की इससे पहले फरवरी में पीएम मोदी की अमेरिका की दो दिवसीय राजकीय यात्रा के दौरान मुलाकात हुई थी। दोनों ने इलेक्ट्रिक वाहन, नवीकरणीय ऊर्जा और अंतरिक्ष जैसे उभरते क्षेत्रों में भविष्य के सहयोग के बारे में आशा व्यक्त की थी।

भारतीय अधिकारियों से बात कर रही टेस्ला

यह बातचीत मस्क की कंपनियों– विशेष रूप से टेस्ला और स्टारलिंक की भारतीय बाजार में बढ़ती दिलचस्पी के बीच हुई है। टेस्ला देश में मैन्युफैक्चरिंग बेस स्थापित करने के लिए भारतीय अधिकारियों के साथ बातचीत कर रही है। वहीं मुकेश अंबानी की रिलायंस जियो ने मार्च में भारत में स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट सेवाएं लाने के लिए मस्क की स्पेसएक्स के साथ एक समझौते की घोषणा की थी। टेलीकॉम टाइकून सुनील भारती मित्तल की भारती एयरटेल ने भी स्पेसएक्स के साथ इसी तरह की साझेदारी की है। मस्क को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन में सबसे प्रभावशाली व्यक्तियों में से एक माना जाता है। मस्क सरकारी दक्षता विभाग का नेतृत्व कर रहे हैं जिसका उद्देश्य सरकारी व्यय में कटौती एवं संघीय कार्यबल को कम करना है।

अमेरिकी उप राष्ट्रपति की यात्रा से मिलेंगे अच्छे परिणाम

मानेसर। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की अगले सप्ताह भारत यात्रा से पहले इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को इस यात्रा से 'सकारात्मक परिणाम' मिलने की उम्मीद जताई।

वीवीडीएन टेक्नोलॉजीज के एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि इसके बहुत सकारात्मक परिणाम होंगे, क्योंकि हमने इस मामले को बहुत ही व्यावहारिक और सक्रिय तरीके से लिया है तथा हम इसमें लगातार लगे हुए हैं। वैष्णव ने कहा कि समय के साथ भारत एक बहुत ही विश्वसनीय देश के रूप में उभरा है, क्योंकि पीएम नरेंद्र मोदी ने जिस प्रकार से विदेश नीति का संचालन किया है, उससे आज हमारे देश के प्रति जो विश्वास उत्पन्न हुआ है, वह हम सभी के लिए एक बहुत बड़ा और महत्वपूर्ण कारक होने वाला है।

खबर संक्षेप

इटली में केबल कार दुर्घटना में 4 की मौत

रोम। इटली में नेपल्स के दक्षिण में एक केबल कार के दुर्घटनाग्रस्त होने से तीन पर्यटकों सहित चार

लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक ब्रिटिश और एक इजराइली महिला भी शामिल है। विको इक्वेन्स के मेयर के प्रवक्ता मार्को डी रोजा ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गुरुवार को हुई दुर्घटना में मारे गए तीन विदेशी पर्यटकों में से केवल दो की ही पहचान हो पाई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, एक 'ट्रैक्शन केबल' के टूटने की वजह से यह दुर्घटना हुई। इतालवी अधिकारियों ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

रास ईसा बंदरगाह पर हमले में 38 की मौत

दुबई। यमन के हूती विद्रोहियों ने शुक्रवार को दावा किया कि तेल बंदरगाह को निशाना बनाकर किए

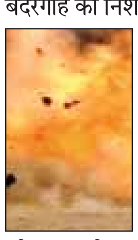

गए अमेरिकी हवाई हमलों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 74 हो गई है जबकि 171 अन्य घायल हैं। यमन की राजधानी सना में विद्रोहियों के स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारी में रात भर किए गए हमलों से हुई तबाही का उल्लेख किया गया है, जिसमें ईंधन ट्रकों में आग लग गई और रात के समय आसमान में आग के गोले धधक उठे। यह हमला 15 मार्च से जारी हमलों में सबसे घातक था।

विमान के अपहरणकर्ता को यात्री ने गोली मारी

मेक्सिको सिटी। अमेरिका के एक पूर्व सैन्यकर्मी ने बेलीज में एक छोटे यात्री विमान का अपहरण कर

लिया जिसके बाद वह एक यात्री द्वारा चलाई गई गोली लगने से मारा गया। बेलीज पुलिस ने अपहरणकर्ता की पहचान अकिनयेला टेलर के रूप में की है। उसने जिस 'ट्रिपोक एयर' विमान का अपहरण किया था उसमें 14 यात्री और चालक दल के दो सदस्य सवार थे। बेलीज के पुलिस आयुक्त चेस्टर विलियम्स ने बताया कि टेलर ने विमान में सवार दो यात्रियों और एक पायलट पर चाकू से वार किया। टेलर एक यात्री द्वारा चलाई गई गोली लगने से मारा गया।

मुर्शिदाबाद हिंसा पर बांग्लादेश की टिप्पणी पर भारत की दो टूक...

अनर्गल बयान देने की जगह अपने देश में अल्पसंख्यकों के अधिकारों की करें रक्षा

• विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने ढाका की टिप्पणियों को गंभीरता से लिया और इसे बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न के बारे में भारत की चिंताओं के साथ समानता स्थापित करने का एक 'छिपा हुआ और कपटपूर्ण' प्रयास करार दिया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत ने गुरुवार को वक्फ संशोधन अधिनियम पर विरोध प्रदर्शनों के दौरान पश्चिम बंगाल में हुई हिंसा के बारे में बांग्लादेश के बयान को दृढ़ता से खारिज कर दिया। विदेश मंत्रालय ने ढाका की टिप्पणियों को गंभीरता से लिया और इसे बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न के बारे में भारत की चिंताओं के साथ समानता स्थापित करने का एक 'छिपा हुआ और कपटपूर्ण' प्रयास करार दिया।

बुधवार को बांग्लादेश ने भारत और पश्चिम बंगाल सरकार से राज्य में हिंसा के बीच अल्पसंख्यक मुस्लिम आबादी की सुरक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाने का आग्रह किया था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक बयान में कहा कि हम पश्चिम बंगाल की घटनाओं के संबंध में बांग्लादेश की ओर से की गई

पश्चिम बंगाल की घटनाओं के संबंध में बांग्लादेश की टिप्पणियां अस्वीकार

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हिंसा के अपराधी अभी भी खुलेआम घूम रहे

भारत से तुलना एक कपटपूर्ण प्रयास

रणधीर जायसवाल ने बयान में कहा कि यह बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के लगातार उत्पीड़न पर भारत की चिंताओं के साथ तुलना करने का एक छिपा हुआ और कपटपूर्ण प्रयास है, जहां ऐसे कृत्यों के अपराधी अभी भी खुलेआम घूम रहे हैं। उन्होंने कहा कि अनुचित टिप्पणियां करने और खुद को पाक-साफ दिखाने के बजाए, बांग्लादेश को अपने अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

मुर्शिदाबाद हिंसा में बांग्लादेश शामिल नहीं

बता दें, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार मोहम्मद यूनुस के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने गुरुवार

को कहा था कि हम मुर्शिदाबाद में सांप्रदायिक हिंसा में बांग्लादेश को शामिल करने के किसी भी प्रयास का दृढ़ता से खंडन करते हैं। उन्होंने भारत और पश्चिम बंगाल सरकार से 'अल्पसंख्यक मुस्लिम आबादी की पूर्ण सुरक्षा के लिए सभी कदम उठाने' का आह्वान किया था। उन्होंने कहा था कि हम मुसलमानों पर हुए हमलों की निंदा करते हैं जिससे जान-माल का नुकसान हुआ है। बता दें, वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ मुस्लिम समुदाय के विरोध प्रदर्शन के बाद समेत कुछ हिस्सों में पिछले कुछ दिन में सांप्रदायिक हिंसा हुई।

1971 के अत्याचारों के लिए सरेआम माफी मांगे पाकिस्तान | बांग्लादेश ने मांगा 4.3 अरब डॉलर का मुआवजा

ढाका। बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच 15 साल बाद गुरुवार को विदेश सचिव स्तर की बैठक हुई, जिसमें बांग्लादेश ने कई पुराने और संवेदनशील मुद्दे उठाए। बांग्लादेश ने पाकिस्तान से 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान पाकिस्तानी सेना द्वारा बंगालियों के खिलाफ किए गए अत्याचारों के लिए औपचारिक माफी मांगने को कहा है। उसने पाकिस्तान की परिसंपत्तियों में अपना हिस्सा मांगते हुए इस्लामाबाद से बांग्लादेश को बकाया 4.5 अरब डॉलर का मुआवजा अदा करने को भी कहा है। इसमें 1971 के युद्ध के दौरान बांग्लादेश छोड़ने में असमर्थ फंसे हुए

पाकिस्तानियों की वापसी और 1970 के चक्रवात भोला में मिली विदेशी मदद के पैसे की बात भी शामिल थी। बैठक में बांग्लादेश ने कई पुराने और संवेदनशील मुद्दे उठाए जिसमें ऑपरेशन सर्चलाइट का भी जिक्र था जिसमें, पाकिस्तानी सेना ने अनुमानित 30 लाख बंगालियों को मार डाला और दस लाख से अधिक महिलाओं के साथ बलात्कार किया। मामले में बांग्लादेश के विदेश सचिव मोहम्मद जशीम उद्दीन ने बताया कि पाकिस्तान के साथ अच्छे और स्थायी रिश्ते बनाने के लिए पुराने मामलों का हल जरूरी है। पाकिस्तान की विदेश सचिव अमना बलूच इस वार्ता में शामिल थीं।

दो अवैध बांग्लादेशी अप्रवासी त्रिपुरा में गिरफ्तार

अगरतला। त्रिपुरा के अगरतला रेलवे स्टेशन से दो अवैध बांग्लादेशी अप्रवासियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अगरतला राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के प्रभारी अधिकारी आपस दास ने बताया कि बांग्लादेश के बरिसाल जिले की निवासी नादिया अख्तर (19) और रूपाली अख्तर (38) को गुरुवार को उस समय पकड़ा गया जब वे कोलकाता जाने वाली रेल गाड़ी में सवार होने जा रहे थे। उन्होंने बताया कि खुफिया सूचना के आधार पर जीआरपी, जिला पुलिस और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने संयुक्त अभियान में उन्हें गिरफ्तार कर लिया। दास ने बताया कि पूछताछ के दौरान उन्होंने बताया कि वे दो दिन पहले बिना किसी वैध दस्तावेज के भारत में दाखिल हुए थे और उनकी योजना कोलकाता के रास्ते मुंबई जाने की थी। उन्होंने कहा कि भारत में प्रवेश करने में उनकी मदद करने वालों की पहचान के लिए जांच चल रही है।

एफबीआई को मिली बड़ी कामयाबी

14 धमाकों का मास्टरमाइंड आतंकी हरप्रीत गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका में रहने वाले आतंकी हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासिया को गिरफ्तार कर लिया है। एफबीआई और अमेरिकी इमिग्रेशन विभाग ने उसे अपने शिकंजे में ले लिया है। वह पिछले छह महीनों में पंजाब में 14 आतंकी हमलों के लिए जिम्मेदार है। आतंकी भारत के सबसे वांछित आतंकियों में से एक है। उस पर 5 लाख रुपये का इनाम था। वह अभी आईसीई (इमिग्रेशन एंड कस्टम्स इंफोर्समेंट) की हिरासत में है। सूत्रों के मुताबिक, हैप्पी पासिया ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई और बब्बर खालसा इंटरनेशनल के साथ मिलकर आतंकी हमलों को अंजाम दिया। हैप्पी पासिया ने पंजाब के पुलिस प्रतिष्ठानों पर कई आतंकी हमले किए और सोशल मीडिया पर उनकी जिम्मेदारी ली।

एनआईए की चार्जशीट में था हैप्पी का नाम

इससे पहले 23 मार्च को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने 2024 चंडीगढ़ ग्रेनेड हमला मामले में बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) आतंकवादी संगठन के चार आतंकवादी गुर्गों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था। आरोप पत्र दायर करने वाले आरोपियों में पाकिस्तान स्थित नामित व्यक्तिगत आतंकवादी हरविंदर सिंह संधू उर्फ रिंदा और अमेरिका स्थित हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासिया शामिल हैं। दोनों आतंकवादी हमले के पीछे मुख्य संचालक और साजिशकर्ता थे। उन्होंने ग्रेनेड हमले को अंजाम देने के लिए चंडीगढ़ में भारत स्थित जमीनी गुर्गों को रसद सहायता, आतंकी फंड, हथियार और गोला-बारूद मुहैया कराया था। सितंबर 2024 के हमले का मकसद पंजाब पुलिस के एक सेवानिवृत्त अधिकारी को निशाना बनाना था।

हरप्रीत के प्रत्यर्पण की मांग: डीजीपी

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस प्रमुख गौरव यादव ने शुक्रवार को गैंगस्टर से आतंकवादी बने हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासिया की अमेरिका में गिरफ्तारी को 'आतंकवाद के खिलाफ युद्ध की सफलता में एक बड़ी उपलब्धि' बताया और कहा कि पंजाब पुलिस ने इस मामले को केंद्र सरकार के समक्ष उठाया है और उसके प्रत्यर्पण के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं।

भारत निर्णायक अध्याय लिखने को तैयार

भारतीय अंतरिक्ष यात्री अगले महीने आईएसएस पर जाएंगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अगले महीने निर्धारित अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष मिशन में एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री के शामिल होने के साथ ही भारत अपनी अंतरिक्ष यात्रा में एक निर्णायक अध्याय लिखने के लिए तैयार है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के आने वाले महीनों की प्रमुख योजनाओं की समीक्षा के लिए आयोजित एक उच्च-स्तरीय बैठक के बाद अंतरिक्ष विभाग मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला अगले महीने एक्सिओम स्पेस के एएक्स-4 मिशन के हिस्से के रूप में अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए उड़ान भरने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। मई 2025 के लिए निर्धारित ग्रुप कैप्टन शुक्ला का मिशन भारत के बढ़ते अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष सहयोग में एक कीर्तिमान है। यह मिशन अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) का दौरा करने वाले पहले भारतीय और राकेश शर्मा की 1984 की सोवियत सोयुज अंतरिक्ष यान की प्रतिष्ठित उड़ान के चार दशकों से अधिक समय बाद अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री के तौर पर दर्ज किया जाएगा।

रक्षा सचिव का ब्रिटेन दौरा संपन्न

रक्षा संबंधों को सशक्त बनाने के लिए दोनों देश हैं प्रतिबद्ध

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने 16-17 अप्रैल, 2025 तक लंदन की दो दिवसीय यात्रा पूरी की है। यात्रा के दौरान, उन्होंने ब्रिटेन के साथ वार्षिक द्विपक्षीय रक्षा वार्ता के लिए एक उच्च स्तरीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। रक्षा सचिव ने लंदन में रक्षा मामलों के स्थायी उपसचिव डेविड विलियम्स के साथ भारत-ब्रिटेन रक्षा परामर्श समूह की 24वीं बैठक की सह-अध्यक्षता की। दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय व वैश्विक स्तर पर उभरते भू-राजनीतिक परिदृश्य की समीक्षा की और रक्षा संबंधों को पहले से सशक्त बनाने के लिए दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की। यह चर्चा वर्ष 2021 में घोषित व्यापक रणनीतिक साझेदारी और 2030 के रोडमैप के संदर्भ में हुई, जो दोनों देशों के बीच सहयोग को विस्तार देगी। भारतीय रक्षा सचिव ने ब्रिटेन के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जोनाथन पॉवेल के साथ भी विचारों का आदान-प्रदान किया, जिसमें तीनों सेनाओं के बीच सैन्य संबंधों को आगे बढ़ाने और दोनों देशों के रक्षा उद्योगों के बीच सहभागिता को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

यूएनएससी में फिर उठा विस्तार का मुद्दा, आईजीएन के अध्यक्ष बोले

भारत सीट का प्रमुख दावेदार, वैश्विक मंच पर बड़ा देश

एजेंसी ▶▶ न्यूयॉर्क

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में विस्तार का मुद्दा एक बार फिर उठा है। यूएनएससी में सुधारों पर इंटरगवर्नमेंटल नेगोशिएशंस (आईजीएन) के अध्यक्ष और कुवैत के राजदूत तारिक अलबनई ने कहा कि अगर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में विस्तार होता है तो भारत सीट का प्रमुख दावेदार होगा। उन्होंने कहा कि सुधार परिषद का लक्ष्य प्रतिनिधित्वपूर्ण होना चाहिए। भारत आज वैश्विक मंच पर एक प्रमुख देश है।

संयुक्त राष्ट्र 193 देशों का सदस्य है। यह विचार सभी के लिए और संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्यों के लिए प्रतिनिधित्वपूर्ण है। अलबनई ने कहा कि यदि यह निर्णय लिया जाता है कि परिषद के सदस्यों की संख्या 21 से बढ़ाकर 27 की जाएगी, तो निश्चित रूप से भारत इसमें दावेदार होगा और व्यापक सदस्यता के निर्णय के अधीन होगा। सुधार की राह जटिल है, लेकिन हम आगे बढ़ने की दिशा में स्थिर और सार्थक कदम उठा रहे हैं।

बेहतर यूएन बनाने में सुधार की प्रक्रिया एक अभिन्न अंग

सुधार के लिए साहस और रचनात्मक दोनों का होना जरूरी

जो बाधाएं हैं, उन्हें तोड़ देना चाहिए

अलबनई ने कहा कि वे इस सत्र में सदस्य देशों द्वारा दिखाई गई गति से उत्साहित हैं। सुधार की भावना के लिए साहस और रचनात्मकता दोनों की आवश्यकता होती है, और सभी प्रतिनिधिमंडलों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है क्योंकि हम सुरक्षा परिषद सुधार के मुख्य तत्वों पर आम सहमति बनाने के लिए काम कर रहे हैं। अलबनई ने कहा कि वह यह नहीं बता सकते कि यह सुधार 2030 तक होगा या किसी अन्य वर्ष में। मैं इस बात को लेकर बहुत सकारात्मक हूं कि जो भी बाधाएं हैं, उन्हें तोड़ दिया जाना चाहिए, क्योंकि लोग समझ रहे हैं कि हमें कुछ अलग करने की जरूरत है।

यूएन को अगली सदी तक टिकने के लिए डिजाइन करें

उन्होंने कहा कि 1965 में निर्वाचित सदस्यों की संख्या में वृद्धि के अलावा सुरक्षा परिषद का पहला दौर 80 वर्षों से अधिक समय तक चला है। सुधार के बाद परिषद जो भी रूप ले, उसे अगली सदी तक टिकने के लिए डिजाइन किया जाना चाहिए, जो समावेशिता, पारदर्शिता, दक्षता, प्रभावशीलता, लोकतंत्र और जवाबदेही के सिद्धांतों पर आधारित हो। विस्तारित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में कितने सदस्य होने चाहिए, इसके जवाब में संयुक्त राष्ट्र में कुवैत के स्थायी प्रतिनिधि अलबनई ने कहा कि इस पर अभी तक कोई निर्णय नहीं हुआ है, लेकिन जो संख्या बताई जा रही है वह 21 से 27 सदस्य देशों के बीच है। उन्होंने कहा कि भारत का रुख हमेशा से ही टेक्स्ट-आधारित वार्ता की ओर जल्द से जल्द बढ़ने का रहा है।

नीमच स्थित सीआरपीएफ के ग्रुप सेंटर में सीआरपीएफ के 86वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को केंद्रीय गृह मंत्री ने किया संबोधित

केंद्रीय मंत्री शाह का ऐलान-वर्ष 2026 तक नक्सलवाद से मुक्त हो जाएगा संपूर्ण देश

आतंकवाद-उग्रवाद विरोधी गतिविधियों में निभाई मुख्य भूमिका

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने ऐलान किया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में वर्ष 2026 तक देश नक्सलवाद से मुक्त हो जाएगा। इस प्रण को पूरा करने में सीआरपीएफ की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। सीआरपीएफ ने जम्मू-कश्मीर में धारा 370 हटने के बाद शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव संपन्न कराए।

कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक जहां जरूरत होती है, सीआरपीएफ के जवान सदैव कर्तव्य पथ पर तत्पर रहते हैं। देश का जब भी स्वर्णिम इतिहास लिखा जाएगा, उसमें सीआरपीएफ के शहीदों के नाम स्वर्ण अक्षरों से लिखे जाएंगे। शाह ने देश की आंतरिक सुरक्षा में सीआरपीएफ कर्मियों के अदम्य साहस और समर्पण की सराहना की। उन्होंने सीआरपीएफ की आतंकवाद और उग्रवाद विरोधी गतिविधियों, शांति स्थापना के कार्यों में निभाई गई भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि 'जहां सीआरपीएफ है, वहां चिंता करने की कोई बात नहीं'। केंद्रीय गृह मंत्री शाह गुरुवार को नीमच स्थित सीआरपीएफ के ग्रुप सेंटर में सीआरपीएफ के 86वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव भी मौजूद थे।

अब महिलाओं की भर्ती, आयुष्मान कार्ड का लाभ भी

केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि आज सीआरपीएफ के 3 लाख जवान देश में कानून-व्यवस्था और शांति स्थापित करने के लिए कार्य कर रहे हैं। देश की संसद पर आतंकी हमले और श्रीराम जन्मभूमि पर हमले जैसी मुश्किल समय में कई बार सीआरपीएफ जवानों ने वीरता का प्रदर्शन करते हुए राष्ट्र की सुरक्षा के लिए सर्वस्व न्यौछावर करते हुए बलिदान दिया। उन्होंने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के शहीद जवानों को नमन करते हुए कहा कि सीमा क्षेत्रों से लेकर अंदरुनी इलाकों तक देश की सुरक्षा में सीआरपीएफ के योगदान को कोई भुला नहीं सकता। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार द्वारा सीआरपीएफ कर्मियों को आयुष्मान कार्ड और आवास योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। सीआरपीएफ में अब महिलाओं की भी भर्ती हो रही है। उनके लिए भी आवास सुविधा विकसित की जा रही है। सीआरपीएफ को आधुनिक बनाए रखने के लिए केन्द्र सरकार की ओर से उत्कृष्ट सुविधा प्रदान की जा रही है। सीआरपीएफ को 2708 वीरता पदक प्राप्त हुए हैं, जो अद्भुत वीरता के परिचालक हैं।

सरदार पटेल ने इसी दिन प्रदान किया था ध्वज

86वीं सीआरपीएफ दिवस परेड इस वर्ष 17 अप्रैल को विस्तारित समारोहों के अन्तर्गत आयोजित की गई। सामान्यतः सीआरपीएफ दिवस प्रतिवर्ष 19 मार्च को मनाया जाता है, क्योंकि 1950 में इसी दिन भारत के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने सीआरपीएफ को ध्वज प्रदान किया था। इस वर्ष नीमच में आयोजन का विशेष महत्व इसलिए भी है क्योंकि यहीं 27 जुलाई 1939 को ब्रिटिश शासन के दौरान 'क्राउन रिप्रेजेंटेटिव पुलिस' की स्थापना हुई थी। स्वतंत्रता के बाद 28 दिसंबर 1949 को सरदार पटेल ने इसे 'केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ)' नाम दिया। आज सीआरपीएफ देश की आंतरिक सुरक्षा का मजबूत स्तंभ है हर चुनौतीपूर्ण मोर्चे पर अग्रिम पंक्ति में डटे रहकर, 'सेवा और निष्ठा' के अपने मूल मंत्र को चरितार्थ कर रहा है। नीमच में आयोजित आज के कार्यक्रम में जिले की प्रभारी मंत्री निर्मला भूरिया, सीआरपीएफ के महानिदेशक ज्ञानेन्द्र प्रताप सिह, सांसद सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर सहित जिले के तीनों विधायक व अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

सहकारिता एक्ट और गाइडलाइन अध्ययन के लिए कमेटी का गठन

केंद्र सरकार की गाइडलाइन अनुसार रूपरेखा करें निर्धारित: मंत्री सारंग

भोपाल। केन्द्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा राज्य स्तरीय सहकारी सम्मेलन में दिए गए निर्देशों के परिपालन में सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने मंत्रालय में गुरूवार को उच्च स्तरीय बैठक ली और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार की गाइडलाइन अनुसार रूपरेखा निर्धारित कर कार्य-योजना बनाई जाए। सारंग ने कहा कि कमेटी गठित कर सहकारिता एक्ट और गाइडलाइन का अध्ययन किया जाए। यह कमेटी अपनी अनुशंसा उच्च स्तर पर प्रस्तुत करेगी। बैठक में कमेटी के सदस्यों में आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक मनोज पुष्प, प्रबंध संचालक अपेक्स बैंक मनोज गुप्ता, अपेक्स बैंक ट्रेनिंग कॉलेज के प्राचार्य पीएस तिवारी, संयुक्त आयुक्त केके द्विवेदी और एचएस बघेला को शामिल किया गया है।

सहकारिता अधिकारी समझेंगे सीपीपीपी मंत्री

मंत्री सारंग ने को-ऑपरेटिव पब्लिक प्रायवेट पाटनरशिप मॉडल पर एक वर्कशॉप आयोजित करने के निर्देश भी दिए। वर्कशॉप में देशभर के सहकारिता से जुड़ें अधिकारियों को मॉडल का प्रजेटेंशन दिया जाएगा। 20 जून को यह प्रशिक्षण आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। सारंग ने सहकारी क्षेत्र में निवेश बढ़ाने की रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की। इस मॉडल के तहत सहकारी संस्थाओं को सशक्त बनाने के साथ निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा दिया जा रहा है।

'निवेश विंग आई डब्ल्यू'

बैठक में बताया ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में उच्च स्तर से निर्णय के बाद सहकारिता क्षेत्र में निवेशकर्ताओं को सभी आवश्यक सुविधाएं एक स्थान पर सुनिश्चित करने के लिए 'निवेश विंग आई डब्ल्यू' बनाई गई है। इसमें अम्बरीष वैद्य को नोडल अधिकारी बनाया गया है। प्रबंध संचालक अपेक्स बैंक मनोज गुप्ता और प्रबंध संचालक बीज संघ महेन्द्र दीक्षित समन्वय अधिकारी होंगे।

सीएम डॉ. यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर बताई उपलब्धि

मध्यप्रदेश में गिद्ध संरक्षण को मिल रही नई दिशा: मुख्यमंत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में वन्य जीव पर्यटन में नए आयाम जुड़ रहे हैं। पारिस्थितिकी तंत्र में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले गिद्धों का संरक्षण न केवल जैव विविधता की रक्षा के लिए आवश्यक है, अपितु पर्यावरण संतुलन बनाए रखने की दृष्टि से भी अनिवार्य है। प्रदेश में गिद्ध संरक्षण को भी नई दिशा दी जा रही है।

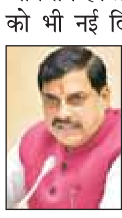

भोपाल स्थित केरवा गिद्ध प्रजनन केन्द्र से 6 गिद्धों को बुधवार को पहली बार प्राकृतिक वातावरण में छोड़ा गया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि राज्य सरकार ने गिद्धों सहित अन्य पशु पक्षियों की संकटग्रस्त प्रजातियों के संरक्षण के लिए सतत प्रयास किए हैं। एशिया से लुप्त हो रहे चीतों के पुनर्वास के लिए पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में दक्षिण अफ्रीका के देशों से चीते लाकर कूनो में उनका संरक्षण एवं संवर्धन किया गया। उन्होंने कहा कि गिद्धों पर जीपीएस ट्रैकर लगाए हैं, जिससे उनके व्यवहार एवं सुरक्षा की सतत निगरानी सुनिश्चित की जा सके।

कुम्हारी थाना क्षेत्र का मामला, पुलिस कर रही मामले की जांच

बुजुर्ग की लाठी-डंडों से पीटकर हत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

कुम्हारी थाना क्षेत्र में देर रात एक बुजुर्ग की धारदार हथियार और लाठी डंडे से वार कर हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया है। घायल बुजुर्ग को रात में परिजनों ने निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। कुम्हारी थाना के रामपुर चोरहा गांव में उस समय सनसनी मच गई जब एक बुर्जुग की खून से लथपथ घायल अवस्था में घर के बाहर पड़ा हुआ था।

बुजुर्ग के घर शादी समारोह की तैयारी चल रही थी इस दौरान घर के बाहर बैठे बुजुर्ग पर अज्ञात लोगो ने धारदार हथियार और लाठी डंडे से वार कर फरार हो गए। परिजनों जब घर के बाहर आए जिसके बाद बुजुर्ग को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान बुजुर्ग ने दम तोड दिया। मृतक भागवत मारकंडे के घर उसके बेटे की शादी 19 अप्रैल से शुरू होने वाली थी। जिसकी तैयारी परिजन कर रहे थे। बेटे की शादी की

खुशी मातम में बदल गई। बुजुर्ग की मौत की जानकारी अस्पताल प्रबंधन ने पुलिस को दी जिसके बाद पुलिस घटनास्थल और अस्पताल पहुंची। पुलिस ने पंचनामा कार्यवाही करते हुए शव को पीएम के लिए भेज दिया है। छावनी सीएसपी हरीश पाटिल ने बताया कि बुजुर्ग की हत्या की सूचना मिलने पर कुम्हारी थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। प्रथम दृष्ट बुजुर्ग की हत्या पारिवारिक विवाद जताई जा रही है पुलिस ने मृतक के चारो बेटो को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। वही पुलिस आसपास के लोगो से जानकारी ले रही है।

6 लाख, 11 नग लेपटॉप, 11 विस्फोटक बरामद

जवानों को मिली बड़ी सफलता नक्सली कैम्प पर किया कब्जा

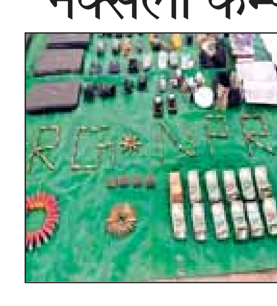

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बीजापुर

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में मुठभेड़ के बाद जवानों ने नक्सलियों के कैम्प पर कब्जा कर लिया है। जहां से 6 लाख रुपये नगद,11 नग लेपटॉप 11 समेत विस्फोटक पदार्थ बरामद हुआ है। नारायणपुर पुलिस द्वारा संचालित संयुक्त नक्सल विरोधी माड़ बचाव अभियान के तहत यह बड़ी सफलता मिली है। नारायणपुर के अबूझमाड़ थाना कोहकामेटा क्षेत्र के कसोड़-कुमुरादी के जंगल में माड़ डिवीजन के साथ मुठभेड़ हुई। इस दौरान हथियारबंद सीनियर कैडर नक्सली अपने दैनिक उपयोगी सामग्री छोड़ कर भागे। मुठभेड़ में बड़ी संख्या में नक्सलियों के मारे जाने और घायल होने की आशंका जताई जा रही है। वहीं सुरक्षाबलों की कड़ी करवाई में नक्सलियों को भारी आर्थिक नुकसान पहुंचा है। छत्तीसगढ़ शासन की नक्सल मुक्त ग्राम पंचायत को 1 करोड़ रुपये विकास कार्यों के प्रोत्साहन देने की योजना है। आत्मसमर्पित नक्सलियों पर कुल 40 लाख पचास हजार रूपये का ईनाम घोषित था। नक्सलियों को आत्मससमर्पण के लिए प्रोत्साहित कराने में जिला बल, डीआरजी सुकमा, रेंज फिल्डटीम (आरएफटी) कोंटा, सुकमा, सीआरपीएफ की विशेष भूमिका रही है।

बड़ी संख्या में नक्सली कर रहे सरेंडर

वहीं सुकमा जिले में कुल 22 नक्सलियों ने सरेंडर किया है। जिनमें एक नक्सल दम्पति भी शामिल है। सभी नक्सली माड़ डिवीजन एवं नुआपाडा डिवीजन के सदस्य हैं। शासन के नक्सल मुक्त ग्राम पंचायत के अभियान के तहत 22 नक्सलियों को सरेंडर कराने में बड़ी सफलता मिली है। आत्मसमर्पण करने वालों में 9 महिलाएं और 13 पुरुष शामिल हैं। छत्तीसगढ़ नक्सलवादी आत्मसमर्पण पुनर्वास नीति एवं नियद नेल्लानार योजना से प्रभावित होकर नक्सली लगातार आत्मसमर्पण कर रहे हैं। साथ ही अंदरूनी क्षेत्रों में लगातार नवीन सुरक्षा कैम्प स्थापना से बढ़ते पुलिस के प्रभाव से भी नक्सली घबराये हुए हैं। सरेंडर करने वाले नक्सलियों पर 1 पुरुष, 1 महिला नक्सली पर 08-08 लाख, 1 पुरुष, 1 महिला नक्सली पर 5 - 5 लाख, 2 पुरुष, 5 महिला 2- 2 लाख, 1 पुरुष नक्सली पर 50 हजार, कुल 40 लाख 50 हजार रूपये के ईनाम घोषित है।

दोनों घायल, एक की हालत गंभीर

तेज रफ्तार कार ने दो युवकों को मारी टक्कर

बिलासपुर। तोरवा थाना क्षेत्र अंतर्गत महमंद-सिरगिट्टी बायपास पर एक तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से दो युवक घायल हो गए। जिनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों की पहचान गोपी निषाद और रोहित निषाद के रूप में हुई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। जानकारी के मुताबिक, गोपी निषाद और रोहित निषाद महमंद के रहने वाले हैं। महमंद-सिरगिट्टी बायपास पर दोनों पैदल जा रहे थे। इस दौरान सफेद रंग की एक तेज रफ्तार कार ने उन्हें टक्कर मार दी। बताया जा रहा है कि चालक सरसिवा भटगांव से सिरगिटी जा रहा था। इसी दौरान उसे नींद की झपकी आ गई। जिस वजह से उनसे गाड़ी से नियंत्रण खो दिया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए वाहन को जब्त कर लिया है और चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। वहीं, घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भोपाल लोकायुक्त टीम की कार्रवाई

बीआरसी 5 हजार की रिश्वत लेते धराया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

लोकायुक्त भोपाल की टीम ने गुरुवार को नर्मदापुरम जिले में विकास खंड स्त्रोत समन्वयक, बीआरसी को 5 हजार की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया है। बीआरसी ने क्षेत्र के स्कूलों से मध्याह्न भोजन और कंटीजेंसी फंड के ऑडिट के नाम पर रिश्वत की डिमांड की थी। पूरा मामला यह है कि, देवेंद्र पटेल प्राथमिक शिक्षक के पद पर प्राथमिक शाला सोमुखेड़ा में पदस्थ हैं। तहसील केसला में विकासखंड स्त्रोत समन्वयक कृष्णकुमार शर्मा मध्याह्न भोजन एवं कांटिंजेंसी फंड के ऑडिट के नाम पर आवेदक के स्कूल से 3000 रुपए रिश्वत मांग रहे थे। वहीं शिक्षक के सर्किल के 4 अन्य स्कूलों से भी प्रति स्कूल 3000 रुपए कुल 15000 रुपए रिश्वत के लिए दवाब बना रहे थे।

जिसकी शिकायत प्राथमिक शिक्षक द्वारा दुर्गेश कुमार राठौर एसपी लोकायुक्त भोपाल को की गई थी। सत्यापन में शिकायत सही पाये जाने पर गुरुवार को पुलिस अधीक्षक ने ट्रेप दल का गठन किया गया एवं टीम के द्वारा आरोपी बीआरसी कृष्णकुमार शर्मा को उसके कार्यालय कक्ष में आवेदक से 5000 रुपए. की रिश्वत लेते हुये रंगे हाथ ट्रेप किया गया। आरोपी से रिश्वत की राशि भी जब्त कर ली गई।

सूरजपुर नगर पालिका की पहली परिषद बैठक का आयोजन

कोई नया टैक्स नहीं लगाया जाएगा, 40 नए कार्य स्वीकृत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सूरजपुर

छत्तीसगढ़ के सूरजपुर नगर पालिका की प्रथम परिषद बैठक आयोजित किया गया। इस वित्तीय वर्ष में 40 नए कार्य बजट में लिया गया है। जो 2250.00 लाख व्यय प्रस्तावित है, जिसके लिए नगरपालिका निकाय निधि व शासन से अनुदान प्राप्त किया जाएगा। नगरपालिका के बजट में इस वर्ष कोई नया टैक्स नहीं लगाए जाने पर सहमति बनी और किसी भी तरह के टैक्स में बढ़ोतरी भी नहीं की गई है।

साथ ही एक नई पहल करते हुए टोल फ्री हेल्प लाइन नंबर जारी किया गया है। कोई भी व्यक्ति अपनी समस्या बता सकता है, जिसका निराकरण किया जाएगा। लोग घर बैठे अपना कार्य कर सकते हैं। नगर

पालिका के अध्यक्ष कुसुम लता राजवाड़े और उपाध्यक्ष शैलेश अग्रवाल ने बताया कि, नगर के विकास के लिए लगातार कार्य किया जाएगा। नगर पालिका सूरजपुर को एक अलग पहचान दिलाने के लिए इन पांच वर्षों में कार्य किए जाएंगे। इसके लिए बजट निकाय निधि के साथ शासन से लिया जाएगा। सूरजपुर नगरपालिका में स्वच्छता के लिए और अच्छे कार्य किए जाएंगे। सभी वार्डों में साफ सफाई पानी की सप्लाई और बिजली पर खास ध्यान दिया जाएगा। इस मौके पर नगर पालिका अध्यक्ष कुसुम लता राजवाड़े, उपाध्यक्ष शैलेश अग्रवाल मुख्य नगर पालिका अधिकारी और सभी पार्षद मौजूद रहे थे।

राज्य स्तरीय कार्यशाला में बोले सीएस

एमपी में 68 प्रतिशत घरों में पहुंच चुका नल जल, फिर भी गिरता जल स्तर चिंता का विषय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

समुदाय आधारित सतत जल प्रबंधन पर नरोन्हा प्रशासन अकादमी में दो दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन जल निगम, पीएचईडी एवं पानी के मुद्दे पर काम करने वाले स्वैच्छिक संगठन समर्थन, वाटरएड और परमार्थ के संयुक्त तत्वाधान में किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन ने स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में 68% घरों में नल से जल पहुँच चुका है और बहुत ही जल्द शेष घरों में भी पानी पहुँचाया जाएगा। 2026 तक इस लक्ष्य को पूरा कर लिया जाएगा। उन्होने कहा कि हवा के बाद पानी हमारे जीवन की सबसे बड़ी जरूरत है, लेकिन लगातार नीचे गिरता जल स्तर बड़ी चिंता का विषय है। प्रदेश के 52000 गांवों में से 27000 गांव समूह जल प्रदाय योजना में शामिल हैं। नल जल योजनाओं की निरंतरता एवं जल स्त्रोतों के स्थायित्व में समुदाय की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है। नल जल योजनाओं का हेंडओवर लेते समय सरपंचों को जिम्मेवारी लेनी होगी कि गलत रिपोर्ट न दें और यह देखें कि उनके गांव में सभी घरों को शुद्ध एवं पर्याप्त पानी मिल रहा है, तभी हस्ताक्षर करें। प्रमुख सचिव पीएचईडी पी.नरहरि ने कहा कि अधिकांश गांव में 85 से 90 फीसदी नल कनेक्शन पूर्ण हो चुके हैं।

एक घर भी न रहे वंचित

एकल ग्राम योजना के गांवों में जो घर नल कनेक्शन से वंचित हैं उन्हें दिसम्बर 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य है। जबकि समूह जल प्रदाय योजना में जो घर नल कनेक्शन से वंचित है उन्हें 2026 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि ठेकेदारों के द्वारा योजनाओं के हस्तांतरण के बाद चुनौतियां बढ़ जाती हैं, जिसकी जिम्मेवारी समुदाय एवं ग्राम पंचायतों को लेनी ही होगी। वाटरएड के सीईओ माधवन ने कहा सभी को यह जिम्मेवारी लेनी होगी कि एक भी बसाहट या घर नल कनेक्शन से वंचित न रहे।

बीएड प्रशिक्षित सहायक शिक्षकों का प्रतिनिधि मंडल सीएम से मिला

सीएम के आश्वासन के बाद हड़ताल स्थगित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ में बीएड प्रशिक्षित सहायक शिक्षकों के प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार 18 अप्रैल को नया रायपुर में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से सौजन्य मुलाकात की। यह मुलाकात पिछले 126 दिनों से सेवा, सुरक्षा एवं समायोजन की मांग को लेकर चल रहे धरना- प्रदर्शन के संबंध में हुई। सीएम श्री साय से आश्वासन मिलने के बाद आंदोलन स्थगित कर दिया गया है।

बीएड प्रशिक्षित सहायक शिक्षकों के प्रतिनिधिमंडल की मुख्यमंत्री से मुलाकात हुई है, रिक्त पदों पर भर्ती की आश्वासन देने के बाद आंदोलन सशर्त स्थगित कर दिया गया है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार, प्राइमरी स्तर के बच्चों को पढ़ाने के लिए ऊ.ए अनिवार्य है। इसके चलते इ.ए डिग्रीधारियों को अयोग्य करार देते हुए बर्खास्त कर दिया गया था. हालांकि, इससे पहले राज्य सरकार ने इन शिक्षकों की सशर्त नियुक्ति दी थी, जिसमें स्पष्ट तौर पर कहा गया था कि, उनकी नियुक्ति सुप्रीम कोर्ट के अंतिम फैसले पर निर्भर रहेगी।

बर्खास्त शिक्षकों के खाली पद भरने की उम्मीद

बर्खास्त सहायक शिक्षकों ने कहा है कि, हमने लोकतांत्रिक प्रणाली में विश्वास रखते हुए पिछले चार महीनों से शांतिपूर्ण ढंग से अपनी मांगों को सरकार तक पहुँचाया है। हमें पूर्ण विश्वास है कि, छत्तीसगढ़ की जनकल्याणकारी सरकार इस विषय पर शीघ्र निर्णय लेकर हजारों प्रशिक्षित सहायक शिक्षकों और उनके परिवारों को राहत प्रदान करेगी। बैठक में यह बात सामने आई कि सहायक शिक्षक (विज्ञान) के हजारों पद रिक्त हैं और इन्हीं पदों पर बर्खास्त शिक्षकों की पुनर्नियुक्ति की जाने की संभावना है।

प्रतिनिधि मंडल के दिया सकारात्मक कार्रवाई का भरोसा

मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को सहानुभूतिपूर्वक सुना और बी.एड. प्रशिक्षित सहायक शिक्षकों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र समायोजन की दिशा में सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री के इस आश्वासन का सम्मान करते हुए समस्त बी.एड. प्रशिक्षित सहायक शिक्षकों ने आंदोलन को सशर्त स्थगित करने का निर्णय लिया है। सहायक शिक्षकों ने कहा कि हम समस्त प्रशिक्षित सहायक शिक्षकगण, मुख्यमंत्री श्री साय एवं उनके मंत्रिमंडल से पुनः निवेदन करते हैं कि हमारी सेवा, सुरक्षा और समायोजन से संबंधित कार्यवाही को शीघ्र प्रारंभ किया जाए ताकि हम शिक्षा के क्षेत्र में पुनः समर्पित भाव से अपनी भूमिका निभा सकें।

झुलसा देने वाली गर्मी का दौर शुरु

जबलपुर। मौसम पूरी तरह शुष्क हो चुका है, अब पारे में उछाल आ रही है, शुक्रवार को इस सीजन का सर्वाधिक 42.01 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। हवा में नमी बढ़ने और उत्तर पश्चिमी हवाओं के आने से पारे में अभी और उछाल आने की संभावना है। मौसम विभाग की मानें तो 23 अप्रैल तक पारा 42 से 43 डिग्री के आसपास बना रह सकता है। फिलहाल झुलसा देने वाली गर्मी और तेज धूप ने जन जीवन का बेचैन कर रखा है। के पार चला गया। हवा में नमी घटने और पश्चिमी हवाओं दोपहर में धूप इतनी तेज थी, जैसे की आसमान से आग निकल रही हो। अचानक पश्चिमी हवाओं की तेज रफ्तार से लोगों को गर्म लू के थपेड़े महसूस हुये। हवा में नमी एकदम घट जाने से चारों तरफ वातावरण गर्म हो गया था। सूर्यास्त के बाद भी सूर्य की तपन का ऐहसास बना रहा। रात में भी वातावरण गर्म रहा लेकिन चन्द्रमा की शीतलता से लोगों ने सुकून महसूस किया।

इस सीजन में पहली बार पारा 42 डिग्री के पार

स्थानीय मौसम विज्ञान के प्रवक्ता ने बताया कि मौसम शुष्क रहने की वजह से और पश्चिमी हवाओं की वजह से तापमान उछाल मार रहा है। पिछले 24 घण्टों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 42.01 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 3 डिग्री अधिक रिकार्ड किया गया। वहीं न्यूनतम तापमान 24.4 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 1 डिग्री अधिक रिकार्ड किया गया। हवा में नमी प्रातःकाल 54 प्रतिशत और सांय काल 40 प्रतिशत आंकी गई। मौसम कार्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि पश्चिमी दिशा से 5-6 किलोमीटर प्रति रफ्तार से हवाएं चल रही हैं और मौसम शुष्क बना हुआ है। इस वजह से तापमान उछाल मार रहा है। यदि आसमान पर बादल नहीं छाये और हवाओं की रफ्तार नहीं बढ़ी तो तापमान और ऊपर जा सकता है। प्रदेश में सबसे अधिक 43.6 डिग्री नर्मदापुरम जिले में दर्ज किया गया। गत वर्ष आज के दिन अधिकत्तम तापमान 40.1 डिग्री और न्यूनतम तापमान 22.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

सामान्य नागरिक की भांति एफआइआर दर्ज की जाए : उपभोक्ता मंच सहित अन्य ने प्रदर्शन कर राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

जस्टिस यशवंत वर्मा के घर मिले जले नोटों के प्रकरण की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करें

जबलपुर

दिल्ली हाईकोर्ट के तत्कालीन जस्टिस यशवंत वर्मा के घर मिले जले नोटों के प्रकरण की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करें। यही नहीं उनके विरुद्ध सामान्य नागरिक की भांति एफआइआर दर्ज की जाए। यह मांग शुक्रवार को नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शन मंच, जबलपुर सहित अन्य संगठनों द्वारा उठाई गई। इस आशय का राष्ट्रपति के नाम संबोधित एक ज्ञापन भी कलेक्टर को सौंपा। इससे पूर्व जमकर प्रदर्शन किया गया।

मंच के अध्यक्ष डा.पीजी नाजपांडे ने बताया कि 14 मार्च को दिल्ली हाई कोर्ट के नजस्टिस वर्मा के घर पर मिले जले नोटों के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने तीन जजों की जांच समिति बनाई थी। इस जांच समिति की रिपोर्ट सार्वजनिक होने से अपेक्षाकृत अधिक पारदर्शिता आएगी। इसी मांग के साथ मंच ने भारतीय वरिष्ठ नागरिक एसोसिएशन व मानव अधिकार क्रांति संगठन के पदाधिकारियों के साथ मिलकर घंटाघर के पास संयुक्त प्रदर्शन किया। इस दौरान जमकर नारेबाजी की गई। अगले चरण में जिला प्रशासन को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंप दिया गया।

एक माह बीता, नदारद है एफआइआर

आंदोलित संगठनों का कहना है कि जस्टिस वर्मा के मामले में अब एक माह से ज्यादा समय बीत गया है, फिर भी एफआईआर दायर नहीं हुई है। देश के 24 हाई कोर्ट में से केवल छह हाई कोर्ट के जजों ने अपनी सम्पत्ति का खुलासा किया है। यहां तक की 75 प्रतिशत हाई कोर्ट में इस संबंध में अभी कोई भी निणर्य नहीं लिया गया है।

80 प्रतिशत लोग धनखड़ से सहमत

डा. नाजपांडे ने यह भी बताया कि मोबाइल के जरिए शुक्रवार को किए गए त्वरित सर्वे में 40 प्रतिशत लोग उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के उस कथन से सहमत दिखे, जिसमें उन्होंने कहा था कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता की सीमा अब तय हो जाना चाहिए। प्रदर्शन में डा. पीजी नाजपांडे, एड. वेदप्रकाश अधौलिया, डीके सिंह, संतोष श्रीवास्तव, सुशीला कनोजिया, गीता पांडे, केके सेन, भरत नामदेव, विनायक राव सोरते, अर्जुन कुमार परोहा, गौरव खरे, दिलीप कुंडे, डीआर लखेरा, एड. ब्रजेश साहू व राममिलन शर्मा सहित अन्य शामिल थे।

काम प्रारंभ नहीं करने वाले ठेकेदारों को ब्लेकलिस्टेड किया जाए

लोककर्म और उद्यान विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक में महापौर के निर्देश

जबलपुर। नगर निगम के महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू अधिकारियों को निर्देश दिये हैं, कि विकास कार्यों में तेजी लाई जाए. उन्होंने सख्त लहजे में निर्देश दिये की विकास कार्यों की गुणवत्ता और समय सीमा का विशेष ध्यान रखा जाए. महापौर यहां अपने कार्यालय में लोककर्म विभाग, पार्षद मद और उद्यान विभाग के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे।

संयुक्त समीक्षा बैठक में महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने अधिकारियों से महापौर, अध्यक्ष, पार्षद और अन्य मदों में कराये गए वार्डवार विकास कार्यो की जानकारी ली। महापौर ने समीक्षा के दौरान पाया कि बहुत से ऐसे विकास के कार्य हैं जो कार्यादेश जारी होने के बाद अथवा एल1 होने के पश्चात भी ठेकेदारों के द्वारा कार्य प्रारंभ नहीं किये गए हैं, ऐसे सभी ठेकेदारों की सूची तैयार करने और उन सभी को एक सप्ताह का नोटिस जारी कर उन सभी के विरूद्ध नियमानुसार ब्लैक लिस्टेड कार्यवाही करने के भी निर्देश दिये। बैठक में लोकनिर्माण, उद्यान प्रभारी एवं एम.आई.सी. सदस्य विवेक राम सोनकर, अपर आयुक्त आर.पी. मिश्रा, अपर आयुक्त वित्त प्रशांत गोटिया, कार्यपालन यंत्री शैलेन्द्र मिश्रा, शैलेन्द्र कौरव, जागेन्द्र सिंह, उद्यान अधिकारी आलोक शुक्ला आदि उपस्थित रहे।

टैंकरों से 500 ट्रिप की जाएगी जलापूर्ति

गर्मी में कहीं नहीं होगा जल संकटः महापौर

जबलपुर।

गर्मी में पेयजल संकट एक प्रमुख समस्या होती है, शहर में कहीं भी जल संकट की स्थिति न बने, अधिकारी कर्मचारी सतर्क व जागरुक रहें। प्लान बनाकर काम करें। साथ ही साथ प्रकाश व्यवस्था और सीवर परियोजना के काम समय सीमा के अंदर किये जाएं। इस आशय के निर्देश महापौर जगत बहादुर सिंह विभागीय समीक्षा बैठक में सबंधिबत अधिकारियों को दिये. यहां उन्होंने जल, प्रकाश, एवं सीवर योजना के अंतर्गत शहर में संचालित कार्यो की समीक्षा की। समीक्षा बैठक के दौरान महापौर श्री अन्नू ने बताया कि इस वर्ष ग्रीष्म ऋतु के दौरान जल संकट में कमी आयेगी। उन्होंने बताया कि 500 ट्रिप टैंकरों एवं आवश्यक बोरिंग व्यवस्था के माध्यम से भी नागरिकों को दोनो समय स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति कराई जायेगी। महापौर श्री अन्नू ने जल वितरण व्यवस्था के अलावा जलशोधन संयंत्रों के रखरखाव एवं अन्य व्यवस्थाओं पर नियमित रूप से निगरानी रखने अधिकारियों को बैठक में निर्देश दिये हैं। समीक्षा बैठक के दौरान महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने बताया कि अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत शहर में सीवर के 1 हजार करोड़ रूपये के कार्य कराये जायेगें। इस दौरान नागरिकों की मूलभूत आवश्यकताओं के साथ-साथ उनकी उपयोगिताओं एवं अन्य विकास कार्यो को ध्यान में रखते हुए बुनियादी सुविधाओं में और अधिक बढ़ोत्तरी की जायेगी।

बैठक के दौरान एम.आई.सी. सदस्य एवं विभाग प्रभारी दामोदर सोनी, श्रीमती अंशुल राघवेन्द्र यादव, कार्यपालन यंत्री कमलेश श्रीवास्तव, नवीन लोनारे, सहायक यंत्री राजेश खम्परिया, संदीप जायसवाल, अनुराग पाठक, संजय सिंह, अंकुर नाग, अजय लवाना, मनोज पटैल, चन्द्रशेखर पटैल, केदार पटैल, पंकज पटैल आदि उपस्थित रहे।

निजी क्लीनिकों का पंजीयन कराना अनिवार्य

जबलपुर। मध्यप्रदेश उपचारगृह तथा रूजोपचार संबंधी संस्थाएं रजिस्ट्रीकरण तथा अनुज्ञापन अधिनियम 1973 के तहत मध्यप्रदेश में संचालित सभी निजी क्लीनिकों का पंजीकरण एवं अनुज्ञापन अनिवार्य है। पंजीयन ऐसे सभी निजी क्लीनिकों का कराना होगा जहाँ एलोपैथी चिकित्सा पद्धति अथवा आयुष चिकित्सा पद्धति या फिजियोथैरेपी चिकित्सा पद्धति से मरीजों को परामर्श दिया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजय मिश्रा ने यह जानकारी देते सभी क्लीनिक संचालकों से कहा है कि यदि उन्होंने अपने क्लीनिक का पंजीयन नहीं कराया है तो यह प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करा लें। उन्होंने कहा कि क्लीनिक के पंजीयन के लिये उन्होंने एमपी ऑनलाइन पोर्टल के नर्सिंग होम क्षेत्र में आवेदन करना होगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने क्लीनिक, तथा नर्सिंग होम और अस्पतालों की परिभाषा भी बताई है। उन्होंने बताया कि क्लीनिक वह स्थान होते हैं जहां केवल परामर्श सेवाएं दी जाती है और मरीज को भर्ती नहीं किया जाता, कोई चिकित्सा प्रक्रिया प्रोसीजर नहीं की जाती है और ना ही वहाँ बेड लगाए जाते हैं। इसी प्रकार नर्सिंग होम अथवा अस्पतालों में विभिन्न प्रकार की चिकित्सा प्रक्रिया की जाती हैं, मरीजों को भर्ती किया जाता है तथा वहाँ बेड की व्यवस्था होती है। सभी डे केयर क्लीनिक भी नर्सिंग होम की श्रेणी में आते हैं। डॉ मिश्रा ने बताया कि जिले में संचालित सभी निजी क्लीनिकों को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जबलपुर से एमपी ऑनलाइन के माध्यम से पंजीयन कराना आवश्यक है।

सीएमएचओ ने क्लीनिक संचालकों से कहा शीघ्र करा लें पंजीयन

एमपी स्टेट बार काउंसिल ने 600 अधिवक्ताओं के पंजीयन पर लगाई मुहर

तीन की सनद की गई बहाल : अधिवक्ता संघों की सदस्यता व आनलाइन डिक्लरेशन की अनिवार्यता को लेकर निर्देश जारी

जबलपुर ।

एमपी स्टेट बार काउंसिल की नामांकन समिति-एक की बैठक शुक्रवार को अध्यक्ष राजेश शुक्ला की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इसमें स्टेट बार के वाइस चेयरमैन आरके सिंह सैनी व कोषाध्यक्ष मनीष तिवारी शामिल रहे। तीनों ने प्रदेश भर से आए नामांकनों पर विचार के उपरांत 600 आवेदनों को विधि सम्मत पाकर पंजीयन पर मुहर लगा दी। इसके साथ ही तीन वकीलों की वकालत की सनद अर्थात लाइसेंस को बहाल कर दिया।

सैनी ने बताया कि हाईकोर्ट के नौ अप्रैल, 2025 के आदेश के परिपालन में द सेंट्रल ला इंस्टीट्यूट से प्राप्त वह नवीन आवदेन, जिसमें नामांकन प्रक्रिया की कार्यवाही पूर्ण कर दी गई थी, स्वीकृत कर लिया गया। शेष प्राप्त आवदेनों को तैयार कर आगामी नामांकन समिति द्वारा नामांकित किया जाएगा। नवीन अधिवक्ताओं के हितार्थ यह भी सलाह दी गई है कि स्टेट बार के नियम-145 के अंतर्गत नवीन अधिवक्ताओं को स्टेट बार से मान्यता प्राप्त अधिवक्ता संघों में नामांकन तिथि से तीन माह के अंदर सदस्यता लेना अनिवार्य है। ऐसा न किए जाने पर उनको स्टेट बार से कोई मेडिकल क्लेम, मृत्युदावा क्लेम व कल्याणकारी योजना के लाभ से वंचित रहना पड़ेगा। नवीन अधिवक्ताओं को आनलाइन डिक्लेरेशन फार्म भरना भी अनिवार्य है। जब तक आनलान डिक्लेरेशन फार्म नहीं भरा जाता, जब तक अधिवक्ता नान प्रेक्टिशनर की श्रेणी में आता है। बैठक में स्टेट बार की कार्यकारी सचिव गीता शुक्ला, नामाकंन प्रभारी देवेन्द्र पांडे, प्रणय खरे व अंकित सेन भी उपस्थित रहे।

शीघ्र ही राजस्व अभिलेखागार को आधुनिकतम रूप में लायें : कलेक्टर

जबलपुर। कलेक्टर दीपक सक्सेना ने राजस्व रिकार्ड रूम का अवलोकन कर शीघ्र ही इसे आधुनिकतम रूप में लाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सभी राजस्व रिकार्ड कम्प्यूटर में फीड हो, ताकि सहजता से वांछित रिकार्ड सुलभता के साथ उपलब्ध हो सके। इस अवसर पर अपर कलेक्टर नाथूराम गोंड, संयुक्त कलेक्टर ऋषभ जैन, मती नदीमा शीरी व डिप्टी कलेक्टर सु प्रगति गणवीर सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

महाभारत कथा कृति का विमोचन एवं नृत्य नाटिका का मंचन आज

जबलपुर। पाथेय, मनीषा एवं सुप्रभातम संस्था के तत्वावधान में वरिष्ठ लेखक, अधिवक्ता डॉ. कृष्णकुमार दुबे द्वारा सृजित 'महाभारत कथा- इतिहास के झरोखे से' का विमोचन एवं कामना नायक द्वारा निर्देशित 'धर्मक्षेत्र' नृत्य नाटिका का मंचन 19 अप्रैल 2025 को सायं 7 बजे से शहीद स्मारक सभागार में आयोजित है। संयोजक राजेश पाठक प्रवीण ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. एस.पी. गौतम पूर्व कुलपति होंगे। अध्यक्षता आचार्य भगवत दुबे करेंगे। विशिष्ठ अतिथि दिनेश गर्ग, जगदीश दीक्षित एवं पुरूषोत्तम तिवारी होंगे। सुशांत दुबे,अभय जैन, मनीषा चौबे, आलोक पाठक ने साहित्य एवं कला अनुरागियों से उपस्थिति का आग्रह किया है।

211 से अधिक स्कूलों के पास भवन नहीं

प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था वेंटिलेटर पर

हरिभूमि जबलपुर।

मध्यप्रदेश की शिक्षा व्यवस्था एक गहरे संकट से जूझ रही है। हाल ही में सामने आए आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में 211 स्कूल ऐसे हैं जो बिना किसी स्थायी भवन के संचालित हो रहे हैं, लेकिन भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन का दावा है कि वास्तविक संख्या इससे कहीं अधिक है।

संगठन के राष्ट्रीय प्रवक्ता विराज यादव ने मुद्दे को उठाते हुए कहा कि प्रदेश के कई ज़िलों में सरकारी स्कूल या तो पेड़ों के नीचे, झोपड़ियों में या सामुदायिक भवनों में मजबूरी में संचालित हो रहे हैं। "रिकॉर्ड में भले ही दर्शाया गया हो कि स्कूल का भवन है, लेकिन हकीकत ये है कि या तो वो भवन खंडहर हैं या बच्चों के बैठने लायक नहीं," उन्होंने कहा। एनएसयूआई ने आरोप लगाया है कि राज्य सरकार शिक्षा के नाम पर सिर्फ आँकड़ों की बाजीगरी कर रही है। भवन होने की परिभाषा तक को तोड़ मरोड़ कर यह दिखाया जा रहा है कि स्कूल भवनयुक्त हैं। कई जगह सामुदायिक भवन या किसी ग्रामीण की झोपड़ी को अस्थायी स्कूल मान लिया गया है ताकि आंकड़ों में 'भवन' दिखाया जा सके।

बड़वानी एक उदाहरण, समस्या प्रदेशव्यापी

एनएसयूआई ने बड़वानी जिले के खामखाटा गाँव का विशेष उल्लेख किया, जहाँ पिछले 12 वर्षों से 38 बच्चे बांस और तिरपाल की झोपड़ी में शिक्षा ले रहे हैं। ज़िला प्रशासन को सूचित किए जाने और कलेक्टर द्वारा निरीक्षण के बावजूद अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई। ऐसी ही स्थिति सतना, डिंडोरी, बालाघाट, सिवनी, शहडोल, और उमरिया जैसे दर्जनों ज़िलों में देखी गई है।

एनएसएसयूआई की मांग

एनएसयूआई ने मांग की है की सभी भवनविहीन और खस्ताहाल स्कूलों की सूची सार्वजनिक की जाए, स्कूल भवनों के निर्माण हेतु विशेष बजट तत्काल जारी किया जाए. जिन ज़िम्मेदार अधिकारियों ने इन शिकायतों को वर्षों से नजरअंदाज़ किया, उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही हो. ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों को प्राथमिकता देते हुए निर्माण कार्य शुरू कराया जाए. एक स्वतंत्र जिला स्तरीय मॉनिटरिंग कमेटी बनाई जाए जो जमीनी सच्चाई का मूल्यांकन करे. संगठन ने 30 दिन में मांग पूरी न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

रिंवझा में 3 से 9 मई तक आयोजित यज्ञ की बैठक में पहुंचे सांसद-विधायक

श्रीलक्ष्मी नारायण महायज्ञ में सम्मिलित होकर बनें पुण्य के भागीदार : अनिरूद्धाचार्य

हरिभूमि सिहोरा।

सिहोरा के निकटवर्ती ग्राम रिंवझा में 3 से 9 मई तक आयोजित सप्त दिवसीय श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ एवं श्रीमद्भागवत कथा की तैयारियों के संबंध में आयोजन स्थल पर एक बड़ी बैठक का आयोजन सभी जनप्रतिनिधियों,क्षेत्रीय गणमान्य नागरिकों, विभागों के अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया।

सभी लोग शामिल होकर पुण्य के भागीदार बनें

महायज्ञ के आयोजक भारत के महान कथा वाचक संत अनिरुद्धाचार्य जी महाराज ने कहा कि हम सभी क्षेत्रवासी एंव ग्रामवासी इस महान आयोजन में सम्मिलित होने के साथ हर तरह का सहयोग करके पुण्य के भागीदार बनें आगे कहा महाराज दशरथ ने भी भगवान श्रीराम जैसी संतान प्राप्त करने के लिए यज्ञ का आयोजन किया था आज मानव जाति खतरे में है अच्छी विचारधारा वाले लोग कम है हमें मानव जाति को भी बचाना है आगे कहा हम तो वो सनातनी है जो नागपंचमी पर भी सांप को दूध पिलाते हैं।यज्ञ एंव कथा में सभी संतों के दर्शन का भी पुण्य लाभ अर्जित होगा तथा संत जी ने विशेष रुप से सभी सिहोरा मझौली सहित सैकड़ों ग्रामों के लोगों को निमंत्रण देते हुए कहा कि कथा के सातों दिन सुबह शाम वे यज्ञ स्थल पर ही भंडारे का प्रसाद ग्रहण करें। यज्ञ में किसी भी तरह का सहयोग आहूति के बराबर ही होता है।

संत जी ने सौंपी कार्य की जिम्मेदारी

संत जी ने सभी जनप्रतिनिधियों की सहमति से विशाल एंव भव्य महायज्ञ की व्यवस्थाओं के संबध में पेयजल, भोजन, यातायात, पंडाल, सफाई, विद्युत, यज्ञ, पार्किंग सहित अनेक व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी उपस्थित गणमान्य नागरिकों समाजसेवियों को सौंपते हुए कहा कि यह आयोजन सभी के सहयोग से ही सफल होगा जिसमें देश विदेश से अनेक शिष्य भी बड़ी संख्या में हिस्सा लेंगे।

इनकी रही उपस्थिति

महायज्ञ को लेकर आयोजित बैठक में मुख्य रुप से सांसद आशीष दुबे, पाटन विधायक अजय विश्नोई, सिहोरा विधायक संतोष बरकडे, बहोरीबंद विधायक प्रणय प्रभात पांडे,भाजपा ग्रामीण जिलाध्यक्ष राजकुमार पटेल, अध्यक्ष जनपद पंचायत सिहोरा रश्मि मनेन्द्र अग्निहोत्री,एसडीएम रुपेश सिंघई सहित अनेक जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, ग्रामवासी, क्षेत्रीयजन, अधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

पावर जनरेटिंग कंपनी के ताप विद्युत गृहों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

ट्रिपिंग में कमी और विद्युत उत्पादन लागत घटने का दावा

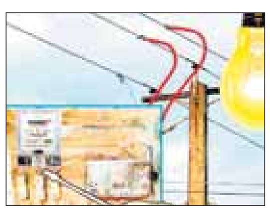

जबलपुर। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के चार ताप विद्युत गृहों ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में ऑपरेशन (संचालन) क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए दक्षता से जहां पूर्व की तुलना में अधकि उत्पादन किया वहीं विद्युत गृहों की ट्रिपिंग दर पूर्व की तुलना में कम हो गई। विद्युत गृहों के ऑपरेशन में ट्रिपिंग, वशिष्टि तेल की खपत में कमी, ऑक्जलरी कंजम्पशन महत्वपूर्ण मापदंड हैं। पावर जनरेटिंग कंपनी के चारों ताप विद्युत गृहों की 12 विद्युत यूनिट ने इन मापदंडों में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

विद्युत गृहों की ट्रिपिंग में निरंतर कमी-पावर जनरेटिंग कंपनी के ताप विद्युत गृहों की यूनिट में किए गए सुधार कार्य व बेहतर मेंटेनेंस के कारण उल्लेखनीय कमी आई है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में विद्युत गृहों में मात्र 85 ट्रिपिंग दर्ज की गईं। इससे पूर्व वर्ष 2019-20 में 150 ट्रिपिंग दर्ज होती रही हैं। पिछले पांच वर्षों में मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी ने तकनीकी उन्नयन, सटीक मेंटेनेंस और परिचालन प्रक्रियाओं में सुधार के फलस्वरूप विद्युत यूनिट की विश्वसनीयता में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। वशिष्टि तेल खपत की कमी से परिचालन लागत में आई कमी-पावर जनरेटिंग कंपनी द्वारा विद्युत उत्पादन लागत में कमी लाने के लगातार प्रयास किए गए। इन लगातार किए गए प्रयास के कारण ताप विद्युत यूनिट की वशिष्टि तेल खपत वर्ष 2024-25 में 0.51 मिलीलीटर प्रति यूनिट रही। यह अब तक की न्यूनतम वशिष्टि तेल खपत है। न्यूनतम वशिष्टि तेल खपत से परिचालन लागत में जहां कमी आई वहीं यह पर्यावरण संरक्षण में सहायक हुई।

निगम द्वारा कराया जा रहा कीटनाशक दवाओं का छिड़काव

जबलपुर। नगर निगम द्वारा ग्रीष्म काल में संक्रामक बीमारियों की रोकथाम के लिये निगमायुक्त प्रीती यादव के निर्देश पर शहर के सभी वार्डों में दोनों समय कीटनाशक दवाओं का छिड़काव कराया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग के उपायुक्त संभव अयाची एवं स्वास्थ्य अधिकारी संदीप जायसवाल ने बताया कि शहर में बढ़ते मच्छरों के प्रकोप, डेंगू मलेरिया एवं मच्छर जनित अन्य संक्रामक बीमारियों को रोकने तथा मच्छरों के विनिष्टिकरण के लिए नगर निगम द्वारा लगातार सघन छिड़काव अभियान चलाया जा रहा है। शाम को फागिंग मशीनों के माध्यम से फागिंग के कार्य के अलावा सुबह के समय में बड़े पैमाने पर कीटनाशक दवाईयों का भी गली-गली छिड़काव कराया जा रहा है।

परशुराम जयंती मनाने विप्र कुल परिषद की बैठक 20 को

मझौली। भगवान परशुराम जी के जन्म उत्सव को मनाने के उद्देश्य को लेकर विप्र कुल परिषद मझौली की बैठक कार्यकारी अध्यक्ष अनिल दुबे के वार्ड नंबर 8 स्थित निज आवास एवं अस्थाई कार्यालय में 20 अप्रैल दिन रविवार को शाम 4 बजे से संपन्न होगी।

डॉ. शिशिर सोनी का अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी में चयन

जबलपुर। नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज की सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. शिशिर सोनी को अमेरिकन कॉलेज ऑफ़ कार्डियोलॉजी के फेलो (एफएसीसी) के लिए चुना गया। अमेरिकन कॉलेज ऑफ़ कार्डियोलॉजी द्वारा डॉ. सोनी को नव निर्वाचित फेलो के रूप में, 28-30 मार्च, 2026 को न्यू ऑरलियन्स, एलए में आयोजित वार्षिक वैज्ञानिक सत्र के प्रतिष्ठित दीक्षांत समारोह में सम्मानित किया जाएगा। एफएसीसी को कार्डियोलॉजी करियर में एक बड़ी उपलब्धि माना जाता है जो की डॉ शिशिर सोनी ने 35 वर्ष की आयु में हासिल करके एक नया कीर्तिमान स्थापित किया हैं। इस उपलब्धि पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ नवनीत सक्सेना सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल के संचालक डॉ अवधेश प्रताप सिंह कुशवाह, सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल के अधीक्षक ले कर्नल डॉ. जितेन्द्र गुप्ता, कार्डियोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. सुहैल सिद्दीकी और जबलपुर शहर के वरिष्ठ चिकित्सकों ने बधाई प्रेषित की और इसे एक बड़ी शैक्षणिक उपलब्धि के रूप में सराहा है।

आचार्यश्री विद्यासागर भवन में मांगलिक प्रवचन

परिग्रह समस्त पापों की जड़: समय सागरजी

जबलपुर। आचार्य समय सागर जी महाराज ने यहां विद्यासागर भवन पुरानी चरहाई में आयोजित धर्म सभा में कहा कि परिग्रह के कारण संसारी प्राणी का पतन लगातार हो रहा है। आचार्य श्री ने कहा कि समस्त पापों की जड़ परिग्रह है। अपने मांगलिक प्रवचन मे आचार्य श्री समय सागर जी ने आगे कहा कि परिग्रह के कारण संसारी प्राणी बहुत भारी हो गया और भारी वस्तु को उपर उठाना आसान नहीं है। शास्त्रों में लिखा है कि यदि हमें मोक्ष जाना है तो सभी परिग्रह का त्याग करना पड़ता है। जैन दर्शन में परिग्रह को पाप कहा गया है। परिग्रह दो प्रकार के होते हैं, एक बाह्य और एक आंतरिक. बाहरी पदार्थ के प्रति मूर्छा आशक्ति को ही परिग्रह कहा गया है। बाहरी वस्तु में जो स्वामित्व भाव है, वहीं परिग्रह है. दिगम्बर साधू सम्पूर्ण परिग्रह का त्याग करके ही साधू कहलाते हैं।

कार्यक्रम के प्रारंभ में रिया गढ़वाल ने मंगलाचरण का पाठ किया। आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के तेल चित्र के समक्ष सुनील गढ़ावाल, अनुराग गढ़ावाल, आनंद उजियामूरी, आलोक जैन ने दीप प्रज्जवलित किया. छुल्लक उपकार सागर महाराज ने भक्ति गीत प्रस्तुत किया. आचार्य श्री को शास्त्र भेंट करने तथा, पाद प्राछलन का सौभाग्य कोमल चंद पडरिया, सुमित अनुज अमित पडरिया, सवाई सिंघई, सुनील कुमार, सुधीर कुमार को प्राप्त हुआ। दिल्ली से आए प्रतिनिधि मंडल एवं चमन लाल ने आचार्य श्री को श्रीफल अर्पित किया।

अतिरिक्त लाभ कमाने आम के बगीचे में लगाई चिया की फसल

हरिभूमि जबलपुर।

जबलपुर जिले में कृषि के क्षेत्र में लगातार नवाचारों को अपनाया जा रहा है। खास बात यह है कि नवाचारों को अपनाने की पहल खुद किसानों द्वारा की जा रही है और किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग परामर्शदाता की भूमिका में है। जिले में कृषि के क्षेत्र में अपनाये जा रहे नवाचारों में चिया की खेती प्रमुख है।

आमतौर पर गर्म और शुष्क मौसम में ली जाने वाली तथा प्रोटीन, फाइबर, ओमेगा-3, कैल्शियम, मैग्नीशियम, वसा और विटामिन-बी जैसे कई पोषक तत्वों से भरपूर चिया की फसल का रकबा जिले में लगातार बढ़ता जा रहा है। किसान इसे अतिरिक्त आमदनी के लिये अपना रहे हैं। जिले में वर्ष 2020 में महज 5 किसानों द्वारा 5 एकड़ में लगाई गई चिया का रकबा अब 150 एकड़ तक फैल चुका है। जिले के पाटन विकासखंड के ग्राम मादा के किसानों से बीज खरीद कर अब निकटवर्ती जिले के किसानों ने भी अपने यहाँ चिया की खेती करना शुरू कर दिया है।

जिले में शुरू हुई चिया की खेती में पाटन विकासखण्ड के ग्राम महगवां के किसान रामकृष्ण लोधी ने अपने दो एकड़ क्षेत्र में फैले आम के बगीचे में पेड़ से पेड़ के बीच की रिक्त भूमि पर चिया की खेती कर नवाचार की एक और मिसाल पेश की है। जिसका किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के उपसंचालक डॉ एस के निगम एवं अनुविभागीय कृषि अधिकारी पाटन डॉ इंदिरा त्रिपाठी ने आसपास के किसानों के साथ अवलोकन किया। किसान रामकृष्ण ने इनकी मौजूदगी में ही चिया फसल की कटाई भी की।

किसान रामकृष्ण लोधी ने कृषि अधिकारियों को बताया कि आम के पौधों के बीच खाली पड़ी जगह में चिया की फसल लगाने पर इसके फूल से मधुमक्खियाँ आकर्षित होती हैं, जिसका फायदा आम के पेड़ में परागण में होता है। किसान के मुताबिक चिया लगाने से इस बार और उसके आम के बगीचे में फलों में पूर्व की तुलना काफी वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि चिया की खेती के लिए प्रति एकड़ क्षेत्र में 3 किलोग्राम बीज की आवश्यकता होती है। चिया का बीज बहुत छोटा एवं हल्का होता है, इस कारण रेत या वर्मी कंपोस्ट मिलाकर इसकी बोनी करनी पड़ती है। बोनी करने के तुरंत बाद हल्की सिंचाई करना पड़ती है। इसमें किसी भी तरह के रासायनिक उर्वरकों की आवश्यकता नहीं होती। चिया में रोग एवं कीट का प्रकोप भी नहीं होता। चिया के उत्पादन के लिए चार सिंचाई की आवश्यकता होती है।

रामकृष्ण के अनुसार चिया की फसल 120 से 125 दिनों में तैयार हो जाती है और उत्पादन 5 से 6 क्विंटल प्रति एकड़ होता है। रामकृष्ण ने बताया कि उन्हें नीमच मंडी में चिया का भाव 14 से 15 हजार रूपए प्रति क्विंटल है और उन्हें इससे 70 से 80 हजार रूपए तक का अतिरिक्त लाभ अर्जित होने का अनुमान है।

मंत्री ने चौपाल कर सुनी लोगों की समस्यायें

जनहित के लिये लगातार विकास कार्य होते रहेंगे: मंत्री राकेश सिंह

जबलपुर। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में रानी दुर्गावती वार्ड और सरदार वल्लभ भाई पटेल वार्ड में सिद्धनाथ मंदिर पर चौपाल कर विकास कार्यों की जानकारी दी। साथ ही लोगों की समस्याओं को सुना और उनके समुचित निराकरण करने के निर्देश दिये। मंत्री सिंह ने इस दौरान क्षेत्र में किये विभिन्न विकास कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुये कहा कि जनहित के और भी कार्य होंगे। लोगों ने ज्यादातर पानी, सड़क, नाली व साफ-सफाई सुनिश्चितता करने का आग्रह किया। मंत्री सिंह ने संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही निर्देश दिये कि जनसमस्याओं का समाधान प्राथमिकता से किया जाये। उन्होंने क्षेत्र में पानी की सुनिश्चितता को लेकर प्राथमिकता से कार्य करेंगे।

मंत्री सिंह ने कहा कि वे जबलपुर की जनता के ऋणी व अभारी हैं। जिन्होंने 20 वर्ष तक सांसद तथा इस बार विधानसभा में भेजने का आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा कि हर जन प्रतिनिधि का कर्तव्य है कि वे विकास कार्य के माध्यम से जनता का ऋण उतारे। साथ ही कहा कि उन्हें विकास कार्य के माध्यम से ही अब जबलपुर की जनता का ऋण उतारने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार से उन्हें लोक निर्माण विभाग का दायित्व मिला और जिस दिन से वे लोक निर्माण विभाग संभाले हैं उसी दिन से उनका ध्येय वाक्य लोक निर्माण से लोक कल्याण है। मंत्री सिंह ने कहा कि अब विकास कार्यों में जबलपुर उपेक्षा नहीं होगी। उन्होंने जबलपुर के विकास के लिये किये गये ऐतिहासिक कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश का सबसे बड़ा फ्लाई ओव्हर जिसकी लागत 11 हजार करोड़ है, जबलपुर में है, जो पूर्णता की ओर है। 4 हजार 500 करोड़ की लागत से 117 किलोमीटर की रिंग रोड बन रही है, जिसमें दो लॉजिस्टिक पार्क व नर्मदा में दो आईकॉनिक ब्रिज होंगे। देश का पहला जियोलॉजिकल पार्क भी बनेगा। 450 करोड़ रूपये की लागत से एयरपोर्ट का आधुनिकीकरण हुआ, वहीं 300 करोड़ की लागत से आधुनिकतम रेल्वे स्टेशन भी बनेगा। उन्होंने कहा कि विकास की प्रक्रिया चलते रहना चाहिए। अब तेजी से विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष बजट में जबलपुर के विकास के लिए 3200 करोड़ रूपये स्वीकृत किये गये हैं। जिसमें पश्चिम विधानसभा के लिए 1600 करोड़ रूपये के विकास कार्य होंगे। इससे पश्चिम विधानसभा के साथ जबलपुर व महाकौशल की समृद्धि व विकास का मार्ग प्रशस्त होगा।

शराब से भरी कार छोड़कर भागे दो आरोपी

जबलपुर। पाटन पुलिस ने कंतोरा तिराहा के पास एक कार में अवैध रूप से परिवहन कर ले जाई जा रही 400 पाव देशी शराब जप्त की है। जबकी इस शराब की कीमत 40 हजार रुपये बताई गई है। पाटन पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार मुखबिर की सूचना पर कंतोरा तिराहे के पास पुलिस ने एक काले रंग की एर्टिगा कार को रोका, कार की तलाशी लेने पर 400 पाव शराब से भरे 8 कार्टून जप्त किये गये। कार चालक और उसमे बैठा व्यक्ति कार छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की है।

मातृशक्ति महिला मंडल ने पक्षियों के लिए रखे सकोरे

जबलपुर। मातृशक्ति महिला मंडल द्वारा टेलीग्राफ क्वार्टर, दया नगर, कमला नेहरू नगर, रानीताल तालाब के किनारे भूलन, बसहा गांव में गुरुवार को घूम-घूम कर पक्षियों के लिए पानी के सकोरे रखे। इसके जरिए संस्था ने जनमानस को एक संदेश दिया कि वे सभी अपने घर पर पक्षियों के लिए पानी के सकोरे रखे। ताकि पक्षियों को भी पानी उपलब्ध हो सके। इस अवसर पर मंडल की सुनीता पटेल, मंजू वर्मा, सीमा गुप्ता, रेखा विश्वकर्मा निशा घोष, रामकली, रुक्मणी, माया, आशा, रश्मि, नीता, नमिता और मंडल की महिलाओं ने सहयोग दिया।

श्रीमती अनीता सेन- शक्तिनगर भोले कुटि के पास निवासी श्री सुरेश सेन की धर्मपत्नी श्रीमती अनीता सेन (53) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री ओम प्रकाश दुबे- नगर निगम क्वाटर्स गौरीघाट निवासी श्री ओम प्रकाश दुबे (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती द्वावारी बाई रामचंदानी- द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री सुरेश रामचंदानी की धर्मपत्नी श्रीमती द्वावारी बाई रामचंदानी (90) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती नीता दुबे- टावर नं. 4, सुखसागर ब्लू गौरीघाट निवासी श्री शरद चंद्र दुबे की धर्मपत्नी श्रीमती नीता दुबे (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती तारा बाई बघेल- खेरमाई वार्ड निवासी श्री तुलसीराम बघेल की धर्मपत्नी श्रीमती तारा बाई बघेल (90) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री बलवंत आनंद- टैगोर नगर बादशाह हलवाई मंदिर गौरीघाट रोड निवासी श्री बलवंत आनंद (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री अरविंद श्रीवास्तव- एमआईजी 36, शिमला हिल्स कॉलोनी एलआईसी के सामने मदनमहल निवासी श्री अरविंद श्रीवास्तव (66) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री शुभम कटारिया- रामनगर व्हीकल रोड रांझी निवासी श्री कमल कटारिया के पुत्र श्री शुभम

कटारिया (28) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती फुल्ला बाई रजक- ककरैया तलैया गोरखपुर निवासी श्री मूरत रजक की धर्मपत्नी श्रीमती फुल्ला बाई रजक (66) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री ओम प्रकाश कोरी- गोरखपुर गुरूद्वारा के पीछे निवासी श्री ओम प्रकाश कोरी (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती अनीता गुप्ता- इंद्रा नगर एमपीईबी कॉलोनी रोड रामपुर निवासी श्री सुभाष गुप्ता की धर्मपत्नी श्रीमती अनीता गुप्ता (63) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती कांता बाई- पुरानी बस्ती रांझी निवासी श्री गुरदयाल की धर्मपत्नी श्रीमती कांता बाई (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

कु. अवंतिका चौधरी- महेशपुर मदनमहल निवासी श्री दीपक चौधरी की पुत्री कु. अवंतिका चौधरी (05) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती अनीता चौहान- एलआईजी 330, मदर टेरेसा नगर माढ़ोताल निवासी श्री रतन सिंह चौहान की धर्मपत्नी श्रीमती अनीता चौहान (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

हरिभूमि बिजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:- 9303508294, 9407362100

खबर संक्षेप

जियो फाइनेंशियल का लाभ 1.8 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। वित्तीय सेवाएं देने वाली जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लि. का एकीकृत शुद्ध लाभ बीते वित्त वर्ष 2024-25 की मार्च तिमाही में 1.8 प्रतिशत बढ़कर 316.11 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने सूचना में कहा कि पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की इसी तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 310.63 करोड़ रुपये था।

रिजर्व बैंक ने तीन बैंकों पर लगाया जुर्माना

मुंबई। आरबीआई ने नियामकीय अनुपालन में कुछ खामियों के लिए कोटक महिंद्रा बैंक, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और पंजाब नेशनल बैंक पर जुर्माना लगाया है। कोटक महिंद्रा बैंक पर बैंक ऋण वितरण के लिए ऋण प्रणाली पर दिशानिर्देश' और ऋण और अग्रिम - वैधानिक और अन्य प्रतिबंध'' पर कुछ निर्देशों का पालन न करने के लिए 61.4 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

इंडोसोलर ने 40 करोड़ का शुद्ध मुनाफा कमाया

नई दिल्ली। इंडोसोलर लिमिटेड ने बीते वित्त वर्ष की मार्च में समाप्त चौथी तिमाही में 40.04 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है। आमदनी बढ़ने से कंपनी अच्छा मुनाफा कमाने में सफल हुई है। कंपनी ने शेयर बाजारों को यह जानकारी दी। कंपनी को एक साल पहले की समान अवधि में 4.81 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ को जीएसटी नोटिस

नई दिल्ली। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने कहा है कि जीएसटी आयुक्त (अपील) ने करीब 3.67 करोड़ रुपये की कर मांग को बरकरार रखने का आदेश दिया है। मुंबई में केंद्रीय माल और सेवा कर (सीजीएसटी) अधिकारियों ने दो जुलाई, 2024 को इस संबंध में एक आदेश पारित किया था।

13 एंटी-डंपिंग मामलों में अंतिम निष्कर्ष किए जारी

नई दिल्ली। वाणिज्य मंत्रालय की जांच इकाई डीजीटीआर ने मार्च में 13 डंपिंग रोधी मामलों में अंतिम निष्कर्ष जारी किए हैं, जिनमें से अधिकतर चीन के खिलाफ हैं। डीजीटीआर ने मार्च में 11 जांच भी शुरू की हैं। प्लास्टिक प्रोसेसिंग मशीन, डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेट और सजावटी कागज जैसे उत्पादों की डंपिंग के खिलाफ अंतिम निष्कर्ष जारी किए।

वेम्बू ने भारतीय साफ्टवेयर उद्योग में बदलाव की दी चेतावनी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

जोहो के श्रीधर वेम्बू ने भारत के सॉफ्टवेयर और आईटी सेवा क्षेत्र के भविष्य के बारे में चेतावनी देते हुए तर्क दिया है कि उद्योग एक बुनियादी बदलाव का सामना कर रहा है।

■ आईटी उद्योग ने प्रतिभाओं को अपने में समाहित किया

श्रीधर ने कहा कि यह न केवल चक्रीय नरमी या कृत्रिम मेधा (एआई) की चुनौती से जुड़ा मामला है, बल्कि एक संरचनात्मक बदलाव है, जो अगले कई दशकों को नया रूप देगा। वेम्बू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा है कि उत्पादों और सेवाओं में अक्षमताएं लंबे समय से वैश्विक सॉफ्टवेयर उद्योग को परेशान कर रही हैं।

कहा, उद्योग एक बुनियादी बदलाव का सामना कर रहा

एआई से भारत जैसे देश होंगे प्रभावित

विश्लेषकों का कहना है कि एआई से सॉफ्टवेयर के विकास में बहुत मदद मिल सकती है और यह बड़ी टीमों की जरूरत कम कर सकता है। इससे भारत जैसे देश प्रभावित होंगे, जिन्होंने सॉफ्टवेयर निर्यात के इर्द-गिर्द अपनी अर्थव्यवस्थाएं बनाई है।

आरएंडडी के लिए दिया सीईओ के पद से इस्तीफा

श्रीधर ने जनवरी में अनुसंधान एवं विकास पर ध्यान केंद्रित करने के लिए आईटी फर्म में सीईओ के पद से इस्तीफा दे दिया था। वेम्बू ने कहा कि सॉफ्टवेयर और आईटी सेवाओं के एक प्रमुख निर्यातक के रूप में भारत ने इन अक्षमताओं के साथ तालमेल बिठाया है और यहां तक कि इन पर भरोसा भी किया है।

चक्रीय नरमी नहीं

वेम्बू ने लिखा, ''हम जो देख रहे हैं, वह केवल चक्रीय नरमी नहीं है और यह केवल एआई से संबंधित नहीं है। शुल्क द्वारा प्रेरित अनिश्चितता के बिना भी, आगे परेशानी थी। वेम्बू ने कहा, ''व्यापक सॉफ्टवेयर उद्योग उत्पादों और सेवाओं दोनों में काफी अक्षम रहा है। ये अक्षमताएं दशकों तक चले परिसंपत्ति बुलबुले के दौरान जमा हुई हैं।''

वेम्बू की टिप्पणी बढ़ाएगी चिंता

वेम्बू ने कहा, ''आईटी उद्योग ने उन प्रतिभाओं को अपने में समाहित कर लिया है, जो विनिर्माण या बुनियादी ढांचे में जा सकती थीं। वेम्बू की टिप्पणी सॉफ्टवेयर उद्योग के भविष्य को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच आई है, क्योंकि एआई और स्वचालन पारंपरिक व्यापार मॉडल को खत्म करने की चुनौती पेश कर रहे हैं।

विश्व व्यापार संगठन के समक्ष अपना रुख स्पष्ट किया

इस्पात, एल्यूमिनियम पर शुल्क सुरक्षा कारणों से, बचाव उपायों के आधार पर नहीं : अमेरिका

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अमेरिका ने वैश्विक व्यापार निकाय विश्व व्यापार संगठन से कहा है कि इस्पात तथा एल्यूमिनियम पर शुल्क लगाने का निर्णय राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर लिया गया और इसे बचाव के लिए उठाया गया कदम नहीं माना जाना चाहिए।

भारत के 11 अप्रैल को अमेरिका के साथ डब्ल्यूटीओ के बचाव समझौते के तहत परामर्श का अनुरोध करने के बाद अमेरिका ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के समक्ष अपना रुख स्पष्ट किया है। भारत ने कहा था कि अमेरिका द्वारा इन उपायों को सुरक्षा उपाय बताया जाने के बावजूद ये मूलतः बचाव के लिए उठाए गए कदम हैं। इससे अमेरिका बचाव उपायों को लागू करने के निर्णय के बारे में बचाव समझौते (एओएस) के एक प्रावधान के तहत डब्ल्यूटीओ सुरक्षा समिति को सूचित करने में विफल रहा है।

धारा 232 राष्ट्रीय सुरक्षा कानून है

अमेरिका ने कहा कि धारा 232 एक राष्ट्रीय सुरक्षा कानून है तथा शुल्क को शुल्क एवं व्यापार पर सामान्य समझौते (जीएटीटी) 1994 के एक प्रावधान के तहत सुरक्षा अपवाद के तहत रखा जा रहा है। इसमें कहा गया है कि ये शुल्क 1974 के व्यापार अधिनियम के प्रावधान के तहत नहीं लगाए गए हैं, जिसके तहत अमेरिका बचाव उपाय लागू करता है।

अमेरिका ने व्यापार निकाय को भेजा था पत्र

अमेरिका ने 17 अप्रैल को व्यापार निकाय को भेजे एक पत्र में कहा, '' अमेरिका ने पाया कि बचाव उपायों पर समझौते के अनुच्छेद 12.3 के तहत परामर्श के लिए भारत के अनुरोध का आधार यह है कि शुल्क बचाव के लिए उठाया गया कदम है... (अमेरिका के) राष्ट्रपति (डोनाल्ड ट्रंप) ने धारा 232 के तहत इस्पात तथा एल्यूमिनियम पर शुल्क लगाया, जिसके तहत राष्ट्रपति ने निर्धारित किया कि शुल्क इस्पात और एल्यूमिनियम वस्तुओं के आयात को समायोजित करने के लिए आवश्यक हैं जिससे अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा होने की आशंका है।''

- ■ भारत ने कहा, अमेरिका इसे सुरक्षा उपाय बता रहा
- ■ बावजूद ये मूलत: बचाव के लिए उठाए गए कदम हैं
- ■ अमेरिका डब्ल्यूटीओ सुरक्षा समिति को सूचित करने में विफल रहा

प्रावधान के अनुरूप कार्रवाई नहीं

अमेरिका ने कहा, '' अमेरिका बचाव उपायों/आपात कार्रवाई प्रावधान के अनुरूप इन कार्रवाइयों को जारी नहीं रख रहा है... ये कार्रवाइयां बचाव में उठाया गया कदम नहीं हैं और इसलिए इन उपायों के संबंध में बचाव समझौते के तहत परामर्श करने का कोई आधार नहीं है।''

12 मार्च 2025 से हुआ प्रभावी

इस वर्ष 10 फरवरी को अमेरिका ने इस्पात और एल्यूमिनियम वस्तुओं के आयात पर बचाव उपायों को संशोधित किया, जो 12 मार्च 2025 से प्रभावी हुए और इनकी अवधि असीमित है।

भारत के मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार

इसमें कहा गया, तदनुसार, परामर्श के लिए भारत का अनुरोध...बचाव उपायों पर समझौते के तहत कोई आधार नहीं रखता है...फिर भी, हम भारत के साथ इस या किसी अन्य मुद्दे पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं। अमेरिका ने आठ मार्च 2018 को इस्पात तथा एल्यूमिनियम के कुछ उत्पादों पर क्रमश: 25 प्रतिशत और 10 प्रतिशत मूल्यानुसार शुल्क की घोषणा की थी जो 23 मार्च 2018 से लागू हुए।

निवेशकों की संपत्ति चार दिन में 25.77 लाख करोड़ रुपए बढ़ी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पिछले चार कारोबारी सत्रों में शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में छह प्रतिशत से अधिक की तेजी आई है। अमेरिका के शुल्क पर अस्थायी रोक, विदेशी निवेशकों की घरेलू बाजार में वापसी और दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान सामान्य से अधिक बारिश की भविष्यवाणी के कारण बाजार बढ़त में रहा है।

- ■ सेंसेक्स और निफ्टी में छह फीसदी से अधिक तेजी आई
- ■ विदेशी निवेशकों की घरेलू बाजार में हुई वापसी

खुदरा मुद्रास्फीति के लगभग छह वर्ष के निचले स्तर पर पहुंचने से भी नीतिगत दर में और कटौती की उम्मीद बढ़ी है। पिछले चार कारोबारी दिनों में बीएसई सूचकांक 4,706.05 अंक यानी 6.37 प्रतिशत बढ़ा जबकि एनएसई निफ्टी में 1,452.5 अंक यानी 6.48 प्रतिशत की तेजी रही। इसके साथ, पिछले चार दिन में निवेशकों की संपत्ति 25.77 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 4,19,60,046.14 करोड़ रुपये (4,900 अरब डॉलर) हो गई। शुक्रवार को 'गुड फ्राइडे' के कारण शेयर बाजार बंद हैं। मास्टर कैपिटल सर्विसेज के अनुसंधान एवं परामर्श

ब्याज दर में कटौती से धारणा हुई मजबूत : उपाध्याय ने कहा कि इसके अलावा, नौ अप्रैल को आरबीआई के ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती तथा इसके रुख को 'तटस्थ' से 'उदार' में बदलने से धारणा मजबूत हुई है।

के सहायक उपाध्यक्ष विष्णु कांत उपाध्याय के अनुसार, विदेशी कोष प्रवाह, अमेरिका के शुल्क पर अस्थायी रोक तथा आरबीआई द्वारा उदार मौद्रिक नीति रुख अपनाने जैसे कई कारकों ने वैश्विक व्यापार अनिश्चितता के बावजूद भारतीय बाजारों में तेजी को बढ़ावा दिया है।

एफआईआई ने एक अरब से अधिक के शेयर खरीदे

उपाध्याय ने कहा, ''पिछले तीन कारोबारी सत्रों में, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने लंबे समय तक बिकवाली के बाद एक अरब डॉलर से अधिक मूल्य के भारतीय शेयर खरीदे हैं। इसके अलावा, अमेरिका के शुल्क पर अस्थायी रोक की घोषणा और दोनों देशों के साथ संभावित बातचीत से भी धारणा को बढ़ावा मिला।''

जेनसोल मामला: जग्गी बंधु अब सेबी की जांच के घेरे में

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कभी देश के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के दिग्गज माने जाने वाले अनमोल सिंह जग्गी और पुनीत सिंह जग्गी भाइयों पर अब वित्तीय गड़बड़ी के गंभीर आरोप लगे हैं।

दोनों ने दो प्रमुख उद्यमों - जेनसोल इंजीनियरिंग और ब्लूस्मार्ट मोबिलिटी के जरिए, स्वच्छ ऊर्जा और इलेक्ट्रिक परिवहन क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई। हालांकि, सेबी की जांच के बाद उनकी प्रतिष्ठा को काफी नुकसान पहुंचा। बाजार नियामक ने मंगलवार को अपने अंतरिम आदेश में जग्गी बंधुओं को अगली सूचना तक प्रतिभूति बाजारों में लेन-देन से रोक दिया। दोनों पर आरोप है कि उन्होंने सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध कंपनी जेनसोल इंजीनियरिंग द्वारा लिए गए, कर्ज के कुछ हिस्से का इस्तेमाल निजी उपयोग के लिए किया। इससे कंपनी में कॉरपोरेट प्रशासन और वित्तीय गड़बड़ी से जुड़ी चिंताएं बढ़ गई हैं।

वाहनों को पट्टे पर देने के व्यवसाय में शामिल

जेनसोल इंजीनियरिंग सौर परामर्श सेवाएं, इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) सेवाओं, तथा

- ■ भाईयों पर वित्तीय गड़बड़ी के गंभीर आरोप लगे
- ■ कंपनी ने स्वच्छ ऊर्जा और इलेक्ट्रिक परिवहन क्षेत्र में पहचान बनाई

इलेक्ट्रिक वाहनों को पट्टे पर देने के व्यवसाय में शामिल है। इसे 15 अक्टूबर, 2019 को बीएसई एसएमई मंच पर सूचीबद्ध किया गया था और बाद में इसे तीन जुलाई, 2023 को बीएसई और एनएसई के मुख्य बोर्ड में स्थानांतरित कर दिया गया।

कंपनी का शेयर घटकर 116 रुपए पर

कंपनी ने पिछले कुछ वर्षों में तेजी से वृद्धि दर्ज की। वित्त वर्ष 2016-17 से 2023-24 के बीच कंपनी का परिचालन लाभ दो करोड़ रुपये से बढ़कर 209 करोड़ रुपये हो गया, जबकि शुद्ध लाभ दो करोड़ रुपये से बढ़कर 80 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी के शेयर की कीमत एक साल पहले 1,126 के उच्च स्तर से घटकर 116 रुपये प्रति शेयर पर आ गई।

जीएसटी पंजीकरण करने के लिए सात दिन की समयसीमा तय

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने कहा कि कंपनियां सात दिनों के भीतर जीएसटी पंजीकरण प्राप्त कर सकती हैं। दूसरी ओर जोखिम भरे कारोबार के लिए आवेदनों को भौतिक सत्यापन के बाद 30 दिनों के भीतर प्रसंस्कृत किया जाएगा।

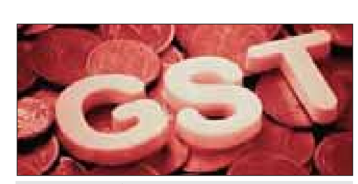

■ आवेदन भौतिक सत्यापन के बाद 30 दिनों में प्रसंस्कृत होंगे

यह पाया गया कि क्षेत्र में काम कर रहे कुछ अधिकारी विभिन्न सवाल उठाकर अनुचित दस्तावेज मांग रहे हैं। इसको देखते हुए सीबीआईसी ने दस्तावेजों की एक सांकेतिक सूची भी दी है, जो अधिकारी कंपनियों से ऑनलाइन मांग सकते हैं। जीएसटी पंजीकरण करने के लिए सीबीआईसी के संशोधित निर्देश में कहा गया है कि पंजीकरण आवेदन को प्रसंस्कृत करते समय अधिकारियों को इन दस्तावेजों की मूल भौतिक प्रति मांगते हुए सवाल नहीं उठाने चाहिए। इनमें से ज्यादातर शिकायतें अधिकारियों द्वारा इधर मांगे जा रहे स्पष्टीकरण की प्रकृति और अतिरिक्त

अधिकारी कोई संभावित प्रश्न न पूछे

सीबीआईसी ने कहा, ''पंजीकरण आवेदनों को प्रसंस्कृत करने वाले अधिकारियों को आवेदक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों या सूचना से संबंधित कोई भी संभावित प्रश्न नहीं पूछना चाहिए।

दस्तावेजों की मांग से जुड़ी हैं। संशोधित निर्देश के मुताबिक व्यवसाय के मुख्य स्थान (पीपीओबी) के संबंध में आवेदक को कोई भी एक दस्तावेज अपलोड करना होगा - नवीनतम संपत्ति कर रसीद या नगरपालिका खाता या मालिक के बिजली बिल की प्रति, या कोई अन्य सरकारी दस्तावेज जैसे पानी का बिल, जो स्पष्ट रूप से परिसर के स्वामित्व को स्थापित करता हो।

कैपिटल इंडिया फाइनेंस एनएसई पर सूचीबद्ध

नई दिल्ली। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी कैपिटल इंडिया फाइनेंस लिमिटेड एनएसई पर सूचीबद्ध हो गई है। कंपनी ने बताया कि वह शेयरधारक मूल्य को बढ़ाने और व्यापक निवेशक आधार के लिए पहुंच बढ़ाने के उद्देश्य से एनएसई पर सूचीबद्ध हुई है। एनबीएफसी ने बयान में कहा कि यह 17 अप्रैल, 2025 से प्रभावी रूप से सूचीबद्ध हो गई है। कैपिटल इंडिया फाइनेंस के इक्विटी शेयर वर्तमान में बीएसई में सूचीबद्ध हैं। अब कंपनी सीआईएफएल के तहत एनएसई पर भी कारोबार के लिए उपलब्ध हैं। एनबीएफसी की 72.95 प्रतिशत इक्विटी कैपिटल इंडिया कॉर्प प्राइवेट लिमिटेड के पास है।

भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में हुआ इजाफा

एजेंसी ▶▶ मुंबई

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 11 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में 1.57 अरब डॉलर बढ़कर 677.83 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को बताया कि लगातार छठे सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि हुई है। चार अप्रैल को समाप्त पिछले सप्ताह में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 10.87 अरब डॉलर बढ़कर 676.27 अरब डॉलर हो गया था। सितंबर 2024 में विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 704.89 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, 11

■ भंडार 1.57 अरब डॉलर बढ़कर 677.83 अरब डॉलर

अप्रैल को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का एक प्रमुख हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां 89.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर बढ़कर 574.98 अरब डॉलर हो गईं। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। समीक्षाधीन सप्ताह में स्वर्ण भंडार का मूल्य 63.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 79.99 अरब डॉलर हो गया। विशेष आहरण अधिकार 60 लाख करोड़ डॉलर घटकर 18.36 अरब डॉलर रहा।

केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के अनुसार, आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार 4.3 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.50 अरब डॉलर हो गया।

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं भू अर्जन- अधिकारी अनुविभाग - पाली, जिला कोरबा (छ.ग.)

-:: लोक सूचना पत्र ::-

क्रमांक / / अ.वि.अ. (रा.) / भू-अर्जन / 2025 पाली, दिनांक / ..2025

(भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा - 21 के तहत।)

भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 21 के अधीन छ.ग. राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना से उपबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि को, छ.ग. राज्य में ए.डी.बी. परियोजना लोन - 3 के अंतर्गत पैकेज –23, पाली - सिल्ली मार्ग लम्बाई 21.481 कि.मी. के उन्नयन एवं पुनर्निर्माण कार्य के निष्पादन के लिए अर्जित करने के अपने आशय की घोषणा की थी और उक्त अधिनियम की धारा 19 के अधीन उक्त अधिसूचना का सार दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित किया गया था।

अतः अब राज्य शासन सक्षम अधिकारी से उक्त रिपोर्ट प्राप्त होने पर और अधिनियम 2013 की धारा 21 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये यह घोषणा करती है कि इससे उपबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए अर्जित की जायेगी ।

और यह कि, राज्य शासन उक्त अधिनियम की धारा 21 के अनुसरण में यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशित होने पर इससे उपबद्ध अनुसूचि में विनिर्दिष्ट भूमि सभी विल्लंगमों से मुक्त होकर राज्य शासन में आत्यांतिक रूप से निहित हो जायेगी ।

और यह कि, ये अधिसूचना छ.ग. राज्य शासन के राजपत्र में दिनांक 28.02.2025 को प्रकाशित की जा चुकी है।

और यह कि, राज्य शासन द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 21 के अनुसरण में उपयुक्त वर्णित भूमि में हितबद्ध व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि व्यक्तिगत रूप से या किसी अभिकर्ता या विधि व्यवसायी के माध्यम से सक्षम अधिकारी अर्थात अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पाली के सम्मुख दिनांक 29.04.2025 को प्रातः 00 बजे उपस्थित होकर अपने हित की प्रकृति का कथन साक्ष्यों सहित कर सकता है ।

क्र.	खसरा	रकबा (हे.में)
ग्राम पोलमी, प.ह.नं.11, रा.नि.मं.पोंड़ी तहसील पाली, जिला कोरबा (छ.ग.) खसरा नंबर		
1	98	0.0670
2	99	0.0430
3	123/3	0.1520
4	38/1 ड.	0.0250
5	122/2	0.0160
6	37/14	0.0010
7	18/12	0.0130
8	15/1	0.0110
9	8/1/क/29, 369/1/क/15	0.0020
10	8/1/क/21,3 69/1/च	0.0110
11	369/1/न/3	0.0020
12	366/1, 369/1/म/1	0.0040
13	369/1/म/8	0.0040
14	369/1/म/7	0.0040
15	15/3	0.0130
16	369/1/ख/3	0.0089
17	369/1/क/39	0.0160
18	369/1/ड.	0.0120
19	369/1/क/21	0.0053
;ksx%&	19 [kljs	0.4102

अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं भू-अर्जन अधिकारी
अनुविभाग - पाली, जिला - कोरबा (छ.ग.)

G-252600341/1

जनवरी 2024 में सोने का आयात 1.53 अरब अमेरिकी डॉलर रहा था

सोने का आयात मार्च में 192 प्रतिशत बढ़कर 4.47 अरब डॉलर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सोने की कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि से देश का सोना आयात मार्च में 192.13 प्रतिशत बढ़कर 4.47 अरब डॉलर हो गया। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, जनवरी 2024 में सोने का आयात 1.53 अरब अमेरिकी डॉलर रहा था। वित्त वर्ष 2024-25 में कुल मिलाकर आयात 27.27 प्रतिशत बढ़कर 58 अरब डॉलर हो गया जबकि 2023-24 में यह 45.54 अरब डॉलर था। आयात में वृद्धि से संकेत मिलता है कि निवेशकों का इस कीमती धातु पर भरोसा मजबूत है, क्योंकि यह एक सुरक्षित परिसंपत्ति है।

■ कुल आयात बढ़कर 27.27 प्रतिशत रहा

सोने की बैंकों के ओर से बढ़ती मांग : वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच सोने की ओर परिसंपत्ति का विविधीकरण, बैंकों की ओर से बढ़ती मांग और कीमतों में

भारत का चालू खाता घाटा बढ़कर 11.5 अरब डॉलर

इस महीने के दौरान रत्न व आभूषण निर्यात सालाना आधार पर 10.62 प्रतिशत बढ़कर करीब तीन अरब डॉलर हो गया। हालांकि, यह 2023-24 में 32.7 अरब डॉलर से 8.84 प्रतिशत घटकर 2024-25 में 29.82 अरब डॉलर रह गया। भारत का चालू खाता घाटा (सीएडी) अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में बढ़कर 11.5 अरब डॉलर या सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 1.1 प्रतिशत हो गया।

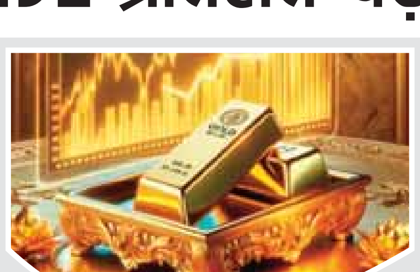

मात्रा के लिहाज से आयात घटकर 757 टन

देश के कुल आयात में सोने की हिस्सेदारी आठ प्रतिशत है। मात्रा के लिहाज से आयात 2024-25 में घटकर 757.15 टन रह गया, जबकि 2023-24 में यह 795.32 टन था। सोने का आयात फरवरी में करीब 62 प्रतिशत घटा था जबकि जनवरी में इसमें 40.8 प्रतिशत और दिसंबर 2024 में 55.39 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी।

देश का व्यापार घाटा बढ़कर 21.54 अरब डॉलर : सोने के आयात में उछाल से देश का व्यापार घाटा (आयात और निर्यात के बीच का अंतर) मार्च में 21.54 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वित्त वर्ष 2023-24 में यह 282.82 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर को छू गया था। चीन के बाद भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सोने का उपभोक्ता है। आयात मुख्य रूप से आभूषण उद्योग की मांग को पूरा करता है।

उछाल इसके अन्य कारण हो सकते हैं। राष्ट्रीय राजधानी में 17 अप्रैल को सोने की कीमत 70 रुपये बढ़कर 98,170 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई।

डॉलर कमजोर होने से सोने में तेजी : डॉलर के कमजोर होने, व्यापार युद्ध के बढ़ते तनाव और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शुल्क घोषणाओं के बाद वैश्विक आर्थिक वृद्धि पर बढ़ती चिंताओं के कारण कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गईं। हालांकि, चांदी की कीमत 1,400 रुपये की गिरावट के साथ 98,000 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी की कीमत 99,400 रुपये प्रति किलोग्राम रही थी।

चांदी का आयात घटकर 85.4 प्रतिशत : चांदी का आयात मार्च में 85.4 प्रतिशत घटकर 11.93 करोड़ डॉलर रह गया। यह 2024-25 में सालाना आधार पर 11.24 प्रतिशत घटकर 4.82 अरब डॉलर रह गया। करीब 40 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ स्विट्जरलैंड सोने के आयात का सबसे बड़ा स्रोत है। इसके बाद संयुक्त अरब अमीरात (16 प्रतिशत से अधिक) और दक्षिण अफ्रीका (लगभग 10 प्रतिशत) का स्थान है।

चिंतन

राष्ट्रपति पर सुप्रीम निर्देश से कार्यक्षेत्र पर बहस तेज

इस देश में आजादी के बाद से ही राज्यपाल का या तो केंद्र के द्वारा दुरूपयोग होता रहा है या राज्यपाल खुद केंद्र के प्रति निष्ठा जताने के लिए अपने पद व अधिकार का दुरूपयोग करते रहे हैं। यह टकराव तब अधिक देखा गया है जब केंद्र व राज्य में अलग-अलग दल की सरकार हो। कई राज्यपाल अपनी संवैधानिक शक्ति से बाहर जाकर काम करते दिखे और एक चुनी हुई सरकार के फैसले पर कुंडली मारकर बैठते दिखे। तमिलनाडु में सरकार बनाम राज्यपाल का मामला ऐसा ही है, जिसमें राज्यपाल ने 12 विधेयकों को लंबे समय तक अटका दिया। मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया। विधेयक को लेकर सुप्रीम आदेश में राज्यपाल के साथ राष्ट्रपति के लिए भी समय सीमा निर्धारित किए जाने पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा उठाए गए सवाल के बाद से न्यायपालिका, विधायिका व कार्यपालिका के कार्यक्षेत्र चर्चा में हैं। उच्चतम न्यायालय ने 12 विधेयकों के अटके रहने के तमिलनाडु सरकार बनाम तमिलनाडु राजभवन मामले में संविधान के अनुच्छेद-142 के तहत प्रदत्त अपने अधिकार का प्रयोग करते हुए निर्देश दिया कि राष्ट्रपति को राज्यपालों द्वारा भेजे गए विधेयकों पर फैसला लेने के लिए एक समय सीमा तय करनी चाहिए। इस फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपाल को लेकर सख्त निर्देश दिया कि विधानसभा से पास विधेयक को राज्यपाल असीमित समय तक नहीं लटका सकते, समय सीमा में उस पर फैसला होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपाल के लिए एक माह से तीन माह (विशेष परिस्थिति में) का समय निर्धारित किया। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने इस मुद्दे पर कहा कि अब राष्ट्रपति को भी समयबद्ध तरीके से काम करने के लिए कहा जा रहा है। ऐसा लगता है कि अब न्यायपालिका एक 'सुपर संसद' की तरह व्यवहार करेगी। इसके बाद से देश में नई बहस तेज हो गई है कि क्या सुप्रीम कोर्ट को अपने विशेष अधिकार का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति के लिए दिशानिर्देश जारी करना चाहिए? राष्ट्रपति सर्वोच्च संवैधानिक पद है, इसलिए न्यायपालिका की ओर से दिशानिर्देश पर सवाल उठाए जा रहे हैं। हालांकि संविधान के अनुच्छेद-142 सुप्रीम कोर्ट को यह शक्ति देता है कि पूर्ण न्याय करने के लिए वह कोई भी निर्देश, आदेश या फैसला दे सकता है, चाहे वह किसी से भी जुड़ा मामला हो। संविधान में कहा गया है कि इस अनुच्छेद की शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ऐसी डिक्री पारित कर सकता है या ऐसा आदेश दे सकता है, जो उसके समक्ष लंबित किसी मामले में पूर्ण न्याय सुनिश्चित करने के लिए जरूरी हो। यह आदेश पूरे देश पर लागू होगा। सुप्रीम कोर्ट ने अपने इसी शक्ति का प्रयोग करते हुए चंडीगढ़ में मेयर चुनाव का पूरा फैसला पलट दिया था। फिर भी राष्ट्रपति पद की गरिमा सुनिश्चित होनी चाहिए। इसका ध्यान लोकतंत्र के सभी स्तंभों को रखना चाहिए। राष्ट्रपति कार्यालय को भी यह सुनिश्चित करना चाहिए कि राज्यपाल राजनीतिक निष्ठा से परे होकर अपने संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन करें। राज्यपाल अगर अपनी शक्तियों को समझकर राज्य के हित में काम करेंगे और विधानसभा से पारित विधेयकों के कानून बनने में अपनी भूमिका निभाएंगे तो टकराव की स्थिति पैदा नहीं होगी और न ही मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचेगा। राज्यपालों की 'केंद्रीय निष्ठा' देश में संघवाद को कमजोर करती है। क्या राज्यपाल संवैधानिक रूप से जवाबदेह नहीं हैं कि आखिर चुनी हुई सरकार को अपनी ही विधानसभा से पारित विधेयक को लागू करने के लिए अदालत का दरवाजा क्यों खटखटाना पड़ रहा है?

सहकारी यूनिवर्सिटी
बालासुब्रमण्यम अय्यर

सहकार से समृद्धि का विजन होगा साकार

> भारत दुनिया के सबसे बड़े सहकारी आंदोलन का घर है, जिसमें 800,000 से ज़्यादा सहकारी समितियां और 287 मिलियन सदस्य शामिल हैं। रोटी, कपड़ा से लेकर मकान तक की जरूरतों के लिए लोगों के दैनिक जीवन में गहराई से समाहित सहकारी समितियां सिर्फ़ आर्थिक संस्थाएं नहीं हैं, वे समुदाय-संचालित विकास, आर्थिक समानता और सामाजिक न्याय की अभिव्यक्ति का प्रतिनिधित्व करती हैं। 2021 में सहकारिता मंत्रालय की स्थापना ने इस क्षेत्र के लिए एक नई राष्ट्रीय प्रतिबद्धता का संकेत दिया, जिसका उद्देश्य इसकी पहुंच का विस्तार करना, इसकी दक्षता में सुधार करना और इसे समावेशी विकास की आधारशिला के रूप में एकीकृत करना है।

भारत के पहले राष्ट्रीय सहकारी विश्वविद्यालय, त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी के लिए विधेयक का संसद में पारित होना भारतीय सहकारी आंदोलन की यात्रा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। इसका 2025 के अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के दौरान संपन्न होना इसके महत्व को और बढ़ाता है। जैसा कि केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा, यह यूनिवर्सिटी "सहकार से समृद्धि" के दृष्टिकोण को साकार करने में एक शक्तिशाली माध्यम बनने के लिए तैयार है। भारत दुनिया के सबसे बड़े सहकारी आंदोलन का घर है, जिसमें 800,000 से ज़्यादा सहकारी समितियां और 287 मिलियन सदस्य शामिल हैं। रोटी, कपड़ा से लेकर मकान तक की जरूरतों के लिए लोगों के दैनिक जीवन में गहराई से समाहित सहकारी समितियां सिर्फ़ आर्थिक संस्थाएं नहीं हैं, वे समुदाय-संचालित विकास, आर्थिक समानता और सामाजिक न्याय की अभिव्यक्ति का प्रतिनिधित्व करती हैं। 2021 में सहकारिता मंत्रालय की स्थापना ने इस क्षेत्र के लिए एक नई राष्ट्रीय प्रतिबद्धता का संकेत दिया, जिसका उद्देश्य इसकी पहुंच का विस्तार करना, इसकी दक्षता में सुधार करना और इसे समावेशी विकास की आधारशिला के रूप में एकीकृत करना है। सहकारिता मंत्रालय ने सराहनीय कदम उठाए हैं। 67,390 प्राथमिक कृषि ऋण समितियों को कम्प्यूटरीकृत करने के लिए 2,516 करोड़ रुपये आवंटित करना, 25 से अधिक व्यावसायिक गतिविधियों को करने में पैक्स को सक्षम करने के लिए 32 राज्यों में मॉडल उपनियमों को लागू करना, 2 लाख नई बहुद्देशीय सहकारी समितियां बनाने का लक्ष्य रखना, 1,100 किसान उत्पादक संगठनों को समर्थन देना और 44,000 पैक्स को सामान्य सेवा केंद्रों (सीएससी) में बदलना।

कर प्रोत्साहन, आसान ऋण और विकेंद्रीकृत भंडारण सुविधा सहकारी समितियों की परिचालन क्षमताओं को बढ़ा रहे हैं। बीज, निर्यात और जैविक उत्पादों के लिए तीन नए राष्ट्रीय महासंघों की स्थापना इस बात का संकेत है कि सहकारी समितियों को भारत के विकास के प्रमुख एजेंट के रूप में स्थापित किया जा रहा है परन्तु, अपने विस्तार और पहुंच के बावजूद, सहकारी क्षेत्र में शिक्षा और प्रशिक्षण की अवरचना आंशिक, अविकसित और असमान रूप से वितरित है। प्रबंधकीय और प्रशासनिक से लेकर तकनीकी और परिचालन तक योग्य पेशेवरों की मांग आपूर्ति से कहीं अधिक है। मौजूदा कर्मचारियों और बोर्ड के सदस्यों की क्षमता निर्माण में निवेश करने की आवश्यकता भी महत्वपूर्ण है। इन कर्मचारियों में से कई के पास नियमित प्रशिक्षण या शिक्षा के अवसरों तक पहुंच नहीं है। मानकीकृत पाठ्यक्रम, गुणवत्ता आश्वासन और संस्थागत सामंजस्य के बिना, यह क्षेत्र अपनी क्षमता का पूरी तरह से लाभ नहीं ले सकता है या अपने विकास को बनाए नहीं रख सकता है। सहकारी आंदोलन में नई और युवा पीढ़ियों को आकर्षित करने की भी सख्त जरूरत है। ऐसे व्यक्ति जो न केवल पेशेवर हों बल्कि सहकारी मूल्यों से प्रेरित हों और क्षेत्र में नवाचार करने के लिए आतुर हों। यहां, त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी एक परिवर्तनकारी भूमिका निभा सकता है: शिक्षा, प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए एक केंद्र के रूप में सेवा करके जो नई पीढ़ी के सहकारी नेताओं को

बढ़ावा देते हुए सभी स्तरों पर उनकी क्षमता का निर्माण कर सकेगा। अमूल मॉडल के वास्तुकार, दूरदर्शी त्रिभुवनदास पटेल के नाम पर और भारत की डेयरी सहकारी क्रांति के उद्गम स्थल आनंद में स्थित यह यूनिवर्सिटी एक प्रतीकात्मक श्रद्धांजलि है, साथ ही यह एक रणनीतिक हस्तक्षेप भी है। ग्रामीण प्रबंधन संस्थान आनंद का चयन - एक ऐसा संस्थान जिसने दशकों से सहकारी प्रबंधन शिक्षा में अग्रणी भूमिका निभाई है, इस यूनिवर्सिटी की नींव के रूप में व्यावहारिक और प्रेरणादायक दोनों है। यह यूनिवर्सिटी सहकारी उद्यमों की चुनौतियों और अवसरों का समाधान करने के लिए सुसज्जित पेशेवरों को तैयार करने की एक मजबूत विरासत का निर्माण करेगी। यूनिवर्सिटी का विज़न सिर्फ़ औपचारिक प्रबंधन डिग्री तक सीमित न होकर काफी विस्तृत है। यह प्राथमिक और माध्यमिक सहकारी समितियों के बोर्ड सदस्यों, सहकारी क्षेत्र में कार्य कर रहे कर्मचारियों, और नैतिक, सस्टेनेबल और समावेशी व्यवसाय मॉडल में रुचि रखने वाले युवाओं की नई पीढ़ी तक अपनी पहुंच बढ़ाएगा। इसके लिए, यूनिवर्सिटी लचीले शिक्षण मॉड्यूल, प्रमाणन कार्यक्रम, डिग्री कार्यक्रम, डिजिटल पहुंच प्रदान करेगा और क्षेत्र-आधारित ऐसे शोध का जरिया बनेगा, जिनसे स्व-सहायता, लोकतांत्रिक नियंत्रण और पारस्परिक जिम्मेदारी के सहकारी मूल्यों का लाभ सभी को मिल सकेगा। त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी एक राष्ट्रीय ज्ञान मंच के रूप में भी काम कर सकता है, हितधारकों के बीच संवाद को सुविधाजनक बना सकता है, साक्ष्य-आधारित नीतिगत अंतर्दृष्टि प्रदान कर सकता है और ग्रामीण वास्तविकताओं के अनुरूप नवाचारों का समर्थन कर सकता है। डेयरी, ऋण, आवास, मत्स्य पालन, कपड़ा जैसे विविध सहकारी परिदृश्य में, विश्वविद्यालय एक ऐसे केन्द्र के रूप में विकसित होगा जहां, शिक्षा, नीति निर्माता और सहकारिता से जुड़े विशेषज्ञ उन्नयन के नये पथ ईजाद कर सकेंगे। वैश्विक स्तर पर, सहकारी शिक्षा सहकारी आंदोलनों की सफलता का आधार रही है। 1844 में रोशडेल पायनियर्स के समय से ही, आचरण के मूल नियमों में मुनाफे का एक हिस्सा शिक्षा के लिए आवंटित करना शामिल था। पांचवां सहकारी सिद्धांत - शिक्षा, प्रशिक्षण और सूचना - आंदोलन का एक मुख्य स्तंभ बना हुआ है, जो यह सुनिश्चित करता है कि सदस्य, नेता और समुदाय सहकारी मॉडल को समझें और उसका पालन करें। यह गहरी जड़ें जमाए बैठी शैक्षिक परंपरा ही है जो सहकारी शासन को बनाए रखती है, नवाचार को बढ़ावा देती है और जवाबदेही को मजबूत करती है। इस संदर्भ में, त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी केवल एक शैक्षणिक संस्थान से कहीं अधिक होगा, यह सहकारी विकास के लिए एक राष्ट्रीय और वैश्विक ज्ञान केंद्र बन सकता है, एक ऐसा स्थान, जहां प्रयोग और नीति का संगम हो और जहां नेतृत्व सीख से प्रेरित हो। नई दिल्ली में आयोजित आईसीए वैश्विक सहकारी सम्मेलन 2024 में, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत से सहकारी समितियों को एकजुट करने, साझा मंच बनाने, आम चुनौतियों से निपटने और सामूहिक रूप से आगे का रास्ता तय करने में वैश्विक दक्षिण का नेतृत्व करने का आह्वान किया। भारत का सहकारी आंदोलन और अब इसका पहला सहकारी विश्वविद्यालय न केवल प्रेरणा बल्कि दिशा भी प्रदान करता है। नींव रखी जा चुकी है, अब समय आ गया है कि एक ऐसा संस्थान बनाया जाए जो उस दृष्टिकोण के योग्य हो जिसका वह प्रतिनिधित्व करता है, एक ऐसा संस्थान जो आने वाली पीढ़ियों को सहकारिता की अविनाशी शक्ति के माध्यम से शिक्षित, सशक्त और ऊर्जावान बनाएगा और यह सुनिश्चित करेगा कि सहकारी समितियां सभी के लिए बेहतर भविष्य का निर्माण करें।

(लेखक क्षेत्रीय निदेशक, इंटरनेशनल कोऑपरेटिव एलायंस एशिया एंड पैसिफिक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

मनोदशा
डॉ. मोनिका शर्मा

भटकते किशोर-मन को थामना जरूरी

इन दिनों खूब चर्चा पा रही मात्र चार एपिसोड की वेब सीरीज 'एडोलेसेंस' ने किशोर मन की दिशाहीनता को लेकर वैश्विक स्तर पर बड़ी चर्चा छेड़ दी है। वर्चुअल दुनिया की सामग्री से गुमराह होते मन से लेकर असल जीवन की उलझनों तक, बड़े होते बच्चों के बहकते मन को सामने रखती यह सीरीज पूरे परिवेश को कटघरे में खड़ा करती है। अभिभावकों संग संवाद की कमी हो या अनजान चेहरों के वर्चुअल कमेंट्स, किशोर बच्चों की मनःस्थिति को आपराधिक गतिविधियों की ओर मोड़ने वाली कड़वी सच्चाई को सामने रखती है। तकनीकी विस्तार और अपने-अपने कोने तक सिमटते जीवन के इस दौर में यह सीरिज जरूरी प्रश्न उठाती बल्कि भविष्य को लेकर चेताती भी है। यौनिक विकास के मोर्चे पर उलझता किशोरमन और वर्चुअल दुनिया में इससे जुड़े ताने-उलहाने मिलने से उपजी कुंठा समाज के भावी नागरिकों को कितना दिशाहीन कर सकती है? स्वयं को कमतर आंकने का मनोविज्ञान एवं कटुतापूर्ण परिवेश से टॉक्सिक सोच का ऐसा स्याह घेरा भी बना सकता है कि किशोर बच्चे किसी की जान लेने या अपनी जान देने जैसा कदम उठाने लगें। सबसे अहम बात जो यह सीरीज समझाती है वह यह कि स्मार्ट गैजेट्स के साथ बड़े हो रहे बच्चे बंद कमरे में भी अकेले नहीं होते। अपनों से अलग-थलग समय बिताते हुए पूरी दुनिया से जुड़े रहते हैं। अपने ही घर के एक हिस्से में मौजूद होने के बावजूद सुरक्षित नहीं रहते। स्क्रीन और सोशल मीडिया मंचों के माध्यम से पूरा संसार उनके साथ रहता है। आमजीवन में चुप से रहने वाले किशोरों का परिचितों-अपरिचितों से हर तरह का संवाद होता है, जिसके चलते किशोर वर्चुअल संसार में भी बुलीइंग का शिकार बनते हैं। अपराध का रास्ता पकड़ने की दिशाहीन सोच आ जाती है। अपशब्द, नकारात्मक टीका-टिप्पणियां और अपेक्षाओं-उपेक्षाओं का एक अनदेखा घेरा बन जाता है। दुखद है कि सोशल मीडिया और वास्तविक संसार की बदलती रूपरेखा के बीच किशोर आक्रोश और अहंकार के शिकार हो रहे हैं। शारीरिक बदलावों और भावनात्मक उलझनों के इस पड़ाव में कहीं मर्दानगी की अजब-गजब परिभाषा सीख रहे हैं तो कहीं बदला लेने की विकृत मानसिकता से घिर रहे हैं। दरअसल, किशोरावस्था को मौज-मस्ती और मन का करने की उम्र मान लिया जाता है। अपने आप में खोये रहने वाली उम्र का पड़ाव समझा जाता है। ना तो छोटा बच्चा समझकर दिया जाने वाला संबल मिलता है और ना ही समझदार होने के आयुवर्ग में आने का स्वागत। ऐसे में मासूमियत भरे बचपने से समझ भरी उम्र की ओर बढ़ता किशोर-किशोरियों का दिलों-दिमाग कई उलझनों से जूझता है। ऊर्जा भरे इस पड़ाव पर भी अकेलापन और अवसाद तक घेरने लगता है। किशोरावस्था शब्द लैटिन शब्द 'एडोलेसयर' से बना है, जिसका अर्थ है 'परिपक्व होने के लिए बढ़ना'। समझदारी के पड़ाव की ओर बढ़ते '12 से 18 साल' के बच्चे किशोर माने जाते हैं। उम्र के इस दौर में सबसे ज्यादा जरूरत बड़ों के साथ सार्थक संवाद की होती है। किशोरों के लिए कई विषयों पर अपनों से कुछ कहना मुश्किल होता है, तो कई बार बड़े-बुजुर्गों के कहे को समझना भी कठिन लगता है। ऐसे में अभिभावकों द्वारा उनके बदलते मन को समझने के प्रयास आवश्यक हो जाते हैं। प्रत्यक्ष रूप से उनकी निर्भरता कम दिखती है पर इस आयुवर्ग में भी बहुत सी बातों से उलझता उनका मन अभिभावकों की ओर ही देखता है। चाइल्ड माइंड इंस्टीट्यूट के मुताबिक एंगजाइटी, बचपन और किशोरावस्था में सबसे आम मानसिक स्वास्थ्य विकार है। करीब 31.9 प्रतिशत लोग 18 साल की उम्र तक किसी न किसी तरह की फिक्र से जूझते हैं। बदलावों की इस उम्र में बहुत सी बातों को लेकर घबराहट भी होती है। सोशल मीडिया ने हमउम्र दोस्तों और सहपाठियों से तुलना के भाव को और बढ़ाया है। बच्चे शारीरिक बनावट से लेकर करीबी दोस्ती के मामले तक में एक-दूसरे से तुलना करने लगते हैं। शारीरिक मानसिक बदलाव भटकाव लाने वाले होते हैं। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के मुताबिक आज 44 फीसदी स्कूली बच्चे तनाव और अवसाद का शिकार हैं। स्पष्ट है कि अकादमिक दबाव के अलावा किशोरों का मन आभासी दबाव भी झेल रहा है। यथार्थ से दूर वर्चुअल दुनिया में समय बिताते हुए नई तरह की मानसिक परेशानियों में फंस रहे हैं। ऐसे हालातों में जीवन से जुड़े हर पक्ष पर संवाद करना आवश्यक है। अपनी उलझनें कह देने का भरोसा देना जरूरी है। बातचीत के लिए सहज परिवेश और खुलापन न मिलने से किशोर बच्चों की मनःस्थिति भटकाव का शिकार हो जाती है।

(लेखिका वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

क्रियायोग: अधिक विकसित होगी नई पीढ़ी

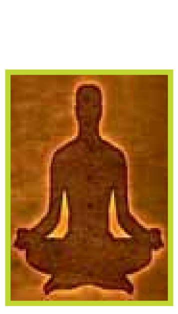

संकलित
दर्शन

सभी मनुष्य वस्तुतः आत्माएं ही हैं। आपके लिए मात्र जन्म के आधार पर ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं है। जिन्हें हम 'नौजवान व्यक्ति' कहते हैं, वे पुरानी आत्माएं हैं और वे प्रत्येक मनुष्य में अंतर्जात कामनाओं-सुख, सुरक्षा, प्रेम इत्यादि कामनाओं को पूर्ण करने के लिए हर प्रकार के प्रयासों और आकांक्षाओं से गुजर चुकी हैं। उन्होंने उस (पूर्ति) को प्राप्त करने के प्रयास में अनेक जन्म व्यतीत किए हैं और अंततः वे यहां आए हैं तथा जिन लोगों ने जन्म लिया है, उनमें से लाखों लोग अपने पूर्वजन्मों से विकास के उस चरण में हैं। श्रीमद्भगवद्गीता में श्रीकृष्ण इस विषय पर प्रकाश डालते हैं। वे अर्जुन से कहते हैं, 'यदि अंतिम लक्ष्य को प्राप्त किए बिना तुम्हारे इस जीवन का अंत हो जाता है तो चिंता मत करो, क्योंकि योग-ध्यान का कोई भी प्रयास व्यर्थ नहीं होता है।' तत्पश्चात उस भक्त का एक ऐसे वातावरण में पुनर्जन्म होता है, जहां वह पुनः अपनी आगे की यात्रा प्रारंभ करता है। इसलिए जिन्हें आप 'नौजवान व्यक्ति' कह रहे हैं, वे ज्ञानीजन हैं। वे संभवतः ऐसे युद्धरत आत्माएं हैं, जो हर प्रकार के अनुभव से गुजर चुके हैं और जिनकी चेतना इस प्रकार की है कि उन्होंने विभिन्न परिस्थितियों में हर तरह के कार्य किए हैं। वे पुनः लौटकर आते हैं और कहते हैं, 'अब मैं अपना और अधिक समय व्यर्थ नहीं गवाऊंगा। मैं अपने और अधिक जन्मों को व्यर्थ नहीं गवाऊंगा। मैं वह कार्य करूंगा, जो वास्तव में मेरे आत्मा की क्षमताओं और मेरे आत्मा में विद्यमान उस दिव्य संपर्क की तृष्णा की पूर्ति करेगा।'

क्या भगवान का अस्तित्व है?

संकलित
प्रेरणा

एक बार एक व्यक्ति नाई की दुकान पर अपने बाल कटवाने गया। तभी नाई ने कहा: मैं भगवान के अस्तित्व को नहीं मानता और इसीलिए तुम मुझे नास्तिक भी कह सकते हो। तुम ऐसा क्यों कह रहे हो व्यक्ति ने पूछा। नाई ने कहा: बाहर जब तुम सड़क पर जाओगे तो तुम समझ जाओगे कि भगवान का अस्तित्व नहीं है। अगर भगवान होते, तो क्या इतने सारे लोग भूखे मरते? क्या इतने सारे लोग बीमार होते? व्यक्ति ने थोड़ा सोचा लेकिन वह वाद-विवाद नहीं करना चाहता था। नाई ने अपना काम खत्म किया और वह व्यक्ति नाई को पैसे देकर दुकान से बाहर आ गया। वह जैसे ही नाई की दुकान से निकला, उसने सड़क पर एक लम्बे-घने बालों वाले एक व्यक्ति को देखा जिसकी दाढ़ी भी बढ़ी हुई थी और ऐसा लगता था शायद उसने कई महीनों तक अपने बाल नहीं कटवाए थे। वह व्यक्ति वापस मुड़कर नाई की दुकान में दुबारा घुसा और उसने नाई से कहा: क्या तुम्हें पता है? नाइयों का अस्तित्व नहीं होता। नाई ने कहा: तुम कैसी बेकार बातें कर रहे हो? क्या तुम्हे मैं दिखाई नहीं दे रहा? मैं यहाँ हूँ और मैं एक नाई हूँ। और मैंने अभी अभी तुम्हारे बाल काटे है। व्यक्ति ने कहा: नहीं! नाई नहीं होते हैं। अगर होते तो क्या बाहर उस व्यक्ति के जैसे कोई भी लम्बे बाल व बढ़ी हुई दाढ़ी वाला होता? नाई ने कहा: अगर वह व्यक्ति किसी नाई के पास बाल कटवाने जाएगा ही नहीं तो नाई कैसे उसके बाल काटेगा?

सटाका

आज की पाती

कब रुकेगा प्राइवेट स्कूलों के शिक्षकों का शोषण?

बाहर से देखो तो प्राइवेट स्कूल किसी फाइव स्टार होटल से कम नहीं लगते। एसी क्लासरूम, हाईटेक बोर्ड, इंग्लिश बोलते बच्चे और व्हाइट-ग्लव्स पहने बस अटेंडेंट्स। लेकिन अंदर झांको, वहां एक मास्टर साहब बैठा है, जो न वक्त पर चाय पी सकता है, न लंच कर सकता है। जो बच्चा होमवर्क न करे, उसकी शिकायत आए तो मास्टर की क्लास लगती है। जो बच्चा एग्ज़ाम में फेल हो जाए, तो मैनेजमेंट पूछता है- क्यों पढ़ाया नहीं ढंग से। तनख्वाह जो कागज़ पर है, जेब में नहीं। प्राइवेट स्कूलों में सैलरी का सिस्टम इतना गोपनीय है कि सीक्रेट एजेंसियां भी शरमा जाएं। – **प्रियंक शर्मा**, बिलासपुर

ट्रेंड

हर भारतीय को बधाई

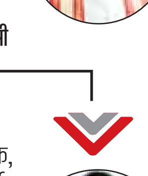

गीता और नाट्यशास्त्र को यूनेस्को के विश्व स्मृति रजिस्टर में शामिल करने पर हर भारतीय को बधाई। ये शास्त्र भारत के प्राचीन ज्ञान को दर्शाते हैं, जिसने अनादि काल से जीवन को अधिक सुंदर बनाने का प्रकाश दिखाया है।
-अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

विश्व विरासत दिवस

विश्व विरासत दिवस हमें अपनी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत पर गर्व करने के साथ-साथ उसके संरक्षण का संकल्प लेने की प्रेरणा देता है। आइए, हम सभी अमूल्य धरोहरों को संजोने और सुरक्षित रखने में अपनी भागीदारी निभाएं।
- रेखा गुप्ता, सीएम, दिल्ली

राजनीतिक हथकंडों से बचें

सपा दलितों के वोटों के स्वार्थ की खातिर यहाँ किसी भी हद तक जा सकती है। अतः दलितों के साथ-साथ अन्य पिछड़ों व मुस्लिम समाज आदि को भी इनके किसी भी उग्र बहकावे में नहीं आकर इन्हें इस पार्टी के भी राजनीतिक हथकंडों का शिकार होने से ज़रूर बचना चाहिए।
- मायावती, पूर्व सीएम, उप्र

कठोर कार्रवाई करें

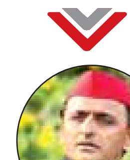

सिविल मामले को क्रिमिनल बनाकर पेश करना पुलिस के द्वारा क़ानून को तोड़ना है, इसके लिए आर्थिक दंड नहीं निलंबन करके कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए।
-अखिलेश यादव, सपा सांसद

करंट अफेयर

बुद्ध के दंत 16 वर्षों बाद श्रीलंका में दर्शन के लिए रखे गए

कोलंबो। भगवान बुद्ध के पवित्र दंत अवशेष को 16 साल के अंतराल के बाद शुक्रवार को श्रीलंका के केंद्रीय शहर कैंडी में आम लोगों के दर्शन के लिए रखा गया। यह जानकारी एक आधिकारिक बयान से मिली। श्रीलंकाई राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि यह आयोजन 10 दिनों तक 27 अप्रैल तक जारी रहेगा तथा आम लोग अवशेष स्थानीय समयानुसार दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक देख सकते हैं। बयान के अनुसार, भारत सहित 17 देशों के राजदूतों के लिए एक विशेष व्यवस्था के तहत कैंडी तक उनके लिए ट्रेन से यात्रा का इंतजाम किया गया है। कैंडी स्थित पवित्र दंत मंदिर के वरिष्ठ भिक्षु महावेला रत्नपाल ने संवाददाताओं को बताया कि हजारों बौद्ध श्रद्धालुओं के इस अवशेष का दर्शन करने के लिए आने की उम्मीद है। यह दंत अवशेष इस द्वीपीय देश श्रीलंका के 74 प्रतिशत सिंहली बौद्ध बहुसंख्यकों के लिए विशेष आध्यात्मिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व रखता है। रत्नपाल ने कहा, ''हजारों लोग दो दिन पहले से मंदिर तक पहुंचने वाले तीनों मार्गों पर कतार में खड़े हैं।'' ऐतिहासिक अभिलेखों के अनुसार, यह दंत अवशेष 1590 में कैंडी लाया गया था।

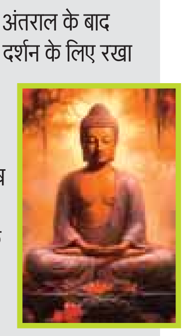

ऑफ बीट

इंडोर प्लांट का उपयोग दवा और खाना पकाने होता था

हजारों वर्षों से लोग घरों के भीतर पौधे उगाते आ रहे हैं। साक्ष्यों से पता चलता है कि मिस्र के लोग तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में पौधों को घर के अंदर लाए थे। पोम्पेई के पूर्व शहर के अवशेषों से पता चलता है कि 2,000 साल से भी पहले वहां 'इनडोर प्लांट्स' का इस्तेमाल किया जाता था और मध्ययुगीन इंग्लैंड में 'इनडोर प्लांट्स' का उपयोग दवा और खाना पकाने में किया जाता था। बीसवीं सदी के उत्तरार्ध में इनडोर प्लांट्स' को रखना दुनियाभर में व्यापक हो गया। यह प्रथा विशेष रूप से कोविड-19 महामारी के दौरान काफी लोकप्रिय थी, संभवतः प्रकृति से जुड़ने की इच्छा के कारण, जब बाहरी हरित स्थानों तक पहुंच सीमित थी। 'इनडोर प्लांट्स' के लाभ प्रकृति से जुड़ाव से कहीं बढ़कर हैं। अध्ययनों से पता चलता है कि वे सकारात्मक भावनाओं को बढ़ा सकते हैं, तनाव को कम कर सकते हैं, उत्पादकता बढ़ा सकते हैं और यहां तक कि दर्द जैसी शारीरिक परेशानी को भी कम कर सकते हैं। हालांकि, लोगों का अपने पौधों से जुड़ाव का स्तर अलग-अलग होता है।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

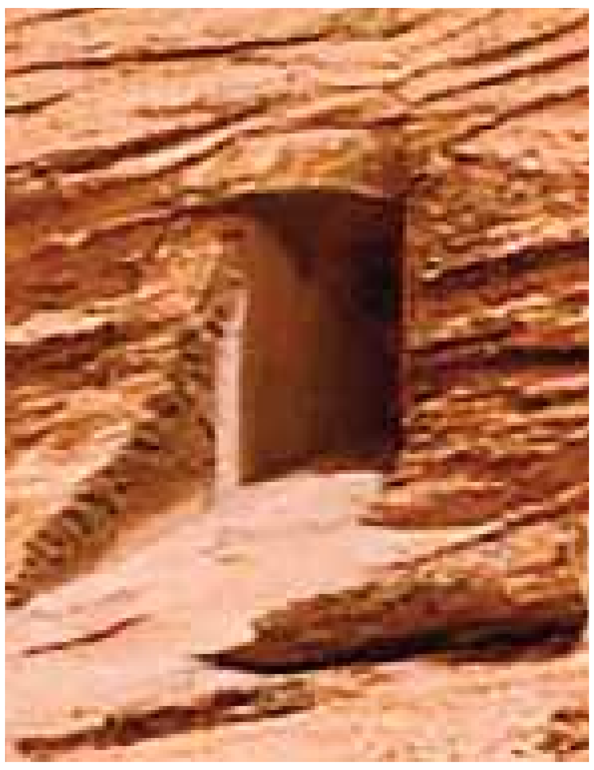

क्या मंगल ग्रह पर छिपे हैं एलियंस? नासा के हाथ लगा 'रास्ता', हैरान कर देगी खोज

वॉशिंगटन। नासा अपनी खोजों के लिए दुनिया भर में पहचाना जाता है। नासा की खोज पर लोगों की नजरें टिकी रहती है। एक बार फिर नासा ने खुलासा किया है कि मंगल ग्रह पर एक बहुत बड़ा छेद पाया गया है। जिसे लेकर बताया जा रहा है कि ये रहस्यमय गड्ढा एक विशाल भूमिगत सुरंग नेटवर्क में एलियनों को छिपाकर रख सकता है। यह छेद 2017 में मार्स रिकॉनिसेंस ऑर्बिटर द्वारा ली गई सैटेलाइट तस्वीर के ऊपरी-दाएं हिस्से में स्थित है और एक गोलाकार गड्ढे से घिरा हुआ है।

वैज्ञानिकों का मानना है कि मंगल अरबों साल पहले पृथ्वी जैसा था

किया गया है शेयर

रिपोर्ट के मुताबिक 300 फुट चौड़े छेद की एक तस्वीर को अपने एस्ट्रोनॉमी पिक्चर ऑफ द डे के रूप में शेयर किया गया है। नासा ने ये भी बताया है कि इसमें कई छेद हैं, जिनमें से केवल एक को छोड़कर सभी में धूल भरी, अंधेरी, मंगल की सतह दिखाई देती है। शोधकर्ताओं ने कहा कि इस तरह के छेद विशेष रूप से दिलचस्प हैं। क्योंकि, वे निचले स्तरों के द्वार हो सकते हैं जो विशाल भूमिगत गुफाओं में फैले हुए हैं।

बनाया नक्शा

भूमिगत रहस्यों पर अमेरिका के विशेषज्ञ- यूएस जियोलॉजिकल सर्वे को इन मंगल ग्रह की गुफाओं को खोजने के लिए लाया गया था। 2019 में, यूएसजीएस एस्ट्रोजियोलॉजी साइंस सेंटर ने मंगल ग्रह पर 1,000 से अधिक संभावित गुफा प्रवेश द्वारों को प्रस्तुत करने वाला एक नक्शा बनाया। हालांकि, केंद्र के एक अंतरिक्ष वैज्ञानिक ग्लेन कुशिंग ने कहा कि यह देखना असंभव है कि उनमें से कोई भी सतह के नीचे कितनी दूर तक फैला हुआ है।

एलियंस का था ठिकाना!

इस प्रकार नासा ने नोट किया कि ये गड्ढे संभावित भविष्य के अंतरिक्ष यान, रोबोट और यहां तक कि मानव अंतरग्रहीय खोजकर्ताओं के लिए प्रमुख लक्ष्य हैं। जबकि अब यह जीवन के लिए प्रतिकूल है, वैज्ञानिकों का मानना है कि मंगल अरबों साल पहले पृथ्वी जैसा था। हालांकि धीरे-धीरे स्थितियां बदल गई। ऐसे में वैज्ञानिक अब ये पता लगाने की कोशिश में लगे हुए हैं कि क्या कभी यहां पर जीवन था। क्या कभी ये एलियंस का ठिकाना था?

रोचक खबरें

शादी से पहले दुल्हन ने रख दी ऐसी शर्त, धर्मसंकट में पड़ गईं सहेलियां!

जब कभी हमारे घर में शादी का कोई न्योता आता है तो इन चीजों को लेकर तैयारियां पहले से शुरू हो जाती है। वहीं, अगर किसी करीबी का शादी का कार्ड आता है तो तैयारियां और जोरों से चलती है, ताकि शादी में सबसे बेस्ट हम लगे और शादी मिस ना हो! हालांकि इन दिनों जो किस्सा सामने आया है, उसे जानने के बाद आप पूरी तरीके से हैरान रह जाएंगे। क्योंकि आपने इस तरह के न्योते के बारे में इसके बारे कभी किसी ने नहीं सोचा था।ये बात तो हम सभी जानते हैं कि जब किसी जान-पहचान वाले की शादी होती है तो हम लोग हाई-फाई बनकर जाने की सोचते हैं, लेकिन यहां जो किस्सा सामने आया है वो थोड़ा अलग है। क्योंकि, यहां एक महिला ने अपनी शादी में सहेलियों को कहा कि किसी को भी सजधज कर सुंदर बनकर आने की कोई जरूरत नहीं है। ये कहानी जब लोगों के बीच चर्चा में आई तो हर कोई हैरान रह गया, क्योंकि कोई अपनी शादी में इस तरीके से बुलाएगा इसकी किसी को कोई उम्मीद नहीं थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक 27 साल की एक लड़की ने अपनी शादी में ऐसी लड़कियों को बैन कर दिया, जिनकी फोटो सुंदर आती हो। हैरानी की बात तो ये है कि लड़की ने अपने दोस्त को इंविटेशन देते हुए ये शर्त रखी कि कोई भी उसकी शादी में सजधज नहीं आएगा।

लड़की को चढ़ा अजीब शौक, मच्छर मारकर रख लेती है लाश, नामकरण कर के तैयार करती है 'बहीखाता'!

नई दिल्ली। जब बच्चे बड़े होने लगते हैं तो उन्हें अलग-अलग तरह के सामान जुटाने का शौक चढ़ जाता है। कोई सिक्के जुटाता है, कोई माचिस के डिब्बों का ऊपरी हिस्सा रखने लगता है, बहुत से बच्चों को कंचे इक्ट्ठा करने का भी शौक होता है। आजकल तो बच्चे पोकेमॉन या बेन 10 के काड्र्स और टैज़ो जुटाते हैं। पर एक लड़की को बड़ा अजीबोगरीब शौक है। लड़की मच्छरों को मारती है, फिर उनकी लाश को रख लेती है। उसके बाद वो उनका नामकरण कर बहीखाते जैसा लेखा-जोखा तैयार करती है, जिसमें वो मच्छरों से जुड़ी तमाम डीटेल को लिखती है। इंस्टाग्राम यूजर आकांक्षा रावत ने हाल ही में एक वीडियो पोस्ट किया है जिसमें एक लड़की नजर आ रही है। उस लड़की ने अपने ऐसे शौक के बारे में बताया, जिसे सुनकर सबके होश उड़ गए। वो लड़की आकांक्षा की कौन है ये तो नहीं पता, पर आकांक्षा को भी लड़की का शौक हैरान करने वाले लगा। लड़की ने बताया कि उसे मच्छरों को मारकर उनका रिकॉर्ड तैयार करना अच्छा लगता है। सबसे पहले वो मच्छरों को मारती है, फिर उन्हें नाम देती है और उसके बाद एक पेपर में उन्हें टेप के नीचे चिपका देती है। बाद में वो मच्छरों को भारतीयों वाले नाम देती है, उनके मरने की जगह, मौत का वक्त और दिन को नोट करती है। इस तरह उसने एक पेपर पर कई मच्छरों की डीटेल के बारे में लिखा है। उस लिस्ट में सुरेश, रमेश, प्रिया, आदि जैसे नाम वाले मच्छर थे। लड़की ने एक नाम दिया था सिगमा बॉय।

गई पढ़ाई नाले में, बच्ची ने गटर में डाली किताब, 'लो जी, टेंशन ही खत्म'

लंदन। इंटरनेट और सोशल मीडिया की दुनिया में हम रोज़ाना तरह-तरह के वीडियो देखते हैं। इनमें से कुछ वीडियो तो ऐसे होते हैं, जिन्हें देखने के बाद आप सोच में पड़ जाते हैं तो कुछ ऐसे होते हैं कि आप इन्हें देखकर एंजॉय करते हैं। इस वक्त एक बहुत ही प्यारा वीडियो छोटी सी बच्ची का वायरल हो रहा है, जो हंसते-खेलते स्कूल से आ रही है। रास्ते में वो जो करती है, उसे देखकर आप चौंक जाएंगे। सोशल मीडिया पर सर्कुलेट हो रहे बच्ची के वीडियो को देखकर आप भी मुस्कुरा देंगे। वो जितनी मासूमियत से पढ़ाई से छुटकारा लेकर खुश हो रही है, वो देखकर लोगों को ने उस पर प्यार लुटाना शुरू कर दिया। बच्ची जिस तरह से छोटी सी उम्र में अपनी मर्ज़ी से अपनी खुशियां चुन रही है, वो देखकर आपको भी अच्छा महसूस होगा। उसे दुनियादारी से तो कोई वास्ता नहीं, लेकिन जो अच्छा लगा, वो बिना सोचे-समझे ही कर दिया। बच्चे मन के सच्चे होते हैं। उन्हें अच्छा-बुरा तो पता नहीं होता, लेकिन उन्हें जो भी करने में खुशी मिलती है, वे उसे कर लेते हैं। वीडियो में एक छोटी सी बच्ची ऐसा ही कर रही है। वो स्कूल से आते हुए रास्ते में रुकती है और अपने हाथ में मौजूद किताब को मोड़कर गटर में डाल देती है। ऐसा करते हुए उसके चेहरे की खुशी और बाद में उछलते-कूदते हुए उसका रिएक्शन देखकर आपको भी मज़ा आ जाएगा। मानो बच्ची के सिर से कोई भारी बोझ उतर गया हो, वो इस तरह नाचते हुए निकल जाती है।

छूते ही हाथ हो जाता है सुन्न, इंसानों के लिए घातक...ये हैं दुनिया के सबसे जहरीले पक्षी

पक्षी का नाम सुनते ही जो सबसे पहले जो ख्याल मन में आता है, वे बड्र्स हैं खूबसूरत मोर, तोता, अपनी सुंदरता और मिठी आवाज के लिए मशहूर कोयल। इन पक्षियों की विशेषता है कि इनकी पंखें बाकी पक्षियों से काफी मुख्तलिफ होती है। लेकिन आज हम इस लेख में दुनिया के 10 सबसे जहरीले पक्षियों बारे में बताने जा रहे हैं।

हुडेड पिटोहुई

हुडेड पिटोहुई कॉर्विडे परिवार के सदस्य हैं, जिसमें रेवेन, कौए और जय जैसे बड्र्स भी शामिल हैं। ये खूबसूरत बर्ड अपने पंखों, पूंछ और सिर पर काले पंखों के लिए मशहूर हैं, जबकि उनके पेट और पीठ पर नारंगी पंख हैं। जबकि पापुआ न्यू गिनी का यह रंग-बिरंगा पक्षी बैट्राकोटॉक्सिन से भरपूर होता है, जिसे छूने पर हाथ सुन्न हो जाता है और झुनझुनी हो सकती है।

ब्लू कैप्ड इफ्रिता

ब्लू कैप्ड इफ्रिता एक छोटा कीटभक्षी पक्षी है जो 16.5 सेमी तक बढ़ता है। इफ्रिता का मुकुट नीले और काले रंग का होता है और पंख पीले-भूरे रंग के होते हैं। इस पक्षी प्रजाति में बैट्राकोटॉक्सिन पाया जाता है, जो उनके पेट, पैर के पंखों और स्तन पर भारी मात्रा में होता है।

यूरोपीय बटेर

यूरोपीय बटेर को आमतौर पर बटेर भी कहा जाता है। इसे कॉटर्निक्स वंश के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। यह एक पुरानी दुनिया का प्रवासी पक्षी माना जाता है, जो यूरोप, अफ्रीका और एशिया के दक्षिणी भागों में फैला हुआ है। लेकिन यह बर्ड काफी जहरीला है।

रेड वार्बलर

अगली जहरीली पक्षी रेड वार्बलर है, जिसे एक छोटा गौरैया पक्षी भी कहा जाता है।

दुनिया के सबसे जहरीले पक्षियों बारे में बताने जा रहे हैं

उत्तरी परिवर्तनशील पिटो हुई

उत्तरी परिवर्तनशील पिटोहुई हुडेड पिटोहुई की ही प्रजाति है। हुडेड पिटोहुई की तरह, यह पक्षी प्रजाति बीटीएक्स नामक एक शक्तिशाली न्यूरोटॉक्सिक एल्कलॉइड द्वारा संरक्षित है। बीटीएक्स पक्षी के पंखों और स्किन में पाया जाता है। वो इस जहर का इस्तेमाल अपने शिकार को रोकने और परजीवियों को दूर भगाने के लिए हथियार के रूप में करता है।

स्पर-विंग्ड गूज

स्पर-विंग्ड गूज को दुनियाभर में सबसे बड़ी हंस प्रजाति माना जाता है। जैसा कि इसके नाम से पता चलता है, स्पर-विंग्ड गूज के पंखों पर कांटे होते हैं,जो बहुत जहरीला होता है।ऐसा माना जाता है कि इन स्पाइक्स में मौजूद जहर ब्लिस्टर बीटल के आहार से प्राप्त होता है, जिसमें कैंथरिडिन की उच्च सांद्रता होती है। इस जहर की लगभग 10 मिलीग्राम मात्रा इंसानों के लिए घातक मानी जाती है। यह विषैला हथियार पक्षी के जीवन भर उसके लिए महत्वपूर्ण होता है। यहां तक कि मौत के बाद भी, इसका मांस जहरीला माना जाता है।

छोटा श्रीकेथ्रश

श्रीकेथ्रश एक गीत गाने वाला बर्ड है। आस्ट्रेलिया में स्थानिक रूप से पाई जाने वाली यह पक्षी जहरीली प्रजाति के रूप में दर्ज है। इस पक्षी का जहर, जिसे अक्सर बैट्राकोटॉक्सिनिन-ए कहा जाता है, बहुत जहरीला होता है। यह वही रसायन है जो जहरीले डार्ट मेंढकों द्वारा उत्पादित किया जाता है। साथ ही, साधारण सा दिखने वाला यह पक्षी अपने पंखों और स्किन में विषाक्त पदार्थ रखता है, जो इसे छूने वालों के लिए खतरा पैदा करता है।

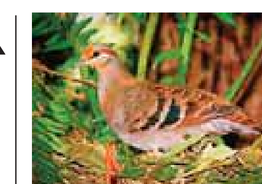

ब्रश ब्रोंजविंग

ब्रश ब्रोंजविंग कबूतर एक कॉमपैक्ट बर्ड है, जो अपने लाल-

भूरे निचले हिस्सों के लिए प्रसिद्ध है। इन पक्षियों को बहुत जहरीला माना गया है।

हूपो

हूपो अपने सुंदर पंखों और भयंकर दुर्गंध वाले घोंसले के लिए जाना जाता है। ये पक्षी अपनी यूरोपीगियल ग्रंथियों का इस्तेमाल करके एक भयंकर गंध वाला तरल पदार्थ पैदा करने के लिए अनुकूलित हो गए हैं, जो डाइ-मिथाइल सल्फाइड से ज्यादा सांद्रित होता है।

रफ्ड ग्राउज़

रफ्ड ग्राउज़ एक छोटा पक्षी है जो करीब अमेरिकी कौओ के आकार का होता है। इस पक्षी की पूंछ आमतौर पर पंखे के आकार की होती है।

एआई तो सबका बाप निकला, आकाशगंगा में धरती जैसे कितने ग्रह हैं, ये भी बता दिया

बर्न। अंतरिक्ष अनंत है और यहां इतने राज छिपे हुए हैं, जिसके जवाब आज भी इंसान खोजने की कोशिश कर रहा है। अब उसके साथ इस खोज में एआई भी जुट गया है। हमारे मिल्की वे में 44 ग्रह और अन्य तारे हैं, जो धरती जैसे दिखते हैं। यह दावा एक नए मशीन लर्निंग मॉडल ने किया है।

एआई मॉडल बेहद विश्वसनीय

स्विट्जरलैंड के नेशनल सेंटर ऑफ कॉम्पिटेंस इन रिसर्च प्लैनेट्स और यूनिवर्सिटी ऑफ बर्न के वैज्ञानिकों ने मिलकर एक एआई मॉडल बनाया है, जो धरती जैसे ग्रहों का पता लगा सकता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस मॉडल में जिस एल्गोरिदम का इस्तेमाल किया गया है, वह 99 प्रतिशत सही है। इस एआई मॉडल की खासियत है कि यह ग्रहों के सिस्टम के बीच यह पता कर सकता है कि कौन सा धरती जैसा ग्रह हो सकता है। यह रिसर्च एस्ट्रोनॉमी और एस्ट्रोफिजिक्स में पब्लिश हुई है। इस स्टडी का हिस्सा रहे वैज्ञानिकों का कहना है कि यह एआई मॉडल बेहद विश्वसनीय है और इससे एस्ट्रोनॉट्स को केवल उन स्टार सिस्टम्स पर फोकस करने में मदद मिलेगी, जिनमें ऐसे बाह्यग्रह होने की संभावना अधिक है, जिनमें जीवन हो सकता है।

हैरान कर देने वाले थे नतीजे

एआई मॉडल का टेस्ट बाकी प्लैनेट सिस्टम्स के बारे में ज्ञात डेटा का इस्तेमाल करके किया गया था। वैज्ञानिकों ने कहा कि जिन सिस्टम्स के गुणों के बारे में हमें पता है, उनके बारे में जानकारी मॉडल में डाली गई, तो इसने आश्चर्यजनक रूप से अच्छा परफॉर्मेंस दिया।

स्टडी में क्या आया सामने?

ऐसे एक्सोप्लैनेट की खोज का आधार उनके ऑर्बिट का रास्ता है। रहने लायक इलाकों में जो ग्रह हैं, उन पर जीवन होने की सबसे ज्यादा संभावना होती है। इसका मतलब है कि यह ऐसी जगह पर होना चाहिए जहां न तो बहुत गर्मी हो और न ही बहुत ठंड हो, ताकि तरल पानी मौजूद हो सके। इस शर्त को पूरा करने वाले एक्सोप्लैनेट अन्य दुनिया की खोज करते समय सबसे आशाजनक उम्मीदवार हैं जहां जीवन मौजूद हो सकता है।

---

400 किमी दूर तक फट गई धरती, वैज्ञानिकों का बड़ा खुलासा

म्यांमार में सुपरसोनिक स्पीड से आया था विनाशकारी भूकंप

एजेंसी ▶▶ नेपीडॉ

पिछले महीने 28 मार्च को 7.7 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप से म्यांमार की धरती कांप उठी थी। दुनिया के सबसे बड़े फॉल्ट में से एक के टूटने से बने इस भूकंप के चलते म्यांमार और आस-पास के क्षेत्रों में तबाही मचा दी थी। भूकंप के चलते 5000 से ज्यादा लोगों के हताहत होने की पुष्टि हुई है। भूकंप का केंद्र म्यांमार में मांडले के पास था, लेकिन इसका असर थाईलैंड और बांग्लादेश तक देखा गया। अब घटना के कुछ दिनों बाद भूकंप विज्ञानियों ने इसके व्यवहार और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाने वाले तेज झटकों पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रस्तुत की है।

सुपरसोनिक रफ्तार से बनी दरार

जॉर्जिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के झीगांग पेंग ने कहा कि यह दरार शुरुआत में धीमी गति से होने के बाद ध्वनि की गति से भी तेज गति से टूट गई। पेंग ने कहा कि थाईलैंड और चीन के युन्नान और ग्वांग्डन प्रांतों में भूकंप के बाद भूकंपीय गतिविधि में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। यह म्यांमार में आए शक्तिशाली भूकंप से उत्पन्न तनावों के व्यापक रूप से सक्रिय होने का संकेत देती है।

400 किलोमीटर लंबी दरार

म्यांमार टेक्टोनिक रूप से सक्रिय क्षेत्र में स्थित है, जहां भारत और यूरेशिया की प्लेटें टकराती हैं। सीस्मोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ अमेरिका की वार्षिक बैठक में दुनिया भर के शोधकर्ताओं ने अपने निष्कर्ष साझा किए हैं। अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे के भूकंप विज्ञानी सुसान हॉफ के अनुसार, मार्च में आए भूकंप ने सागांग फॉल्ट के 400 किलोमीटर से अधिक हिस्से को तोड़ दिया। यह प्रमुख स्ट्राइक-स्लिप फॉल्ट मध्य म्यांमार से होकर गुजरता है। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के शोधकर्ता नादिन रीटमैन ने बताया कि यह दरार दुनिया भर में दर्ज की गई सबसे बड़ी सतह दरारों में से एक है। सागांग फॉल्ट ने पिछली सदी में 6 तीव्रता और उससे बड़े कई भूकंपों को पैदा किया है, लेकिन 1839 के बाद से 7 तीव्रता के भूकंप का अनुभव नहीं हुआ था।

भारत आकर बस गई विदेशी लड़की!

नौकरी छोड़ी, घर बेचा

नई दिल्ली। एक तरफ भारतीय बेहतर जिंदगी की तलाश में अपने देश को छोड़कर विदेश चले जा रहे हैं और दूसरी तरफ विदेशी लोगों को भारत इतना पसंद आ रहा है कि वो यहां निरंतर घूमने आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर व्लॉग बना रहे हैं। आम लोगों से बातें करते नजर आ रहे हैं और यहां की परंपराओं और मान्यताओं में ढल जा रहे हैं। एक विदेशी लड़की ने तो अपनी नौकरी, घर और देश छोड़ दिया और भारत में आकर बस गई। अब 10 महीने रहने के बाद उसने बताया कि उसका निर्णय सही था या गलत! इंस्टाग्राम यूजर एस्ट्रिड एसमेराल्डा डेनमार्क की रहने वाली हैं और एक सोलो ट्रैवलर हैं। वो कोपनहेगन में रहती थीं। 10 महीने पहले वो सब कुछ छोड़छाड़कर भारत चली आईं और वहां पर रहने लगीं। उन्होंने इंस्टाग्राम वीडियोज के जरिए भारत में अपनी अब तक की यात्रा को दिखाया। वो ऋषिकेश से मुंबई और गोवा तक घूम चुकी हैं।

10 महीनों से भारत में है लड़की : हाल ही में उन्होंने एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें उन्होंने बताया कि भारत में बिताए 10 महीने उनके लिए कैसे रहे। उन्होंने लिखा- 'भारत में 10वां महीना बीत रहा है और मैं कह सकती हूं कि ये मेरी जिंदगी का सबसे बेहतरीन निर्णय रहा। मुझे बदलाव चाहिए था। मेरे लिए कोपनहेगन में कुछ नहीं बचा था। मैं अपनी नौकरी से प्यार करती थी, घर से प्यार करती थी, दोस्तों से प्यार करती थी, जिन्हें मैं मिस करती हूं।

गुड-फ्राइडे पर क्रूस की दुःखमयी यात्रा का सजीव मंचन

मसीह क्रूस उठा के चला, जमी रो उठी, आसमा रो उठा

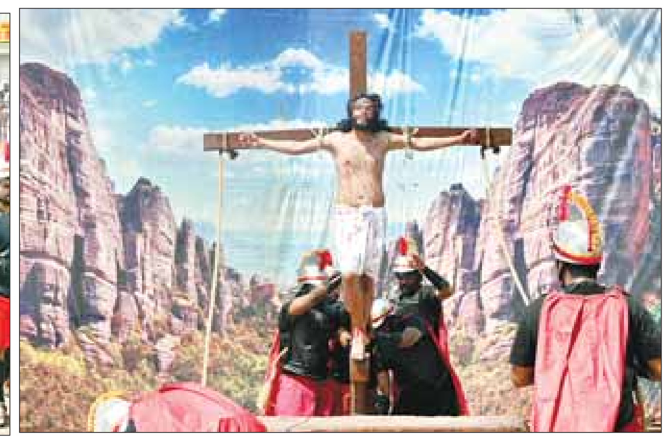

जबलपुर। लड़खड़ाते कदम... लहूलुहान बदन... सिर पर काँटों का ताज एवं भारी क्रूस के बोझ को लेकर चलते प्रभु येसु को देखकर शहर की मुख्य सड़कों पर चल रहे राहगीर थम गये। कौतूहलवश वे इस दर्दनाक एवं दुःखमयी यात्रा के दृश्यों को देखकर आंसू बहा रहे थे। अवसर था गुड-फ्राइडे (पुण्य शुक्रवार) के पावन अवसर पर बालक येसु के तीर्थ स्थल, होली ट्रिनिटी चर्च द्वारा निकाली जा रही क्रूस की दुःखमयी यात्रा का। जिसमें नगर के विभिन्न चर्चों के ख्रीस्तीय कलाकार प्रभु येसु के दुःखभोग के दृश्यों को सजीव मंचन कर रहे थे। ऐसा प्रतीत हो रहा था जैसे दो हजार वर्षों पूर्व येरुशलेम की सड़कों पर मुक्तिदाता येसु मसीह को क्रूस देकर जो यातनायें दी गईं थी, वो हम आँखों के सामने सजीव हो उठीं। संस्कारधानी के संपूर्ण ख्रीस्तीय समाज के साथ-साथ अन्य धर्मावलंबी भाई-बहिनों की आँखें भी येसु को क्रूस लिये देखकर नम हो गईं। इस क्रूस यात्रा के दौरान दर्द भरे धार्मिक गीतों- ''प्यारे येसु अब तो गुनाहों से तौबा'', ''जो क्रूस पे कुर्बान है वो मेरा मसीह है'', ''जमी रो उठी आसमाँ रो उठा हमारा मसीह क्रूस उठा के चला'', ''काँटें हो रहा पर कभी चलते ही जायें हम''... गाते हुये अश्रुपूर्ण नेत्रों से विश्वासियों की सहभागिता देखने को मिली।

इस क्रूस की दुखमयी यात्रा में गेतसेमनी बाग में येसु द्वारा प्रार्थना के दृश्य से लेकर महल में पेशी, येसु को रोमी राज्यपाल पिलातुस द्वारा प्राणदंड की सजा, कांधों पर क्रूस लाद कर कलवारी पहाड़ के मार्ग पर लड़खड़ाते हुये चलते येसु राह में धर्मी स्त्री वेरोनिका एवं येरुशलेम की स्त्रियों से मिलते हैं, जहाँ स्त्रियाँ येसु को प्राण पीड़ा में देखकर रोती-बिलखती हैं। सृष्टिकर्ता की माता मरियम, येसु को देखकर भाव विहिल होकर इन्हें गले से लगाती हैं तथा मुक्तिदाता को क्रूस पथ पर चलने के लिये हौंसला देती है। लहुलूहान पैरों में कंपन होते हैं और येसु मसीह डगमगा कर तीन बार भारी क्रूस के बोझ में दब कर गिरते हैं। कलवारी पहाड़ में अधमरे होकर पहुंचे येसु को क्रूर सैनिकों द्वारा निर्वस्त्र किया जाता है, वस्त्रहीन होने से उनके घाव खुल जाते हैं तथा रक्त-धारा बहने लगती है। सैनिकों द्वारा उन्हें क्रूस पर ठोंक कर क्रूस खड़ा कर देते हैं। जहाँ सात वाणी बोलते-बोलते येसु अपने प्राणों का उत्सर्ग कर देते हैं। इसके पश्चात उन्हें (येसु) कब्र में रखने के दृश्य का मंचन भी किया गया।

पल्ली महासचिव संजय मैथ्यूस ने जानकारी दी कि वर्ष 1997 से प्रारंभ क्रूस की दुःखमयी यात्रा के मंचन का यह 28वाँ वर्ष है।

इस दौरान पूर्व धर्माध्यक्ष जेराल्ड अलमेडा, पल्ली पुरोहित फादर वालटर खालको ने अपने संदेश में कहा कि हमें प्रभु येशु के गुणों को अपनाना है।

प्रतिवर्ष गुड फ्रायडे पर पल्लियों सहित विभिन्न पल्लियों के विश्वासी कलाकारों द्वारा क्रूस की दुःखमयी यात्रा का सजीव मंचन किया जाता है। इस क्रूस यात्रा में 5 हजार लोगों की उपस्थिति रहती है। क्रूस की दुःखमयी यात्रा में 50 से भी अधिक कलाकारों ने अपने सजीव अभिनय द्वारा लोगों को आकर्षित किया।

श्रीपरशुराम जन्मोत्सव शोभायात्रा की बैठक में तय हुए कार्यक्रम

जबलपुर। प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी 29 अप्रैल को सभी के आराध्य देव भगवान श्री परशुराम जी के जन्मोत्सव की पूर्व संध्या पर आयोजित की जाने वाली, प्रसिद्ध विशेष विशाल दिव्य एवं भव्य भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव शोभायात्रा जबलपुर की समस्त ब्राह्मण समाज के संयुक्त तत्वावधान में, ब्राह्मण एकता मंच के बैनर तले, शहर के मालवीय चौक से सायं 4 बजे निकाली जानी है उक्त संबंध में हो रही लगातार क्षेत्रीय बैठकों की श्रृंखला में अधारताल के क्षेत्रीय विप्र परिवारों सहित शहर के विभिन्न क्षेत्रों से, बड़ी संख्या में आये विप्र बन्धु मात शक्ति ने अपने अपने विचारों से कार्यक्रम को सफल बनाने सुझाव, सहयोग एवं अन्य विप्र परिवारों की सहभागिता का संकल्प लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पंडित डॉ विजय कान्त तिवारी ने की, उक्त बैठक का संचालन पंडित विनोद शर्मा द्वारा किया गया। बैठक भगवान श्री परशुराम जी की पूजा अर्चना करने के बाद की गई। इस अवसर पर शोभायात्रा के इतिहास और पूर्व अनुभव, वर्तमान स्वरूप योजना का विस्तार पूर्वक विवरण पंडित कपिल दुबे द्वारा दिया गया। इस अवसर पर, विभिन्न विप्र परिवारों सहित अखिल भारतीय ब्राह्मण एकीकृत परिषद के पुरुष व महिला पदाधिकारी बड़ी संख्या में शामिल रहे। इस अवसर पर महिला प्रकोष्ठ से श्रीमती सोनल तिवारी ने विप्र परिवारों की एकजुटता एवं शोभायात्रा के लिए अपने सुझाव दिए, साथ ही समस्त पदाधिकारियों ने अपने अपने स्तर पर सहयोग का आश्वासन दिया।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 311 ने कराया परीक्षण

जबलपुर। भारतीय जनता पार्टी चिकित्सा प्रकोष्ठ एवं मुक्ति चिकित्सा के संयुक्त तत्वावधान में विशाल निःशुल्क चिकित्सा एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन ज्ञान विद्या पब्लिक स्कूल गणेश नगर, कछपुरा में आयोजित किया गया। स्वास्थ्य शिविर में प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. अश्वनी कुमार त्रिवेदी, जिला संयोजक डॉ. विवेक, मनोज सेठ, राघवेंद्र यादव, एड. दीपक श्रीवास्तव, रोशन पटेल, बृजेश दत्त अरजरिया, नवीन विल्सन, दिनेश सिंह का विशेष योगदान रहा।

हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. हर्ष रेड्डी, स्त्री रोग विशेषज्ञ स्नेहा मितवानी, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. अंकित जैन, जनरल फिजिशियन डॉ. श्रीकांत साहू, डॉ. ऋषि उपाध्याय, डॉ. सचिन बोदलिया, डॉ. सचिन बुधौलिया, डॉ. वीरेंद्र साहू, लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. अभिनित जैन, सेंटर फॉर इये सेइट का विशेष योगदान रहा। स्वास्थ्य शिविर में 311 निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर निःशुल्क दवा वितरण की गई।

क्रिकेट का बुखार कर्मचारियों पर भी सवार

जबलपुर। PPEL लीग 2025 पूर्व निर्धारित कार्यक्रम अनुसार JNKVV ग्राउंड पर सुबह की पहली किरण के साथ पहले मैच की शुरुआत हुई। NDVSU से संतोष शर्मा कप्तान रहे। डॉ. एसएस तोमर, डॉ. अविनाश श्रीवास्तव, डॉ. राजेंद्र कुर्मी, डॉ. मनोज वैश्य, डॉ. संजय गुप्ता की उपस्थिति में डॉ. एसएस तोमर रजिस्ट्रार NDVSU द्वारा टॉस कराया गया। टॉस मंडला की टीम ने जीतकर पहले बॉलिंग करने का निर्णय लिया। ओपनिंग अभिलाष ने की, जिन्होंने अपनी टीम के लिए 19 रन जोड़े। नॉन स्ट्राइकिंग एंड पर सरोज ने अपनी टीम के लिए 11 रन जोड़े। अच्छी रणनीति का इस्तेमाल करते हुए मंडला की टीम ने NDVSU टीम को 47 रनों पर ही बांधकर रखा। NDVSU टीम ने 47 रन पर 7 विकेट के नुकसान पर अपना स्कोर पूरा किया। शुरुआती दौर में लोगों का अनुमान यह रहा कि मंडला की टीम आसानी से यह मैच जीत जाएगी, परन्तु डॉ. राम किंकर मिश्रा ने फुर्ती और बुद्धि का उपयोग कर मंडला के जमे हुए खिलाड़ियों को रन आउट कर दिया और जहां से जैसे की लोग कहते हैं कि क्रिकेट बाय चांस मैच ने करवट बदलना शुरू किया। NDVSU ने अपना मनोबल बनाए रखा, मंडला ने भी संघर्ष पूर्ण मुकाबला किया और अंतिम दौर में कुशल रणनीति के कारण NDVSU टीम ने मंडला टीम को 37 रनों पर ही रोक दिया एवं विजय प्राप्त की। इस अवसर पर सचिन शर्मा, विनय मेहरा, सोमनाथ सोनी, सुहेल अनवर खान, अर्पित खत्री, रामेंद्र कुशवाहा, दिव्यांश अग्निहोत्री, नवीन चंदेल, रन बहादुर थापा, जाकिर खान, विपिन बर्मन आदि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री को दिया पवई महायज्ञ में आने का निमंत्रण

जबलपुर। पाटन तहसील के पवई धाम में 1 से 7 में तक श्री शिव समाराधन महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन में शामिल होने के लिए बुधवार को नगर प्रवास पर आए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को समिति द्वारा यज्ञ में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर स्वामी महेन्द्रानंद महाराज जी की आज्ञा से यज्ञ प्रभारी बलराम सिंह यादव ने मुख्यमंत्री को आमंत्रण दिया। मुख्य मंत्री ने आमंत्रण स्वीकार कर आने का आश्वासन दिया।

आलोक बाजपेयी बने कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष

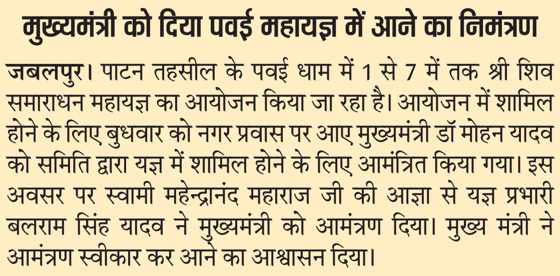

जबलपुर। तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास अधिकारी कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष के रूप में आलोक बाजपेयी की नियुक्ति की गई। यह नियुक्ति संघ के कार्यकारी प्रांताध्यक्ष संतोष तिवारी द्वारा की गई। इस अवसर पर शासकीय जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज, जबलपुर में एक स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता योगेंद्र दूबे विशेष रूप से उपस्थित रहे। अन्य प्रमुख अतिथियों में खो-खो संघ मध्यप्रदेश के सचिव संजय यादव, तकनीकी शिक्षा के संभागाध्यक्ष श्री शैलेष पुंवटकर, सह सचिव राजकुमार मेहरा, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष रविकांत दहायत, एवं इंजीनियरिंग कॉलेज विभागीय समिति के अध्यक्ष विजय यादव सहित समिति के अन्य सदस्यगण हबीब ख़ान, ओ. पी. दीवान, अशोक बेलिया, बी. एम. पोर्ते एवं मनोज गुप्ता उपस्थित रहे।

अतिक्ष मिश्रा ने अंतरराष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता में प्राप्त किया चौथा स्थान

जबलपुर। पुणे, वाघोली स्थित संस्कृति स्कूल के कक्षा 4 के होनहार छात्र अतिक्ष मिश्रा ने रंगोत्सव इंटरनेशनल कलरिंग एंड ड्रॉइंग कॉम्पिटिशन में चौथा स्थान हासिल कर अपने विद्यालय, शिक्षकों, माता-पिता और देश का नाम रोशन किया है।यह प्रतियोगिता हर वर्ष Rangotsav Celebrations द्वारा आयोजित की जाती है, जिसमें हज़ारों बच्चे भाग लेते हैं। अतिक्ष ने इससे पहले राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीतकर भारत का प्रतिनिधित्व करने का गौरव प्राप्त किया था। इस अद्भुत उपलब्धि के पीछे अतिक्ष की मेहनत और लगन तो है ही, साथ ही उनकी ड्राइंग टीचर हिमानी मैम का भी विशेष योगदान रहा है। उनके मार्गदर्शन और प्रोत्साहन के लिए हम तहे दिल से धन्यवाद करते हैं।

रादुविवि में इंटरामुरल खेलों का समापन

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग में चल रहे इंटरामुरल खेलों का समापन 17 अप्रैल गुरुवार को अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा विभाग एवं डीएसडब्ल्यू प्रोफेसर विवेक मिश्रा, फाइनेंस कंट्रोलर नगर निगम रोहित कौशल, पूर्व संचालक शारीरिक शिक्षा विभाग प्रोफेसर आर.के. यादव के आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन मार्च पास्ट, स्किपिंग रोप एवं एरोबिक्स के प्रदर्शन के बाद संपन्न हुआ, इस प्रतियोगिता का आयोजन 06 फरवरी 2025 से प्रारंभ होकर 17 अप्रैल 2025 तक विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया और उनके खेल के प्रदर्शन के आधार पर 6 हाउस जो बनाए गए थे उनमें सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले हाउस को ओवरऑल चैंपियनशिप दी गई, बी.पी. एस,बी.पी.एड. एवं एम.पी. एड. के छात्रों को 6 दालों में बांटा गया जिसमें भगत ब्रिगेड, नेताजी वॉरियर्स रानी दुर्गावती डिफेंडर, शिवराम रेंजर, वीर शिवाजी और आजाद एडवेंचर हाउस बनाए गए थे, इन सभी हाउस ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शिवराम रेंजर ओवरऑल चैंपियन हुआ। पुरस्कार वितरण के दौरान शारीरिक शिक्षण विभाग के पूर्व छात्र एवं छात्राओं की उपस्थिति सहित रिटायर्ड अधिकारी, वर्तमान अधिकारी जो कि खेल एवं युवा कल्याण विभाग, मध्य प्रदेश पुलिस, भारतीय रेल, स्पोर्ट्स अथारिटी ऑफ इंडिया, केंद्रीय विद्यालय संगठन, मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग में क्रीड़ा अधिकारी, विभिन्न स्कूलों एवं कॉलेजों में शिक्षक, व्यापारियों की उपस्थिति सराहनीय रही। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन संचालक शारीरिक शिक्षा विभाग प्रोफेसर विशाल बने के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ क्रीड़ा अधिकारी डॉ. सुनील दत्त लखेरा द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में शारीरिक शिक्षण विभाग के शिक्षक डॉक्टर पी. चटर्जी, डॉक्टर के. के. राठौर, प्रवीण पांडे, सुशील शर्मा, हेमंत शर्मा, प्राची यादव एवं महिपाल सिंह जाट इन सभी का विशेष योगदान रहा।

नवांकुर संस्थाओं ने किया जल संरचनाओं में श्रमदान

जबलपुर। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकास खण्ड शहपुरा नवांकुर संस्था नौजवान एकता संगठन द्वारा जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए जल संरचनाओं में श्रमदान, स्वच्छता एवं अन्य विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस दौरान नवांकुर संस्था ने मां नर्मदा तट गौबच्छा घाट (बिलखरवा) में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत श्रमदान कर स्वच्छता अभियान एवं जल संरक्षण चौपाल का आयोजन किया गया। जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्थाओं, मेंटर्स, सामुदायिक नेतृत्व पाठ्यक्रम के छात्रों, प्रस्फुटन समितियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा 30 मार्च से सतत रूप से जा रहा है। उक्त सभी कार्यक्रम स्थानीय जन समुदाय के सक्रिय सहभागिता से आयोजित किए जा रहे हैं। साथ ही आग्रह किया गया कि पानी बचाने के इस अभियान को जन जन तक पहुंचाने में सहयोग करें।स्वच्छता कार्यक्रम में जिला समन्वयक प्रदीप तिवारी, विकास खण्ड समन्वयक शहपुरा मति सोनिया सिंह,परामर्शदाता अभिनेष कटेहा, नवांकुर संस्था नौजवान एकता संगठन तिलक सिंह, ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के प्रतिनिधि, सामुदायिक नेतृत्व पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राओं ने घाट की स्वच्छता में सहभागी हुए एवं स्थानीय जनों के साथ जल संरक्षण पर संवाद किया। कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

"पीएम सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना" में उपभोक्ताओं को मिलेगा अनुदान

जबलपुर। भारत सरकार के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा घरों की छत पर सोलर पैनल लगाकर अपनी बिजली बनाने हेतु "पीएम सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना" चलाई जा रही है, जिसका क्रियान्वयन मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा अपने कार्य क्षेत्रान्तर्गत किया जा रहा है। इस योजना के तहत सोलर रूफटॉप लगवाने हेतु उपभोक्ता नेशनल पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं अथवा मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के एप के माध्यम से भी आवेदन कर सकते हैं। पीएम सूर्य घर योजना के तहत सोलर पैनल लगवाने पर घरेलु उपभोक्ताओं को भारत सरकार द्वारा सब्सिडी (अनुदान राशि) प्रदान की जा रही है। 1 KW पर 30000 रु. की, 2 KW पर 60000 रुपये की एवं 3KW व 3 KW से अधिक के सोलर रूफटॉप कनेक्शन पर 78000 रु. की सब्सिडी सरकार द्वारा सीधे आवेदनकर्ता के बैंक खाते में प्रदान की जा रही है। पूर्व क्षेत्र कम्पनी के अंतर्गत पिछले वर्ष 2023-24 में कुल 82.86 MW क्षमता का सोलर संयंत्र स्थापना की गयी थी, वर्ष 2024-25 में माह मार्च तक पूर्व क्षेत्र कम्पनी के अंतर्गत कुल 129.48 MW क्षमता का रूफटॉप स्थापना का कार्य पूर्ण किया गया, जिससे सोलर रूफटॉप क्षमता में कुल 46.62 MW क्षमता की वृद्धि हुई, कंपनी अंतर्गत वर्ष 2024-25 में माह 31-मार्च तक 14212 निम्न दाब उपभोक्ताओं एवं 240 उच्च दाब उपभोक्ताओं द्वारा सोलर रूफटॉप संयंत्र स्थापना की गयी। रूफटॉप सोलर प्लांट स्थापना का कार्य पूर्ण होने पर ऊर्जा मंत्रालय द्वारा दी जाने वाली निर्धारित अनुदान राशि सीधे आवेदनकर्ता के बैंक खाते में स्थानांतरित होगी। निर्धारित वेंडर्स द्वारा लगाए जाने वाले सोलर पैनल एवं अन्य उपकरण मंत्रालय के मानक एवं विनिर्देशों के अनुसार होंगे तथा इसमें वेंडर्स द्वारा रूफटॉप सोलर प्लांट का 5 साल का रखरखाव भी शामिल है। सोलर रूफटॉप संयंत्र की स्थापना कर उपभोक्ता प्रति माह प्रति किलो वाट 120 यूनिट का उत्पादन कर 70% तक की बिजली की बचत कर सकता है। उ

संयुक्त जयंती महोत्सव समिति ने मनाई महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती

जबलपुर। डॉ. भीमराव आम्बेडकर संयुक्त जयंती महोत्सव समिति जबलपुर द्वारा हाईकोर्ट चौक पर डॉ. भीमराव आम्बेडकर की 134वीं जयंती एवं सामाजिक क्रांति के अग्रदूत तथा स्त्री शिक्षा के जनक महात्मा ज्योतिबा फुले की 198वीं जयंती हर्षोल्लास से ओजस्वी वक्ताओं की उपस्थिति में मनाई गई। कार्यक्रम के शुभारंभ में भिक्षुणी वंदना नागपुर के द्वारा विश्वगुरु तथागत गौतम बुद्ध के छायाचित्र के समक्ष मोमबत्ती एवं अगरबत्ती प्रज्वलित कर पुष्पांजलि अर्पित की गई। मुख्य अतिथि डॉ. प्रीति नाईक महु इंदौर, विशिष्ट अतिथि एड. स्मिता काम्बले, कार्यक्रम अध्यक्ष छाया धाबर्डे ने विश्व रत्न डॉ. बाबा साहेब आम्बेडकर के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम संयोजक सविता लोखंडे ने शिक्षा के जनक महात्मा ज्योतिबा फुले के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित किए। कार्यक्रम में भिक्षुणी वंदना एवं उपासक, उपासिकाओं ने विश्वगुरु गौतम बुद्ध एवं डॉ. आम्बेडकर और महात्मा ज्योतिबा फुले की वंदना की। इस अवसर पर बौद्ध समाज की उपासिकाओं को डॉ. आम्बेडकर एवं बुद्ध धम्म का कार्य करने पर मुख्य अतिथि प्रीति नाईक ने सम्मान पत्र एवं डॉ. आम्बेडकर की शील्ड देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि ने दसवीं, बारहवीं में 75% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले तथा जेईई नीट आईआईटी, सीए में चयनित छात्र-छात्राओं को सम्मान पत्र व शील्ड देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर छाया धावर्डे, मनीष पुनवटकर, सुनीता पाटिल, सुनीता शेण्डे, पारमी बौद्ध, कृपा खरे, मनीष कोल्हेकर, नंदिता गजभिये, स्मिता बौद्ध, वंदना रामटेके, नंदनी गौरे, मीना खापर्डे, अनीता जनबंधु, कविता सहारे, स्मिता ओहल एवं समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

कांग्रेस आज करेगी खमरिया थाने का घेराव

जबलपुर। थाना खमरिया क्षेत्र में बढ़ते अपराध और अव्यवस्था के खिलाफ कांग्रेस आज, 19 अप्रैल को शाम 4 बजे खमरिया थाने का घेराव करेगी। इस घेराव का नेतृत्व नगर कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा, ग्रामीण कांग्रेस के डॉ. निलेश जैन, वरिष्ठ नेता सम्मति सैनी और राजेश पटेल करेंगे। बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक शामिल होने वाले हैं।

नाम परिवर्तन

मैं PANDEY POOJA VINOD KUMAR पति SHANT MURTI UPADHYAYA, निवासी 39/1, HOUSING SOCIETY, NEAR JALPARI, NAYA GAON, BHATAULI, JABALPUR, MADHYA PRADESH-482008 कथन करती हूं कि मेरे पासपोर्ट नंबर T7150670 में मेरा नाम PANDEY POOJA VINOD KUMAR लिखा है जो कि शादी के पहले का है जिसे शादी के बाद मैंने बदलकर POOJA PANDEY UPADHYAYA कर लिया है। अत: मुझे POOJA PANDEY UPADHYAYA पति SHANT MURTI UPADHYAYA नाम से जाना व लिखा जावे।

पूर्व नाम-PANDEY POOJA VINOD KUMAR पति SHANT MURTI UPADHYAYA
परिवर्तित नाम-POOJA PANDEY UPADHYAYA पति SHANT MURTI UPADHYAYA

नाम परिवर्तन

मैं PANDEY PAWAN पिता VINOD KUMAR PANDEY निवासी E-205, DATT TOWNSHIP , TILHARI, JABALPUR - 482020 कथन करता हूं कि मेरे पासपोर्ट नंबर K1113702 में मेरा नाम PANDEY PAWAN VINODKUMAR लिखा है जिसे मैंने बदलकर PAWAN PANDEY कर लिया है। अत: मुझे PAWAN PANDEY पिता VINOD KUMAR PANDEY नाम से जाना व लिखा जावे।

पूर्व नाम-PANDEY PAWAN VINOD KUMAR पिता VINOD KUMAR PANDEY
परिवर्तित नाम-PAWAN PANDEY पिता VINOD KUMAR PANDEY

नाम परिवर्तन

मैं PANDEY RASMANI पति VINOD KUMAR PANDEY निवासी E-205, DATT TOWNSHIP, TILHARI, JABALPUR-482020 कथन करती हूं कि मेरे पासपोर्ट नंबर K1113674 में मेरा नाम PANDEY RASMANI VINODKUMAR लिखा है जिसे मैंने बदलकर RASMANI PANDEY कर लिया है। अत: मुझे RASMANI PANDEY पति VINOD KUMAR PANDEY नाम से जाना व लिखा जावे।

पूर्व नाम-PANDEY RASMANI VINOD KUMAR पति VINOD KUMAR PANDEY
परिवर्तित नाम-RASMANI PANDEY पति VINOD KUMAR PANDEY

बस्तर जिले के केशलूर से सुकमा जिले में 170 किमी राज्यमार्ग बना हुआ था। उसके बाद वर्ष 1982 में 200 वर्ग किलोमीटर कांगेर घाटी उद्यान स्थापित किया गया, इसमें से 6.01 किमी सड़क कांगेरघाटी उद्यान में रहा, जिसके चलते यह सड़क का चौड़ीकरण या मरम्मत प्रतिबंधित किया गया। यह सड़क कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान के माध्यम से गुजरती है और इसके चौड़ीकरण से गुफाओं और वन्यजीवों को नुकसान हो सकता है। यही कारण से सड़क चौड़ीकरण का कार्य अस्थायी रूप से रूका गया है। उसके बाद भी लगभग 36 वर्ष पूर्व केन्द्र सरकार ने इसी 170 किमी को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित किया, जो वर्तमान राष्ट्रीय राजमार्ग-30 है।

राष्ट्रीय राजमार्ग 30 के प्रतिबंधित क्षेत्र का 6.01 किमी का नहीं हो रहा चौड़ीकरण

महेन्द्र विश्वकर्मा ▶▶| जगदलपुर

बस्तर जिले को सुकमा जिले से जोड़ने वाली सड़क लगभग 36 साल पहले राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 30 घोषित किए गए थे, लेकिन प्रतिबंधित होने के चलते 6.01 किलोमीटर की सड़क राज्य मार्ग बनी हुई है। लगभग 170 राष्ट्रीय राजमार्ग में से 6.01 किलोमीटर की सड़क कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान के नक्शे में होने के चलते यह सड़क ढाई मीटर चौड़ा है, जिसका चौड़ीकरण नहीं हो पा रहा है। जबकि यह सड़क आंध्रप्रदेश, तेलंगाना राज्यों को जोड़ती हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग होने के बावजूद राज्य मार्ग के रूप में उपयोग की जा रही है। बस्तर से सुकमा जिले छिंदगढ़ तक नेशनल हाइवे की हालत बद से बदतर हो चुकी है।

नक्शे में नहीं होने के चलते 4 दशक से चौड़ी नहीं हो सकी एनएच

टेंडर प्रक्रिया में : लोक निर्माण विभाग राष्ट्रीय राजमार्ग उप संभाग सुकमा के एसडीओ दिलीप बारला ने इस संबंध में बताया कि नेशनल हाईवे-30 का 34 किमी जर्जर सड़क के रिनीवल का कार्य टेंडर प्रक्रीया में है। लेकिन इसमें 6.01 किमी सड़क नहीं है।

खुद पर आंसू बहा रहा एनएच

बस्तर जिले के दरभा झीरम घाटी नेशनल हाईवे-30 पर 11 वर्ष पूर्व हुए देश के सबसे बड़े नक्सली हमलों में से एक झीरम घाटी हमले में 31 लोगों की शहादत हो गई, इसके चलते यह सड़क याद दिलाकर खुद पर आंसू बहा रहा है। यह सड़क कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान के माध्यम से गुजरती है और इसके चौड़ीकरण से गुफाओं और वन्यजीवों को नुकसान हो सकता है। यही कारण से सड़क चौड़ीकरण का कार्य अस्थायी रूप से रूका गया है।

सड़क में बड़े-बड़े गड्ढे हो चुके हैं

दरभा के बाद झीरम घाटी से लेकर तोंगपाल, छिंदगढ़ पाकेला तक सड़क में बड़े-बड़े गड्ढे हो चुके हैं। छिंदगढ़ ब्लॉक तक बीच मे पड़ने वाली तोंगपाल, छिंदगढ़, पाकेला, में भी पूरे रास्ते भर में बड़े-बड़े गड्ढे के बीच एनएच खो चुका है। नेशनल हाईवे की दशा इतनी बुरी हो चुकी है कि सुकमा से जगदलपुर की दूरी तय करने में लगभग 4 से 5 घंटे का समय लग रहा है। इसके अलावा तोंगपाल से सुकमा तक 50 किलोमीटर की सड़क को पार करने में लोगों को 2 से ढाई घंटे का समय लग रहा है।

मध्य प्रदेश में पतंजलि की कृषि क्रान्ति का शंखनाद

किसानों के हितार्थ फसल विविधीकरण, प्रशिक्षण केंद्र, बीज इकाइयां, प्राथमिक प्रसंस्करण इकाइयां, शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाएँ होंगी शामिल : आचार्य जी

रीवा। जिला मऊगंज की बंजर और ऊसर भूमि अब किसानों की उपज के लिए व उनकी समृद्धि का द्वारा खोलेगी और विकसित विंध्य का एक नया अध्याय जोड़ेगी। इस कार्य के लिए मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला और विभाग के अन्य अधिकारियों ने मऊगंज स्थित उक्त भूमि की रजिस्ट्री की कॉपी का स्थानांतरण पतंजलि योगपीठ के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण के माध्यम से पतंजलि योगपीठ को किया। इसके पश्चात आचार्यजी ने मऊगंज के डीएम संजय कुमार जैन के साथ स्थानीय भूमि का निरीक्षण कर भावी योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर आचार्य जी ने कहा कि स्वामी जी के नेतृत्व में पतंजलि योगपीठ ने किसानों की समृद्धि के लिए जो स्वप्न देखा था, उसको साकार करने में पतंजलि का सेवा प्रकल्प शीघ्र ही साकार होगा।

आचार्य जी ने कहा कि जब हम अपने राष्ट्रभाव व कर्तव्य को सामाजिकता के साथ जोड़कर लोकहित व लोक कल्याण के साथ कोई संकल्प लेते हैं तो निश्चित ही बहुत बड़ा कार्य किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि पतंजलि ने विंध्य क्षेत्र के लिए औद्योगिक नीति और निवेश प्रोत्साहन के तहत राज्य में किसानों की समृद्धि बढ़ाने, रोजगार के अवसर पैदा करने और क्षेत्र में विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक व्यापक और समग्र योजना विकसित की है। इस योजना के अन्तर्गत मध्य प्रदेश के रीवा क्षेत्र, मऊगंज जिले के ग्राम घुरेहटा में औद्योगिक नीति और निवेश प्रोत्साहन के अंतर्गत पतंजलि की औद्योगिक पार्क विकसित करने की योजना है। इस योजना का उद्देश्य न केवल आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करना है, बल्कि स्थानीय समुदायों के बीच जागरूकता और कौशल विकास को भी बढ़ावा देना है, जिससे एक समृद्ध और आत्मनिर्भर कृषि क्षेत्र का निर्माण हो सके।

आचार्य जी ने बताया कि यह अभिनव पहल राज्य में कृषि आधारित मॉडल स्थापित करेगी, जिसमें फसल विविधीकरण, प्रशिक्षण केंद्र, बीज इकाइयां, प्राथमिक प्रसंस्करण इकाइयां शामिल रहेंगी, ताकि किसानों को बेहतर संसाधनों और तकनीकी सहायता प्रदान की जा सके। साथ ही स्थानीय निवासियों को पतंजलि की शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ भी मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि पतंजलि पहले से ही राज्य में फसल विविधीकरण की दिशा में प्रयास कर रहा है, जिससे स्थानीय कृषि की उत्पादकता बढ़ेगी और किसानों की आजीविका में सुधार होगा।

आचार्य जी ने कहा कि इस परियोजना के सफल कार्यान्वयन से किसानों की आय में एक महत्वपूर्ण वृद्धि होने की संभावना है, जो उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाने में मदद करेगी, साथ ही, इस प्रक्रिया के माध्यम से कीटनाशकों, रासायनिक उर्वरकों और अत्यधिक पानी के उपयोग पर उनकी निर्भरता कम हो जाएगी, जिससे उनकी उत्पादन लागत में कमी आएगी और वे अधिक स्थायी कृषि प्रणालियों को अपनाने में सक्षम होंगे। इस योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से प्रदेश में कृषि क्षेत्र की समृद्धि, कृषि प्रशिक्षण के माध्यम से किसानों की कौशल वृद्धि, रोजगार सृजन, सामाजिक विकास और पर्यटन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। इस अवसर पर आरओ एमपीआईडीसी लिमिटेड, रीवा के कार्यकारी निदेशक यू.के. तिवारी, महाप्रबंधक नवेंदु शुक्ला तथा एक्सीक्यूटिव इंजीनियर के.के. गर्ग आदि उपस्थित रहे।

परीक्षाओं में कम उपस्थिति को देखते हुए साय कैबिनेट का फैसला, कई और अहम मुद्दों पर निर्णय

पीएससी-व्यापम समेत प्रतियोगी परीक्षाओं में जो उपस्थित होंगे, उनकी फीस होगी वापस

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में गुरुवार को मंत्रालय महानदी भवन में हुई कैबिनेट की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए है। परीक्षा की तैयारी कर रहे युवाओं के हित में निर्णय लिया गया कि छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग, छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल एवं विशेष कनिष्ठ कर्मचारी चयन बोर्ड, सरगुजा, बस्तर,बिलासपुर, द्वारा आयोजित परीक्षाओं में छत्तीसगढ़ के स्थानीय निवासी अभ्यर्थी जो परीक्षा अथवा साक्षात्कार में उपस्थित होंगे उन्हें उनके द्वारा दी गई परीक्षा शुल्क की राशि वापस की जाएगी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

कैबिनेट का मानना है कि इससे सिरियस केन्डीडेट की परीक्षा में उपस्थिति का प्रतिशत बढ़ेगा, वहीं नॉन सिरियस केन्डीडेट और इनइलिजिबल केन्डीडेट परीक्षा फॉर्म नहीं भरेंगे और इनके कारण राज्य शासन को होने वाली आर्थिक क्षति भी कम होगी।

कैबिनेट की बैठक में राज्य के छोटे व्यापारियों के हित में एक बड़ा फैसला लेते हुए छत्तीसगढ़ बकाया कर, ब्याज एवं शास्ति के निपटान (संशोधन) अध्यादेश-2025 के प्रारूप में निहित संशोधन का अनुमोदन किया गया। जिसके अनुसार राज्य सरकार छोटे व्यापारियों को प्रोत्साहित करेगी और 10 साल से अधिक पुराने लंबित मामलों में 25 हजार रूपए तक की वैट देनदरियों को माफ करेगी। इससे 40 हजार से अधिक व्यापारियों को लाभ होगा।

छोटे व्यापारियों की देनदारी होगी माफ

राज्य के कारखानों से खरीदी जाएगी शक्कर

मंत्रिपरिषद ने राज्य में सहकारिता को प्रोत्साहन दिये जाने के उद्देश्य से सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत शक्कर वितरण हेतु अप्रैल 2025 से मार्च 2026 तक आवश्यक शक्कर का क्रय राज्य के सहकारी शक्कर कारखानों से करने का निर्णय लिया है।

एनआईएफटी का नया कैंपस नवा रायपुर में

कैबिनेट की बैठक में नवा रायपुर, छत्तीसगढ़ में एनआईएफटी के कैम्पस को मंजूरी प्रदान की गई। राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान का नया कैम्पस छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर में स्थापित किया जाएगा। कपड़ा मंत्रालय, भारत सरकार के अनुसार इस परियोजना की कुल संभावित लागत करीब 271.18 करोड़ रुपये होगी। इसमें भूमि खरीदने के लिए 21.18 करोड़, भवन निर्माण के लिए 200 करोड़ और मशीनरी, फर्नीचर आदि के लिए 50 करोड़ रुपये का व्यय शामिल है।

बायो सीएनजी सयंत्रों के लिए रियायती जमीन

मंत्रिपरिषद ने राज्य के नगरीय निकायों में जैव अपशिष्ट सह कृषि अपशिष्ट के प्रसंस्करण हेतु स्थापित किये जा रहे बायो-सीएनजी संयंत्रों हेतु रियायती लीज दरों पर शासकीय भूमि आबंटन किये जाने की सहमति प्रदान करते हुए आगे की कार्यवाही के लिए नगरीय प्रशासन विभाग एवं संबंधित नगर निगमों को अधिकृत किया है।

प्रदेश के युवाओं को मिलेंगे अवसर

एनआईएफटी की स्थापना से फैशन शिक्षा के क्षेत्र में प्रदेश के युवाओं को नए अवसर मिलेंगे और फैशन उद्योग को तकनीकी रूप से प्रशिक्षित मानव संसाधन भी उपलब्ध हो सकेंगे। राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईएफटी) भारत में फैशन शिक्षा का एक प्रमुख संस्थान है, जिसकी स्थापना 1986 में कपड़ा मंत्रालय, भारत सरकार के तहत हुई थी। एन.आई.एफ.टी. के पूरे भारत में 17 परिसर हैं, जिनमें दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और बेंगलुरु शामिल हैं। यह संस्थान फैशन डिजाइन, प्रबंधन और प्रौद्योगिकी में स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रम प्रदान करता है। संस्थान फैशन डिजाइन, टेक्सटाइल डिजाइन, फैशन प्रबंधन और फैशन प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखता है।

हैवी अर्थ मूविंग इक्विपमेंट संयंत्र को 100 एकड़ जमीन

छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य को औद्योगिक और आर्थिक विकास के नए शिखर पर ले जाने की दिशा में आज एक और महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में महानदी मंत्रालय भवन में आयोजित कैबिनेट की बैठक में भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड (बीईएमएल) को राज्य में हैवी अर्थ मूविंग इक्वीपमेंट मैन्यूफैक्चरिंग संयंत्र की स्थापना की सैद्धांतिक मंजूरी दी गई। इस संयंत्र के लिए बिलासपुर, चांपा के समीप नेशनल हाईवे से लगी 100 एकड़ भूमि को टोकन दर पर आबंटित करने का निर्णय लिया गया है, जिसका उद्देश्य स्थानीय रोजगार सृजन और सूक्ष्म-लघु उद्योगों को प्रोत्साहन देना है। छत्तीसगढ़ सरकार की नई औद्योगिक नीति 2024-30, जो एक नवंबर 2024 से लागू हुई, सरकार ने राज्य को निवेशकों के लिए अनुकूल बना दिया है। इस नीति का मूल मंत्र न्यूनतम शासन, अधिकतम प्रोत्साहन है, जिसके तहत उद्योगों को स्थापित करने की प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाया गया है।

स्कोडा ने लॉन्च की एसयूवी कोडिएक

जबलपुर। स्कोडा ऑटो इंडिया ने काइलैक रेंज के सफल लॉन्च के बाद अब अपनी लग्जरी 4x4 एसयूवी कोडिएक की नई जनरेशन लॉन्च करने की घोषणा की है। यह कोडिएक की दूसरी जनरेशन है, जो भारत और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में पेश की जा रही है। भारत में यह कार लग्जरी लुक, बेहतर आराम, ऑफ-रोड चलने की ताकत, शानदार रोड परफॉर्मेंस और सात सीटों की सुविधा के साथ आ रही है।पेट्र जैनेबा, ब्रांड डायरेक्टर, स्कोडा ऑटो इंडिया ने कहा, ''मार्च में, काइलैक की लॉन्चिंग और कुशाक व स्लाविया के सपोर्ट से हमने भारत में अपनी सबसे बड़ी मासिक बिक्री हासिल की। यह इस साल हमारे कई नए रिकॉर्ड्स में से एक है।

गजब मुसीबत... बीबीए-बीसीए तकनीकी शिक्षा के अधीन, कॉलेज चुकाएंगे दोहरा संबद्धता शुल्क

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

विद्यार्थियों की कमी से जूझ रहे महाविद्यालयों के सामने एक और मुसीबत आ पड़ी है। बीसीए और बीबीए को भी अब तकनीकी शिक्षा के अधीन कर दिया गया है। इस कारण कॉलेजों को विवि के साथ-साथ एआईसीटीई अर्थात ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजूकेशन को भी संबद्धता शुल्क देना पड़ रहा है। अब तक महाविद्यालय अपने शैक्षणिक संस्थान में संचालित होने वाले पाठ्यक्रम के लिए मात्र विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त करते थे। इसके लिए विश्वविद्यालय को प्रतिवर्ष संबद्धता शुल्क प्रदान की जाती रही है। पूर्व में केवल एमबीए अर्थात मास्टर इन बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन और एमसीए अर्थात मास्टर इन कंप्यूटर एप्लीकेशन ही तकनीकी शिक्षा के अधीन था। अब इन दोनों पाठ्यक्रमों के स्नातक कोर्स अर्थात बीबीए और एमबीए को भी तकनीकी शिक्षा में शामिल कर दिया गया है। तकनीकी शिक्षा के अंतर्गत आने वाले पाठ्यक्रम के लिए अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद से भी संबद्धता प्रदान करना अनिवार्य होता है। संबद्धता के लिए तय मापदंड पूर्ण करने के साथ ही शुल्क का भी भुगतान करना होता है।

राशिफल

मेष — मानसिक शान्ति रहेगी, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। वस्त्रों पर खर्च बढ़ेंगे। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

वृष — परिवार का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। किसी मित्र के सहयोग से आय में वृद्धि हो सकती है। यात्रा पर जाना हो सकता है।

मिथुन — आत्मविश्वास से लबरेज रहेगें। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। कार्यभार में वृद्धि होगी। वाहन सुख में वृद्धि भी हो सकती है। व्यर्थ की चिंता बढ़ सकती हैं।

कर्क — क्रोध के अतिरेक से बचें। शैक्षिक कार्यों कार्यों में सफलता मिलेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा। संयत रहें।

सिंह — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। मन प्रसन्न भी रहेगा, परन्तु सन्तान के स्वास्थ्य से मन परेशान भी हो सकता है। किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं।

कन्या — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। स्वास्थ्य का ध्यान भी रखें। भागदौड़ अधिक रहेगी। खर्चों की अधिकता रहेगी।

तुला — किसी मित्र के सहयोग से कारोबार में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार पर ध्यान रखें। कारोबारी कार्यों में कठिनाइयां आ सकती है।

धनु — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। संयत रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यर्थ की परेशानी बढ़ सकती हैं।

मकर — क्रोध के अतिरेक से बचें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। शैक्षिक कार्यों में मनचाही सफलता मिलेगी।

कुंभ — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। मानसिक शान्ति के लिए प्रयास करें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

मीन — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। पठन-पाठन में रुचि रहेगी, परन्तु शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों की

छत्तीसगढ़ ने जारी किया नियम में संशोधन

छत्तीसगढ़ -ओडिशा के मध्य बसों के लिए खोले गए 170 नए रास्ते

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

छत्तीसगढ़ और पड़ोसी राज्य ओडिशा के बीच 170 नए मार्गों पर दोनों तरफ से यात्री बसें चलाने की तैयारी है। इस संबंध में छत्तीसगढ़ सरकार ने रूट तय कर दावा आपत्ति मंगाई है। यही प्रक्रिया ओडिशा सरकार द्वारा भी अपनाई जाएगी। दोनों राज्यों के बीच सहमति बनने के बाद इंटर स्टेट यात्री बसों का संचालन होगा। हालांकि इससे पहले अब तक छत्तीसगढ़ की बसों के लिए ओडिशा में चलना बेहद कठिन है। बस ऑपरेटर इस विवाद को लेकर भारी नाराजगी में हैं। छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच अंतरराज्यीय परिवहन के लिए एक पारस्परिक समझौता पूर्व में किया गया है। अब छत्तीसगढ़ सरकार और ओडिशा सरकार को अनेक आवेदन नए मार्ग खोलने के लिए मिले हैं।

ये है संशोधन एक राज्य से परमिट रखने वाले व्यक्ति को निवास के परिवर्तन या व्यवसाय के प्रमुख स्थान के आधार पर पारस्परिक राज्य से परमिट प्राप्त करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। स्थायी अनुज्ञा पत्र के अंतरण की अनुमति केवल परिवार के सदस्यों के मध्य होने पर ही दी जाएगी। छत्तीसगढ़ सरकार एवं उड़ीसा सरकार द्वारा स्वीकृत अनुज्ञा पत्रों एवं प्रतिहस्ताक्षर किये गये अनुज्ञा पत्रों की सूची को दोनों राज्य साझा करेंगे।

बस संचालकों में नाराजगी, कही ये बात

छत्तीसगढ़ से ओडिशा की ओर बस संचालन करने वाले आपरेटरों में मौजूदा व्यवस्था को लेकर नाराजगी है, क्योंकि उनके वाहनों को ओडिशा में चलने नहीं दिया जा रहा है। इस संबंध में छत्तीसगढ़ यातायात महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष अनवर अली का कहना है कि ओडिशा एवं छत्तीसगढ़ राज्य के बीच जो फेरों की संख्या बढ़ाई जा रही है, उससे सिर्फ फायदा ओडिशा के बस ऑपरेटरों को होना है, क्योंकि ओडिशा राज्य के बस ऑपरेटर और परिवहन विभाग सिर्फ उड़ीसा वालों का सपोर्ट करता है, छत्तीसगढ़ राज्य की ना पहले गाड़ियां चलने दी है ना अभी चलने दे रहा है। अपने कोटे के परमिट तो ले ही लेते हैं छत्तीसगढ़ के कोटे के परमिट भी उड़ीसा वाले ले लेते हैं और यहां के परिवहन विभाग अधिकारी उनको दे भी देते हैं।

हरिभूमि की एजेंसी एवं प्रतियों के लिये संपर्क करें
मों. 9340637789

शब्द पहेली - 5841

बाएँ से दाए
1. असभ्यता, मूर्खता-4
3. निर्भय, बहादुर-3
5. प्याला-2
6. सहारा, शरण-3
7. मां का भाई-2
9. साठ वर्ष की अवधि-3
11. परतंत्रता, गुलामी-5
14. दानव, दैत्य-3
16. लूटपाट-4
17. वाद्य यंत्र-2
18. परछाई, छाया-2
19. आदत, स्वभाव(उर्दू-4)
23. जंगल, वन-3
24. सेंधमार-5
27. गजल लिखने वाला-3
28. मोटा आटा, सूजी-2
30. गुलिस्तां, बाग-3
31. एक ग्रह, शनिश्चर-2
32. दबाना, कुचलना-3
33. रोब वाला, ठसके वाला-4

ऊपर से नीचे
1. मंत्रों का पाठ-2
2. उद्देश्यहीन-4
3. अनूठा, अनोखा-3
4. लक्ष्मी, कमला-2
5. खीजना, रोना-4
6. एक पौधा, अकुवा, आकड़ा-2
8. दक्ष, होशियार-3
10. जमीकंद, एक सब्जी-3
12. धैर्य, संयम-3
13. अस्थमा-2
15. एक गायिका-3
17. वर्षा ऋतु-3
18. महोदय-3
20. पैंदा, तला-2
21. पुत्र, बेटा-3
22. अवमानना-4
23. नास्तिक (उर्दू-3)
25. करामात-4
26. प्रतिज्ञा-3
27. ठाठ-बाट-2
29. अदालत में प्रस्तुत दावा-2
31. तीर, बाण-2

शब्द पहेली - 5840 का हल

सूडोकू नवताल - 5851

★★★★☆ कठिन

					1	4		
						5	8	
			7	2				
			2				6	7
4								3
5	8				9			
				8	5			
	7	6						
		9	3					

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

MANGAL SENACHA BANGALORE

सूडोकू नवताल - 5850 का हल

7	8	9	2	3	1	6	5	4
3	2	4	6	5	9	7	8	1
6	5	1	8	4	7	2	9	3
5	1	7	3	9	8	4	6	2
4	6	8	5	1	2	9	3	7
9	3	2	4	7	6	8	1	5
1	4	6	9	2	3	5	7	8
2	9	3	7	8	5	1	4	6
8	7	5	1	6	4	3	2	9

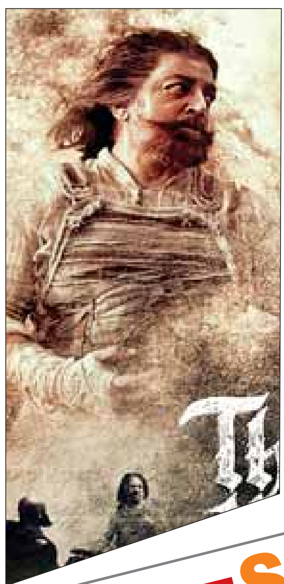

'ठग लाइफ' का जारी हुआ पहला गाना

मुंबई। कमल हासन की फिल्म 'ठग लाइफ' रिलीज होने वाली है। शुक्रवार को चेन्नई में इस फिल्म की पहली प्रेस मीट हुई। प्रेस मीट में अभिनेता कमल हासन, निर्देशक मणिरत्नम और म्यूजिक डायरेक्टर एआर रहमान पहुंचे। शुक्रवार को फिल्म का पहला गाना 'जिंगुचा' लॉन्च किया गया। 'ठग लाइफ' पांच जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने को तैयार है। यह गैंग्स्टर एक्शन ड्रामा फिल्म है। फिल्म का निर्देशन मणिरत्नम कर रहे हैं। इस फिल्म को कमल हासन और मणिरत्नम ने मिलकर लिखा है। कमल हासन की राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल, मणिरत्नम की मद्रास टॉकीज, आर महेंद्रन और शिवा अनंत निर्मित 'ठग लाइफ' में कई बेहतरीन कलाकार भी शामिल हैं।

लाइफ Style

वाणी

'रेड 2' से संभलेगी लड़खड़ाते कॅरियर की गाड़ी

बॉलीवुड में वाणी कपूर के कॅरियर को 12 साल हो चुके हैं। अब तक इस एक्ट्रेस के खाते में चुनिंदा फिल्में ही हैं। साथ ही चंद फिल्मों में से कुछ ही बॉक्स ऑफिस पर सफल रहीं। जल्द ही वाणी, अजय देवगन की फिल्म 'रेड 2' में दिखेंगी। जानिए, 'रेड 2' से पहले वाणी की फिल्मों का बॉक्स ऑफिस पर क्या हाल रहा है? यशराज फिल्म्स की फिल्म 'शुद्ध देसी रोमांस(2013)' से वाणी कपूर ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की।

एजेंसी ⏭ मुंबई

मनीष शर्मा निर्देशित इस फिल्म में वाणी के अलावा सुशांत सिंह राजपूत और परिणीति चोपड़ा ने भी अभिनय किया। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 46.60 करोड़ रुपए कमाए और इसका बजट 22 करोड़ रुपये बताया जाता है। ऐसे में बॉक्स ऑफिस पर 'शुद्ध देसी रोमांस'को हिट माना गया है। वाणी ने 2016 में दूसरी हिंदी फिल्म 'बेफ्रिके' भी यशराज बैनर तले ही की। इसमें वह रणवीर सिंह के साथ रोमांस करती नजर आईं। इस फिल्म को आदित्य चोपड़ा ने डायरेक्ट किया था। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 60.24 करोड़ रुपये का बिजनेस किया। इस फिल्म को एवरेज ही माना गया।

ऋतिक रोशन और टाइगर श्रॉफ के एक्शन से सजी फिल्म 'वॉर(2019)' में वाणी कपूर भी नजर आईं। इस फिल्म में वह ऋतिक रोशन के किरदार कबीर की गर्लफ्रेंड के रोल में दिखीं। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 318 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया, जबकि इसका बजट 170 करोड़ रुपये बताया गया है। इस तरह वाणी को ऋतिक की वजह से अपने कॅरियर में एक बड़ी हिट फिल्म मिली। इस फिल्म को सिद्धार्थ आनंद ने निर्देशित किया था। साल 2021 में आयुष्मान खुराना के साथ वाणी कपूर ने एक फिल्म 'चंड़ीगढ़ करे आशिकी' की। इस फिल्म को अभिषेक कपूर ने निर्देशित किया था।

हॉलीवुड मसाला

टायलर पैरी हैं दुनिया का सबसे अमीर एक्टर

नई दिल्ली। फोर्ब्स की 2025 की बिलेनियर लिस्ट के मुताबिक, दुनिया के सबसे अमीर एक्टर टायलर पैरी हैं। एक्टर, राइटर, डायरेक्टर और प्रोड्यूसर पैरी की कुल संपत्ति 1.4 बिलियन डॉलर है। अमीरों की इस लिस्ट में पैरी ने जैरी सीनफील्ड (1.1 बिलियन डॉलर), टॉम क्रूज (800 मिलियन डॉलर), शाहरुख खान (770 मिलियन डॉलर) और पूर्व रेसलर व एक्टर ड्वेन जॉनसन (700 मिलियन डॉलर) को पीछे छोड़ दिया है। लेकिन चौंकाने वाली बात है कि पैरी ने अपने फिल्मी कॅरियर में आज तक एक भी ब्लॉकबस्टर फिल्म नहीं दी है। पैरी को मेडिया फ्रेंचाइजी (सीरीज) के लिए जाना जाता, जिसमें वह अपने अहम रोल के लिए मशहूर हैं। इस सीरीज ने दुनियाभर में 660 मिलियन डॉलर से ज्यादा की कमाई की थी।

'द फैंटास्टिक फोर-फर्स्ट स्टेप' का ट्रेलर रिलीज

लॉस एंजिल्स। हाल ही में हॉलीवुड की फिल्म 'द फैंटास्टिक फोर-फर्स्ट स्टेप'का ट्रेलर रिलीज हुआ। इसके टीजर ने जहां दर्शकों में फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ा दी थी, वहीं अब ट्रेलर ने हंगामा ही कर दिया है। सुपरहीरो वाली फिल्में पसंद करने वाले दर्शक इसके ट्रेलर को देखकर खुश हैं। सोशल मीडिया पर ट्रेलर को अच्छा रेस्पॉन्स भी मिला है। सुपरहीरो वाली फिल्मों को पसंद करने वाला एक बड़ा दर्शक वर्ग दुनिया ही नहीं भारत में भी मौजूद है। स्पाइड मैन, सुपरमैन, आयरन मैन जैसे सुपरहीरो पर कई हॉलीवुड फिल्में बनी हैं। इनके अलावा चार अलग-अलग सुपरहीरो को एक साथ लाकर एक फिल्म 'द फैंटास्टिक फोर' भी दर्शकों को देखने को मिली। इसी सीरीज की एक फिल्म 'द फैंटास्टिक फोर-फर्स्ट स्टेप'जल्द रिलीज होगी। यह फिल्म दुनिया भर में 25 जुलाई 2025 को रिलीज होगी। फिल्म 'द फैंटास्टिक फोर-फर्स्ट स्टेप' का ट्रेलर रिलीज हुए चंद ही घंटे गुजरे हैं। इस फिल्म के ट्रेलर को दर्शकों ने काफी पसंद किया है।

राधिका आप्टे ने शेयर किया अपनी फिल्म का पोस्टर

मुंबई। राधिका आप्टे ने अपने सोशल मिडिया पर अपनी फिल्म का एक पोस्टर शेयर किया है, जिसमें उनके अंदाज ने लोगों को चौंका दिया है। इस पोस्टर में अभिनेत्री हाथ में झाड़ू और कमर साड़ी बांधे हुई नजर आ रही हैं। अभिनेत्री राधिका आप्टे ने अपने इंस्ट्राग्राम पर एक स्टोरी लगाई है, जिसमें उन्होंने अपनी फिल्म 'सिस्टर मिडनाइट' का एक पोस्टर शेयर किया है। एक्ट्रेस ने जिस पोस्टर को शेयर किया है, उस पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, 'सिस्टर मिडनाइट के यूएस टैक्सी ड्राइवर से प्रेरित आधिकारिक पोस्टर की पहली झलक।' इसके अलावा लिखा कि फिल्म का निर्देशन और लेखन का काम करण कंधारी द्वारा किया गया है। साथ ही कैप्शन में लिखा कि यह फिल्म 16 मई को पहले न्यूयॉर्क में फिर 23 मई को लॉस एंजिलस में और उसके बाद बाकी शहरों में रिलीज की जाएगी।

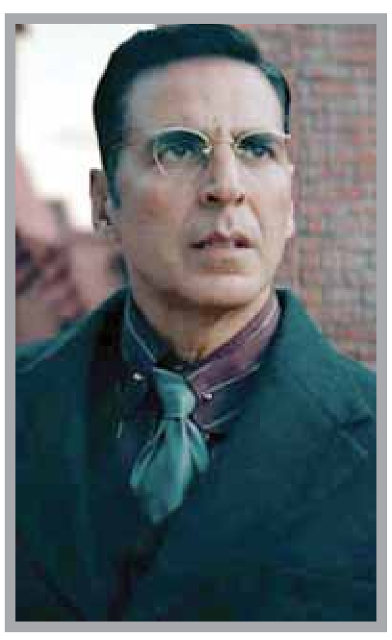

'केसरी चैप्टर 2' ने जीता फैंस का दिल

मुंबई। अक्षय कुमार की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'केसरी चैप्टर 2: द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ जलियांवाला बाग' 18 अप्रैल 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। यह फिल्म 1919 के जलियांवाला बाग नरसंहार की अनकही कहानी को पर्दे पर लाती है। जहां पहली 'केसरी' फिल्म सारागढ़ी की जंग पर आधारित थी। वहीं, दूसरा चैप्टर कोर्ट रूम ड्रामा है। फिल्म में वकील सी शंकरन नायर की ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ कानूनी लड़ाई को दिखाया गया है, जो इस दुखद घटना की सच्चाई को दुनिया के सामने लाने की कोशिश करते हैं। रघु पलट और पुष्पा पलट की किताब 'द केस दैट शुक द एम्पायर' पर आधारित यह फिल्म दर्शकों के बीच खूब चर्चा बटोर रही है। रिलीज के साथ ही 'केसरी चैप्टर 2' को दर्शकों से जबरदस्त प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं।

टीवी मसाला

रूही की गायब होने से मची हलचल, अरमान का फूटा गुस्सा!

नई दिल्ली। 'ये रिश्ता क्या कहलाता है'के लेटेस्ट एपिसोड की शुरुआत होती है उस पल से जब अभिरा को एहसास होता है कि रूही लापता है। उसकी चिंता बढ़ती है और जैसे ही अरमान को पता चलता है, वो रूही पर गुस्सा हो जाता है कि उसने बिना बताए होटल चेकआउट क्यों किया. अभिरा, रूही के मेंटल हालात को लेकर बेचैन हो जाती है। दूसरी ओर, कीयारा अभीर के बारे में सोचती रहती है। वो उलझन में है- क्या अभीर ने उसे देखा था या नहीं? उसे डर है कि कहीं वो उसे खो न दे. जब मनीषा पूछती है कि वो अभीर के साथ खुश है या नहीं, तो कीयारा झूठ बोल देती है कि अभीर उससे बहुत प्यार करता है। तभी चारु मिलने का मैसेज भेजती है, और मनीषा को खुशी होती है कि दोनों बहनों के बीच बातचीत फिर से शुरू हो रही है। रूही अचानक पोद्दार हाउस लौट आती है, जिससे सब चौंक जाते हैं।विद्या अरमान और अभिरा से पूछती है कि वे साथ क्यों नहीं आए. दोनों झूठ बोलते हैं कि वे दक्ष को लेने गए थे और रूही अकेले लौटी. विद्या उनके छुट्टी की बातें करती है, और सब कुछ दिखावे में बदल जाता है। विद्या अरमान से कहती है कि वो रोहित के चश्मे पहने. अरमान ये सब विद्या को खुश करने के लिए करता है। इस दौरान, रूही खुद को पूरी तरह अनफिट महसूस करती है- उसे समझ नहीं आता कि उसके आस-पास क्या हो रहा है। अभिरा रूही से पूछती है कि वो इतनी परेशान क्यों है।

डांस करते हुए पराग की यादों में टूटी ख्याति, अनुपमा को आया खास कॉल

नई दिल्ली। 'अनुपमा'के लेटेस्ट की शुरुआत इमोश्नल मोड़ के साथ होती है जहां अनुपमा राघव के सामने अपने दर्द को नहीं छुपा पाती. वो इशानी की चिंता में डूबी होती है। राघव उसकी हालत देखकर भावुक हो जाता है और मदद करने की सोचता है। वो इशानी की सेफटी के लिए जिम्मेदारी उठाते हुए, दवाओं के सपलायर को खोजने की पहल करता है। इस बीच अनुपमा को मुख्यमंत्री के पीए का कॉल आता है, जिसमें महिलाओं के एक ग्रुप को डांस सिखाने के लिए कहता है। अनुपमा इस अवसर को एक नई शुरुआत के रूप में देखती है और हां कर देती है। ये उसके आत्मबल को बढ़ाने की दिशा में एक अहम कदम साबित हो सकता है। आर्यन पराग को नाश्ता परोसता है, जिसे देखकर राही और प्रेम हैरान रह जाते हैं। माही कोठारी परिवार से मिलने पहुंचती है, और उसकी प्रेजेंस आर्यन को अटरैक्ट करती है। जब माही नाश्ता परोसती है, वसुंधरा उसे 'बाहरी' कहकर रोक देती है। माही पलटकर कहती है कि वो अब प्रेम की भाभी है, सिर्फ मेहमान नहीं। पाखी इशानी को लेकर परेशान है, पर लीला उसे अनुपमा पर छोड़ने की सलाह देती है।

फिल्म मेरा नाम जोकर को री एडिट करना चाहते थे मनोज

नई दिल्ली। मनोज कुमार, जिन्हें देशभक्ति की फिल्मों करने के कारण भारत कुमार के नाम से जाना जाता था, शोमैन राज कपूर के बहुत अच्छे दोस्त थे। हाल ही में एक इंटरव्यू में, मनोज के बेटे कुणाल गोस्वामी ने राज कपूर की फिल्म मेरा नाम जोकर को याद किया, जिसने उन्हें दिवालिया होने की कगार पर ला दिया था। कुणाल ने बताया कि मनोज ने राज कपूर को प्रस्ताव दिया था कि वह फिल्म के दूसरे भाग को एडिट करेंगे।

मेरा नाम जोकर का रनटाइम 4 घंटे से अधिक था और फिल्म को दो इंटरवल के साथ रिलीज किया गया था। मनोज ने फिल्म में एक छोटी भूमिका भी निभाई थी। कुणाल ने कहा कि यह फिल्म मनोज कुमार के दिल के उतनी ही करीब थी जितनी राज कपूर के लिए थी। राज कपूर ने ही फिल्म को शुरू से आखिर तक डायरेक्ट किया, लेकिन एडिट के बारे में दोनों सितारों के बीच बातचीत हुई। उन्होंने कहा, 'राज साहब और पिताजी के बीच कुछ बातचीत हुई थी। पिताजी ने उनसे कहा था कि आप मुझे फिल्म के दूसरे हिस्से को एडिट करने की अनुमति दें ताकि हम फिल्म का शेप बदल सकें। लेकिन, मुझे नहीं पता कि ऐसा हुआ या नहीं।

मनोज ने की थी राज कपूर की तारीफ

एक पुराने इंटरव्यू में, मनोज ने खुलासा किया कि उन्होंने मेरा नाम जोकर में अपने किरदार के लिए कुछ लाइन्स लिखी थीं। उन्होंने कहा, 'इस तीन-कहानी वाली फिल्म की पहली कहानी पर मैंने फिर से काम किया, लेकिन मैंने इसे नाम, शोहरत या पैसे के लिए नहीं किय। मैंने अपनी यात्रा और होटल में ठहरने का खर्च उठाया और लेखक के तौर पर श्रेय लेने से इनकार कर दिया। मेरा नाम जोकर कर्मयोगी राज कपूर को मेरी श्रद्धांजलि थी। उर्दू में 'आवारा' का मतलब 'खुशबू' होता है और आज भी राज कपूर की 'खुशबू' हमारी इंद्रियों को भर देती है।'

इन फिल्मों में दिखी इंटरनेट और सोशल मीडिया के फैले जाल की कहानी

नई दिल्ली। वर्तमान दौर इंटरनेट और सोशल मीडिया का है। बॉलीवुड में भी सोशल मीडिया और इंटरनेट के बढ़ते वर्चस्व और इससे होने वाले खतरों को दिखाया गया है। इरफान खान के बेटे बाबिल खान की हालिया रिलीज फिल्म 'लॉगआउट'में एक बार फिर सोशल मीडिया और इंटरनेट के वर्चस्व को दिखाया गया है। लेकिन, लॉगआउट से पहले भी कई ऐसी फिल्में और सीरीज आ चुकी हैं, जिनमें इंटरनेट और सोशल मीडिया की दुनिया को दिखाया गया है।

सीटीआरएल

पिछले साल आई अनन्या पांडे की फिल्म 'सीटीआरएल' या कंट्रोल में भी सोशल मीडिया और इंटरनेट की दुनिया को ही दिखाया गया है। सीटीआरएल की कहानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई पर आधारित है। कैसे दो सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर का पहले ब्रेकअप होता है और फिर उनकी जिंदगी में एआई आ जाता है, जो उनकी पूरी जिंदगी बदलकर रख देता है।

लवयापा

इसी साल फरवरी में आई आमिर खान के बेटे जुनैद खान और श्रीदेवी की बेटी खुशी कपूर की रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म 'लवयापा'भी एआई और डीपफेक पर एक करारा प्रहार है। इसमें दिखाया गया है कि कैसे आजकल के दौर में सोशल मीडिया युवाओं के लिए कितना जरूरी हो गया है और वो अपने फोन के बिना नहीं रह सकते हैं। साथ ही डीपफेक पर भी फिल्म में तगड़ा कटाक्ष है।

लॉगआउट

दिग्गज अभिनेता इरफान खान के बेटे बाबिल खान की हालिया रिलीज फिल्म 'लॉगआउट' आज की जेनेरेशन के फोन में घुसे रहने और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर बनने की एक कहानी है। फिल्म में बाबिल एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर बने हैं। जिसके 10 मिलियन फॉलोअर होने वाले हैं। ये होने पर उसे एक बड़ा ब्रांड मिल सकता है लेकिन इसका एक कंपीटीटर है जो इसी रेस में है। फिर अचानक उसके साथ कुछ ऐसा हो जाता है कि उसकी जिंदगी बदल जाती है। उसका सब कुछ दांव पर लग जाता है।

रामायण में मंथरा के नाम से प्रसिद्ध नेगेटिव रोल ऐसा कि दंग रह जाते थे लोग

नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री 700 से भी ज्यादा फिल्मों में काम किया। उनके नाम 70 साल से अधिक के सबसे लंबे अभिनय कॅरियर का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड है। सिनेमा की एक ऐसी अभिनेत्री, जिन्होंने अपने शानदार अभिनय से लाखों दिलों पर राज किया।

ललिता पवार का जन्म

ललिता पवार का जन्म 18 अप्रैल 1916 को महाराष्ट्र के नासिक में हुआ था। उन्होंने अपने कॅरियर में करीब 700 से ज्यादा फिल्मों में काम किया और सात दशकों तक दर्शकों का मनोरंजन किया।

शूटिंग के दौरान हुआ हादसा

ललिता पवार ने नन्हीं उम्र से ही अभिनय शुरू कर दिया था। उनकी पहली फिल्म 1928 में आई थी। शुरू में वह मुख्य अभिनेत्री के रूप में नजर आईं, लेकिन 1942 में एक फिल्म की शूटिंग के दौरान हुए हादसे ने उनकी जिंदगी बदल दी। इस हादसे में उनकी एक आंख खराब हो गई, जिसके बाद उन्हें मुख्य भूमिकाओं के बजाय चरित्र भूमिकाएं मिलने लगीं।

खलनायिका के किरदार में की मिली प्रसिद्धि

ललिता पवार को सबसे ज्यादा पहचान तेज तर्रार सास और नकारात्मक किरदारों से मिली। फिल्मों जैसे अनाड़ी, श्री 420, और दहेज में उनके किरदारों को आज भी याद किया जाता है। उन्हें अपने अभिनय के लिए कई पुरस्कार भी मिले, जिसमें 1959 में अनाड़ी के लिए फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ सह-अभिनेत्री पुरस्कार शामिल है।

लोग करने लगे थे नफरत

ललिता पवार ने रामानंद सागर के टीवी सीरियल 'रामायण' में मंथरा का किरदार निभाया था। उन्होंने यह भूमिका 1988 में प्रसारित हुए रामायण में निभाई थी। इस रोल के लिए उन्हें खूब पहचान मिली। रामानंद सागर की रामायण में मंथरा का किरदार इतना दमदार था, कि लोग उनसे असल जिंदगी में भी नफरत करने लगे थे। आज भी दर्शक उन्हें मंथरा के किरदार से ज्यादा पहचानते हैं।

परिवार

उनकी पहली शादी गणपतराव पवार से हुई थी, जो बाद में टूट गई। बाद में उन्होंने बॉम्बे के अंबिका स्टूडियो के फिल्म निर्माता राजप्रकाश गुप्ता से शादी की। उनके बेटे जय पवार एक निर्माता बन गए और उनके साथ मंजिल जैसी फिल्मों में काम किया।

निधन

ललिता पवार का निधन 24 फरवरी 1998 को पुणे में हुआ, लेकिन उनके किरदारों के जरिए वह आज भी लोगों के दिलों में जिंदा हैं।

जाट की पकड़ बरकरार सिकंदर का खेल खत्म

मुंबई। इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर तीन बड़ी फिल्में प्रदर्शित हो रही हैं। इनमें 'जाट' अपनी मजबूत पकड़ के साथ बाजी मार रही है। इस एक्शन से भरपूर फिल्म ने दर्शकों के बीच अपनी जगह बनाई है और मजबूती से टिकट खिड़की पर टिकी हुई है। दूसरी ओर, अजित कुमार की 'गुड बैड अग्ली' अपने बड़े बजट के हिसाब से उम्मीदों पर खरी नहीं उतर रही है। हालांकि, यह स्थिर कमाई कर रही है। वहीं, सलमान खान की 'सिकंदर' का हाल बेहाल है, जिसकी कमाई अब लगभग ठप हो चुकी है। 'जाट' ने अपनी रिलीज के बाद से ही दर्शकों का ध्यान खींचा है। गुरुवार को फिल्म ने चार करोड़ रुपए का कलेक्शन किया, जिसके साथ इसका कुल कलेक्शन 61.5 करोड़ रुपए हो गया है। फिल्म की कहानी, दमदार एक्शन सीक्वेंस और किरदारों की गहराई ने इसे दर्शकों के बीच लोकप्रिय बनाया है। सलमान खान की 'सिकंदर' बॉक्स ऑफिस पर पूरी तरह से दम तोड़ चुकी है। 19वें दिन फिल्म ने मात्र 15 लाख रुपए का कलेक्शन किया, जिसके साथ इसकी कुल कमाई 109.9 करोड़ रुपए हो गई है। सलमान के स्टारडम को देखते हुए यह प्रदर्शन निराशाजनक है। कमजोर स्क्रिप्ट और दिशाहीन कहानी ने फिल्म को शुरुआत से ही नुकसान पहुंचाया। बॉक्स ऑफिस पर यह इस साल की सबसे बड़ी फ्लॉप फिल्मों में से एक बन चुकी है। 'गुड बैड अग्ली' ने अपने आठवें दिन यानी गुरुवार को पांच करोड़ रुपए का कलेक्शन किया।

17 साल में 258 मैच : 8,252 रन बनाकर किंग बने कोहली, विकेट लेने में बादशाह हैं चहल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग 18 अप्रैल को अपना 18वां जन्मदिन मना रहा है। इस टूर्नामेंट, जिसने क्रिकेट में क्रांति ला दी और खेल के परिदृश्य को हमेशा के लिए बदल दिया। जैसा कि लीग अपने 18वें सीजन में है, विराट कोहली आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। सिर्फ एक फ्रेंचाइजी, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का प्रतिनिधित्व करते हुए कोहली ने 258 मैच में आठ शतक और 58 अर्द्धशतक सहित 8,252 रन बनाए हैं।

लीग की शुरुआत कुछ कम नाटकीय नहीं थी। कोलकाता नाइट राइडर्स के ब्रेंडन मैकुलम ने एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ सिर्फ 73 गेंद पर दस चौकों और तेरह छक्कों की मदद से अविस्मरणीय 158* रन बनाकर धूम मचा दी थी। उस एक पारी ने क्रिकेट के उत्सव के आगमन की घोषणा कर दी थी।

दूसरे नंबर पर हैं धवन

कोहली के ठीक पीछे अनुभवी भारतीय ओपनर शिखर धवन हैं, जिन्होंने 222 मैच में 6,769 रन बनाए हैं। कोहली के विपरीत, धवन ने पांच फ्रेंचाइजियों के लिए खेला है। इसमें मुंबई इंडियंस, डेक्कन चार्जर्स, सनराइजर्स हैदराबाद, दिल्ली कैपिटल्स, और पंजाब किंग्स शामिल है।

रोहित के नाम 6,710 रन

पांच बार आईपीएल जीतने वाले कप्तान रोहित शर्मा 263 मैच में 6,710 रन बनाकर इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं। उन्होंने दो टीमों, डेक्कन चार्जर्स और मुंबई इंडियंस के लिए खेला है और दोनों ही टीमों के साथ ट्रॉफी जीती है, जिससे लीग के सबसे सफल खिलाड़ियों में से एक के रूप में उनकी स्थिति मजबूत हुई है।

चहल के नाम सर्वाधिक विकेट

गेंदबाजी में बात करें तो युजवेंद्र चहल 166 मैच में 211 विकेट लेकर चार्ट में सबसे आगे हैं। उनका आईपीएल सफर मुंबई इंडियंस के साथ शुरू हुआ, लेकिन वह आरसीबी में ही थे जहां उन्होंने सही मायने में तरक्की की। बाद में, उन्होंने राजस्थान रॉयल्स का प्रतिनिधित्व किया। अनुभवी लेग स्पिनर पीयूष चावला 192 मैच में 192 विकेट लेकर दूसरे स्थान पर हैं। सूची में तीसरे स्थान पर केकेआर के दिग्गज सुनील नरेन हैं। 2012 में फ्रेंचाइजी में शामिल होने के बाद से, नरेन बल्ले और गेंद दोनों से खेल को बदलने वाले खिलाड़ी रहे हैं। उन्होंने 2012 में केकेआर की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी, जब उन्होंने 24 विकेट लिए थे और 2014 में, जब उन्होंने 21 विकेट लिए थे।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
दिल्ली	6	5	1	10
गुजरात	6	4	2	8
बेंगलुरु	6	4	2	8
पंजाब	6	4	2	8
लखनऊ	7	4	3	8
कोलकाता	7	3	4	6
मुंबई	7	3	4	6
राजस्थान	7	2	5	4
हैदराबाद	7	2	5	4
चेन्नई	7	2	5	4

ऑरेंज कैप

निकोलस पूरन
357 रन
लखनऊ

पर्पल कैप

नूर अहमद
12 विकेट
चेन्नई

कैपिटल्स 10 अंक से शीर्ष और 8 अंक के साथ दूसरे स्थान पर टाइटंस

बादशाहत पर दिल्ली और गुजरात की नजर, स्टार्क-सिराज में होगी भिड़ंत

दस से ऊपर की इकॉनामी से दस विकेट ले चुके हैं मिचेल स्टार्क

एजेंसी ▶▶| अहमदाबाद

डैथ ओवरों में गेंदबाजी का मिचेल स्टार्क का हुनर और मोहम्मद सिराज की सटीकता का सामना होगा जब शानदार फॉर्म में चल रही दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटंस आईपीएल में श्रेष्ठता के मुकाबले में शनिवार को आमने सामने होंगी। कैपिटल्स छह मैचों में दस अंक लेकर शीर्ष पर है जबकि टाइटंस छह मैचों में आठ अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। राजस्थान रॉयल्स को सुपर ओवर में हराकर दिल्ली के हौसले बुलंद है। दिल्ली ने एक बार फिर दबाव में जीत दर्ज की और उसके शिल्पकार रहे स्टार्क। आस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने तीन सटीक यॉर्कर डालने के अलावा सुपर ओवर भी फेंका। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के बाद चैंपियंस ट्रॉफी नहीं खेलने वाले स्टार्क पूरी तरह से तरोताजा होकर आईपीएल में उतरे हैं। अभी तक दस से ऊपर की इकॉनामी से दस विकेट ले चुके स्टार्क दिल्ली के तेज आक्रमण की अगुवाई कर रहे हैं जिसमें मुकेश कुमार और मोहित शर्मा भी हैं।

गुजरात का शीर्षक्रम मजबूत

गुजरात टाइटंस के शीर्षक्रम में कप्तान शुभमन गिल, साइ सुदर्शन, जोस बटलर शामिल हैं। अब तक इन तीनों ने बल्लेबाजी का दारोमदार संभाल रखा है। गुजरात के मध्यक्रम को किसी कठिन परीक्षा से गुजरना नहीं पड़ा और जब लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ इसकी नौबत आई तो वे नाकाम रहे। दिल्ली अगर गुजरात के शीर्षक्रम को जल्दी रवाना कर देती है तो मध्यक्रम की कमजोरी की कलई फिर खुल जाएगी।

सिराज गेंदों से बरपा रहे कहर

दूसरी ओर बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में औसत प्रदर्शन और चैंपियंस ट्रॉफी विजेता भारतीय टीम से बाहर रहने के बाद सिराज ने ब्रेक में अपनी कमियों पर काफी मेहनत की है और नतीजे सामने हैं। सिराज अभी तक 8.50 की इकॉनामी से दस विकेट ले चुके हैं। खासकर पावरप्ले में उनका प्रदर्शन शानदार रहा। अब उनके सामने खराब फॉर्म में चल रहे दिल्ली के सलामी बल्लेबाज जैक फ्रेसर मैकगुर्क और प्रतिभाशाली अभिषेक पोरेल होंगे। उनके नाकाम रहने पर दिल्ली के लिए रन बनाने का जिम्मा केएल राहुल और करूण नायर पर होगा।

रॉयल्स को जाइंट्स के खिलाफ जीत की जरूरत

जयपुर। प्रदर्शन में निरंतरता के लिए जूझ रही राजस्थान रॉयल्स लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग के मुकाबले में लगातार तीन हार के सिलसिले को तोड़ने के इरादे से उतरेगी। सात मैचों में महज दो जीत के बाद रॉयल्स तालिका में आठवें स्थान पर है। पिछले मैच में उसे दिल्ली कैपिटल्स ने सुपर ओवर में हराया था। रॉयल्स को इस हार को भुलाकर अब ऋषभ पंत की कप्तानी वाली लखनऊ टीम पर जीत के साथ अंकतालिका में अपनी स्थिति बेहतर करनी होगी।

खबर संक्षेप

कठिन विकेटों के अनुकूल ढलना होगा : विटोरी

मुंबई। अपने बल्लेबाजों से कठिन पिचों के अनुरुप शैली में बदलाव का आग्रह करते हुए सनराइजर्स हैदराबाद के कोच डेनियल विटोरी ने कहा कि हर पिच बल्लेबाजों की मददगार नहीं हो सकती और उन्हें अपने खेल में बदलाव करना होगा। मुंबई इंडियंस ने वानखेड़े स्टेडियम पर सनराइजर्स हैदराबाद को चार विकेट से हराया। मुंबई के आफ स्पिनर विल जैक्स ने 14 रन देकर दो विकेट चटकाए। विटोरी ने मैच के बाद कहा, 'मुझे लगता है कि पिच पर किसी का नियंत्रण नहीं है तो यह तकदीर की भी बात है कि हमें ऐसे विकेट मिल रहे हैं जो हमें रास नहीं आ रहे।'

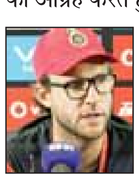

श्रियांका 50 मीटर राइफल 3 पोजिशंस से बाहर

लीमा। पेरिस ओलंपिक खे चुकी श्रियांका साडंगी आईएसएसएफ निशानेबाजी विश्व कप के तीसरे दिन महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस में आठवें स्थान पर रही। वह विश्व कप व्यक्तिगत वर्ग के फाइनल में जगह बनाने में कामयाब रही लेकिन 45 शॉट के फाइनल में स्टैंडिंग पोजिशन दौर के दस शॉट के बाद बाहर हो गई। पेरिस ओलंपिक की रजत पदक विजेता अमेरिका की सागेन मडालिना ने स्वर्ण पदक जीता। पुरुषों के थ्री पोजिशंस फाइनल में भारत का कोई भी निशानेबाज फाइनल में नहीं पहुंच सका।

सीएसके ने ब्रेविस को टीम में शामिल किया

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स ने शुक्रवार को चोटिल तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह की जगह दक्षिण अफ्रीका के ऑलराउंडर डेवाल्ड ब्रेविस को टीम में शामिल करने की घोषणा की। दुनिया के सबसे रोमांचक युवा क्रिकेटरों में से एक ब्रेविस ने 2023 में पदार्पण के बाद दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। ब्रेविस दुनिया भर की फ्रेंचाइजी टूर्नामेंट में खेल चुके हैं जिसमें आईपीएल, सीपीएल, एमएलसी और एसए20 शामिल हैं। वह 2025 एसए20 में 184.17 के स्ट्राइक रेट से 291 रन बनाकर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों में छठे स्थान पर रहे थे।

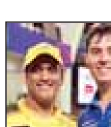

क्रिकेट

सहायक कोच के लिए पहली पसंद नहीं थे अभिषेक नायर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय टीम के सहायक कोच अभिषेक नायर को सहयोगी स्टाफ के एक महत्वपूर्ण सदस्य के साथ अनबन की अटकलों के बीच हटा दिया गया है। उनका कार्यकाल महज आठ महीने में समाप्त हो गया। रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि नायर पर भारतीय टीम के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खराब प्रदर्शन के कारण यह कार्रवाई हुई है।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद हुई बैठक में सहयोगी स्टाफ के एक सदस्य ने अभिषेक नायर की ड्रेसिंग रूम में मौजूदगी पर सवाल खड़े किए थे। समाचार एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, सितांशु कोटक के सहयोगी स्टाफ में शामिल होने के बाद से नायर को बाहर करने की बात चल रही थी। बीसीसीआई से जुड़े सूत्र ने कहा- ऑस्ट्रेलिया दौरे के ठीक बाद बीसीसीआई ने समीक्षा बैठक की। इसमें सचिव देवजीत सैकिया और उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला समेत बोर्ड के शीर्ष अधिकारी मौजूद थे।

साथ ही भारतीय टीम से जुड़े अहम सदस्य और राष्ट्रीय चयनकर्ता भी मौजूद थे। बैठक के दौरान सहयोगी स्टाफ के एक प्रभावशाली सदस्य ने नायर की उपस्थिति को लेकर अपनी आशंकाएं व्यक्त कीं और कहा कि ड्रेसिंग रूम में उनका रहना प्रतिकूल साबित हो रहा है। सूत्र ने आगे कहा, बीसीसीआई ने तत्काल कोई कार्रवाई नहीं की लेकिन उन्होंने सौराष्ट्र के पूर्व रन-संग्रहकर्ता कोटक को शामिल कर लिया। यह चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान नायर को दरकिनार करने का एक तरीका था।

नायर नहीं थे पहली पसंद

इससे एक चीज साफ है कि अभिषेक नायर बतौर सहायक कोच बीसीसीआई की पहली पसंद नहीं थे। उन्हें मुख्य कोच गौतम गंभीर और कप्तान रोहित शर्मा के बीच दूरियां कम करने के लिए नियुक्त किया गया था। हालांकि, अब तक यह नहीं पता चला है कि रोहित शर्मा को नायर और टी दिलीप को हटाने के फैसले की जानकारी दी गई थी या नहीं।

भारत ने एशियाई चैंपियनशिप के लिए भेजा 56 सदस्यीय दल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत ने जोर्डन के अम्मान में आयोजित होने वाली एशियाई अंडर-15 और अंडर-17 मुक्केबाजी चैंपियनशिप के लिए 56 सदस्यीय दल भेजा है।

यह एशियाई मुक्केबाजी द्वारा आयोजित पहली प्रतियोगिता है जिसे एशियाई ओलंपिक परिषद और नवगठित 'वर्ल्ड बॉक्सिंग' दोनों का समर्थन प्राप्त है।

अंडर-17 लड़कों की टीम में साहिल दुहान और देवांश शामिल हैं जिन्होंने 2024 एशियाई जूनियर चैंपियनशिप में क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीते थे। वहीं टीम में चुने गए टीकम सिंह एसजीएफआई 2024 स्वर्ण पदक विजेता हैं। लड़कियों के वर्ग में समीक्षा सिंह, अंशिका और खुशी चंद 2024 एशियाई स्कूल मुक्केबाजी चैंपियनशिप (लड़के और लड़कियों की) में पदक विजेताओं में शामिल थीं। अंडर-15 दल में 2024 में एशियाई स्कूल चैंपियनशिप (लड़कों) के कांस्य पदक विजेता रवि सिहाग के साथ-साथ 2024 की सब-जूनियर राष्ट्रीय बालिका मुक्केबाजी चैंपियन (64-67 किग्रा) तृष्णा मोहिते शामिल हैं।

टीम का चयन विश्व मुक्केबाजी द्वारा गठित अंतरिम समिति द्वारा किया गया जिसकी अध्यक्षता भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के पूर्व अध्यक्ष अजय सिंह ने की। शुरूआती दौर शनिवार को शुरू होंगे।

गुरुग्राम के गोल्फर तपेंद्र ने जीता कैलेंस ओपन

नई दिल्ली। गुरुग्राम के गोल्फर तपेंद्र घई ने कैलेंस ओपन गोल्फ के आखिरी दिन शुक्रवार को यहां इवन-पार 70 के कार्ड खेलकर खिताब अपने नाम किया। इस 29 साल के गोल्फर ने एक करोड़ रुपये वाले इस टूर्नामेंट के तीसरे दौर के बाद चार शॉट की बढ़त बना ली थी। उन्होंने चौथे चरण में पार कार्ड खेलने के बाद कुल 17-अंडर 263 (64-67-62-70) के स्कोर के साथ सप्ताह का समापन किया। उन्होंने कुतुब गोल्फ कोर्स में अंतिम चरण में तीन बर्डी और तीन बोगी लगाई। यह पीजीटीआई पर 2018 के बाद उनका दूसरा खिताब है। इस जीत से घई को 15 लाख रुपए का चेक मिला जिसने उन्हें पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट में 53वें से 15वें स्थान पर पहुंचा दिया। दिल्ली के गोल्फर अर्जुन प्रसाद (67-68-67-62) ने अंतिम दिन सबसे कम आठ अंडर 62 का कार्ड खेला। वह कुल 16 अंडर के स्कोर के साथ 10 स्थान की छलांग लगाकर हनी बैसोया (64-68-65-67) के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं।

खास खबर

वीर और अनहत ने विश्व स्क्वाश के सेमीफाइनल में बनाई जगह

कुआलालंपुर। भारतीय स्क्वाश खिलाड़ी वीर चोटरानी और अनहत सिंह ने शुक्रवार को यहां अलग अलग अंदाज में अपने मुकाबले जीतकर विश्व चैंपियनशिप क्वालीफाइंग टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। दूसरी वरीयता प्राप्त चोटरानी ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए मलेशिया के मोहम्मद सयाफिक कमाल पर 9-11, 11-6, 11-6, 11-7 से जीत दर्ज की। वहीं महिलाओं के क्वार्टर फाइनल में 17 साल की पांचवीं वरीय अनहत ने दबदबे भरा प्रदर्शन करते हुए जापान की अकारी मिडोरिकावा को 11-1, 11-7, 11-5 से मात दी। अब वह शनिवार को होने वाले सेमीफाइनल में आठवीं वरीयता प्राप्त हांगकांग की हेलेन तांग से भिड़ेंगी जिन्होंने भारत की तन्वी खन्ना को शिकस्त दी। तन्वी 5-11, 6-11, 12-10, 9-11 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई। खन्ना ने पिछले मैच में हांगकांग की एन चिंग चेंग को हराया था।

लय में रोहित, जल्द ही खेलेंगे बड़ी पारी

मुंबई। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज मार्क बाउचर का मानना है कि खराब फॉर्म से जूझ रहे मुंबई इंडियंस के अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा आईपीएल में लय में लौट रहे हैं। रोहित इस सत्र में छह मैचों में अर्धशतक नहीं बना सके। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ गुरुवार को 26 रन का स्कोर उनका सर्वोच्च स्कोर है। मुंबई इंडियंस के पूर्व मुख्य कोच बाउचर ने आईपीएल प्रसारकों से कहा, 'हमने इस मैच में रोहित शर्मा की शैली के बड़े छक्के देखे। मुझे उसके तेवर पसंद आए। उसने गेंदबाजों पर दबाव बनाया और रन बनाने के मौके तलाशे। वह जल्दी ही बड़ी पारी खेलेगा।'

पेगुला, गाफ की स्टटगार्टओपन में शानदार जीत

स्टटगार्ट। तीसरी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने मेगडालिनी फ्रेच को 6-1, 6-1 से हराकर पोर्शे ग्रां प्री के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। इस महीने चार्लेसटन ओपन जीतने वाली पेगुला ने पोलैंड की अपनी प्रतिद्वंद्वी को सिर्फ 59 मिनट में हराया। अमेरिका की पेगुला का सामना अब एकातेरिना अलेक्जेंड्रोवा से होगा जिन्होंने छठी वरीयता प्राप्त मिर्रा आंद्रीवा को 6-3, 6-2 से मात दी। चौथी वरीयता प्राप्त कोको गाफ ने एला सीडेल को 6-1, 6-1 से हराया। अब वह पांचवीं वरीयता प्राप्त जैसमीन पाओलिनी से खेलेंगी जिन्होंने जूली नीमीर को 6-1, 7-5 से मात दी।

कार्यालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत बिछिया, जिला-मण्डला (म.प्र.)

क्रमांक/642/ज.पं./सा.वि./2025 **निविदा सूचना** बिछिया दिनांक 17/04/2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि कार्यालय जनपद पंचायत बिछिया जिला मण्डला द्वारा मुख्यमंत्री कन्या विवाह / निकाह योजना अंतर्गत सामुहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 05 मई 2025 को विवाह स्थल ग्राम पंचायत रामनगर में किया जाना है। उक्त कार्यक्रम में निम्नानुसार सामग्री पूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है :- 1. विवाह - खाम्ह, पटा 2 नग कलर पेंट सहित, पिसी हल्दी 250 ग्राम, माचिस 1। 2. कलस दिया, रूई बत्ती, रक्षा सूत्र, पूजा हल्दी, पूजा सुपाड़ी आदि । 3. वर-वधु के श्रृंगार सामग्री, (वस्त्र कुर्ता पैजामा, साफा, पगड़ी, साड़ी, चुनरी, मोर पंख, मुकुट, पेटीकोट, जूता चप्पल (सेंडिल) / जयमाला) इत्यादि।

अत : दिनांक 25/04/2025 को समय 4.00 बजे तक इच्छुक फर्म की निविदाएँ निर्धारित प्रपत्र में सीलबंद लिफाफे में आमंत्रित की जाती है। प्राप्त निविदा ? दिनांक 26/04/2025 को समय दोपहर 2.00 बजें समिति एवं निविदाकार के समक्ष इस कार्यालय में खोली जावेगी । निविदा के साथ अमानत राशि के रूप में राशि रुपएं 2000/- (शब्दों में दो हजार रुपएं मात्र) का CEO JANPAD PANCHYAT BICHHIYA के नाम पद देय होगा। निर्धारित समयावधि एवं दिनांक के पश्चात प्राप्त निविदा पर विचार नही किया जायेगा । निविदा के नियम शर्ते कार्यालयीन समय पर कार्यालय के सूचना पटल पर देखी जा सकती है। प्रत्येक निविदा हेतु पृथक-पृथक फार्म कार्यालय में 200/- रुपएं (शब्दों में दो सौ रुपएं मात्र) जमा कर प्राप्त किया जा सकता है। किसी भी विवाद की स्थिति में क्रय समिति का निर्णय अंतिम व सर्वमान्य होगा । एवं अन्य जानकारियाँ कार्यालय में उपस्थित होकर प्राप्त कर सकते है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जनपद पंचायत बिछिया

कार्यालय नगर पालिका परिषद् धनपुरी जिला शहडोल म.प्र.
(कार्यालय दूरभाष नं. एवं फैक्स नं. 07652 250318 E-mail ID cmodhanpuri@mpurban.gov.in)

क्रमांक/न.पा./लो.नि./2025-26/140 **/ / निविदा सूचना / /** धनपुरी, दिनांक 17.04.2025

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली एवं जेम पोर्टल पर पंजीकृत संविदाकारों ऑनलाईन जेम पोर्टल के माध्यम से निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट GEM Portal पर निम्नानुसार बिड नं. पर देखा जा सकता है ।

क्र.	जैम बिड क्रमांक एवं दिनाँक	कार्य का नाम	लागत	कार्य की समयावधि	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	BID NO: GEM 2025/B/6349065 Dt-17-04-2025	निकाय क्षेत्रान्तर्गत नगर के मुख्य 03 स्थानों पर 30 मीटर ऊँचाई का राष्ट्रीय ध्वज स्थापन का कार्य।	42.23 लाख	01 माह	17/05/2025 तक

नोट :- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन GEM Portal की वेबसाईट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा ।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद् धनपुरी
जिला- शहडोल म.प्र.

कार्यालय वनमंडल अधिकारी, उत्तर सिवनी वनमंडल, सिवनी (म.प्र.)
e-mail: dfotnseoni@mp.gov.in (07692)-220556, Fax-07692-226181

:: निविदा विज्ञप्ति ::

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि वर्ष 2025-26 में उत्तर सिवनी वनमंडल एवं जिला यूनियन मर्या. उत्तर वनमंडल सिवनी के अंतर्गत विभिन्न परिक्षेत्रों में निर्माण कार्यो एवं वानिकी कार्यो हेतु निमार्ताओं / उत्पादकों अथवा उनके अधिकृत विक्रेताओं से भवन निर्माण सामग्री एवं वानिकी कार्य हेतु आवश्यक सामग्री स्थल पर पहुँचाकर प्रदान करने बाबद ई टेण्डर प्रक्रिया के तहत निविदा आयोजित है। इच्छुक निविदाकार ऑनलाईन माध्यम से वेबसाईट के द्वारा निविदा प्रस्तुत कर सकते है। निविदा फार्म केवल ऑनलाईन माध्यम से वेबसाईट https://mptenders.gov.in के द्वारा ही स्वीकार्य किये जावेंगे। निविदा की शर्ते वन विभाग की वेबसाईट https://mpforest.gov.in से भी डाउनलोड की जा सकती है तथा जानकारी कार्यालयीन समय पर दूरभाष क्रमांक 07692-220556 से अथवा कार्यालय में उपस्थित होकर प्राप्त की जा सकती है ।

निविदा से संबंधित तिथियां निम्नानुसार है -

क्र.	विवरण	दिनांक	समय
1	Document Sale Start	16.04.2025	11:00 AM
2	Pre Bid Meeting	21.04.2025	11:30 AM to 01.00 PM
3	Bid Submission Start	21.04.2025	02:00 PM
4	Bid Submission End	30.04.2025	12:00 PM
5	Bid Opening	01.05.2025	12:30 PM

G-11712/25 "स्वच्छता ही सेवा"

वनमंडल अधिकारी
उत्तर सिवनी वनमंडल

पत्नी को नोटिस जारी कर कोर्ट ने पूछा-किस हक से रह रही

13 साल बाद घर जबरन आ धमकी तलाकशुदा पत्नी, पति पहुंचा हाईकोर्ट

मप्र हाईकोर्ट में एक व्यक्ति ने इसलिए याचिका दायर कर गुहार लगाई कि तलाक के 13 साल बाद उसकी पूर्व पत्नी जबरन आकर उसके घर रहने लगी।

हरिभूमि जबलपुर।

पति ने पहले पुलिस की मदद लेने की कोशिश की, लेकिन मदद नहीं मिली तो हाईकोर्ट की शरण ली। जस्टिस विवेक अग्रवाल की सिंगल बेंच ने पूर्व पत्नी को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने पूछा है कि वह किस हक से पूर्व पति के घर में रह रही है? क्योंकि तलाक के बाद पूर्व पति के घर में रहने का हक उसका खत्म हो गया है।

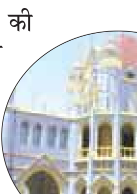

याचिकाकर्ता की ओर से वकील ने कोर्ट को बताया कि 13 साल पहले याचिकाकर्ता का पत्नी से तलाक हो गया था। इसके बाद वह वापस अपने मायके चली गई थी। अचानक 13 साल बाद वह दोबारा याचिकाकर्ता के घर आ धमकी। याचिकाकर्ता ने अपनी तलाकशुदा पत्नी को घर से जाने के लिए बार बार कहा, लेकिन तलाकशुदा पत्नी घर से जाने के लिए तैयार नहीं हुई। जबकि वह अब उसके साथ नहीं रहना चाहता है। तर्क दिया गया कि याचिकाकर्ता ने महिला के साथ कोई दुर्व्यवहार नहीं किया है, लेकिन वह नहीं चाहते कि उसकी पूर्व पत्नी उसके घर में रहे। जबरदस्ती करने पर कानूनी अड़चन आ सकती है। इसलिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई। यह भी बताया गया कि याचिकाकर्ता दोबारा शादी करना चाहता है। लेकिन पूर्व पत्नी के जबरन घर में आ जाने की वजह से उसकी दोबारा शादी होने में समस्या हो रही है। वहीं इस मामले में याचिकाकर्ता के वकील ने परेशान पति का नाम और पता जाहिर नहीं किया।

पहले भी आ चुका ऐसा मामला

हाईकोर्ट में इसके पहले भी ऐसा ही एक मामला आ चुका है। पति और पत्नी के बीच में तलाक हो गया था। लेकिन, पत्नी दोबारा पति के घर में आकर रहने लगी थी। कुछ दिनों बाद दोनों में अनबन होने पर पत्नी ने पति के खिलाफ रेप की शिकायत की थी। पति को भादवि की धारा 376 के तहत सजा हो गई थी। क्योंकि तलाक होने के बाद पति और पत्नी का कानून संबंध खत्म हो जाता है।

एक्सरसाइज के दौरान हार्ट अटैक से मौत

जबलपुर। फिटनेस को लेकर सजग रहने वाले यतीश सिंघई की शुक्रवार सुबह गोल्ड जिम में एक्सरसाइज के दौरान हार्ट अटैक से मौत हो गई। यह दर्दनाक घटना गोरखपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत स्थित जिम में घटी, जिससे शहर में सनसनी फैल गई और जिम में मौजूद अन्य लोग स्तब्ध रह गए। जानकारी के अनुसार, यतीश सिंघई हर दिन की तरह शुक्रवार सुबह करीब 6 बजे जिम पहुंचे थे। एक्सरसाइज करते हुए लगभग 6:45 बजे उनकी तबीयत अचानक बिगड़ने लगी। जिम स्टाफ ने तत्काल उन्हें पास के भंडारी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिवार के अनुसार यतीश लंबे समय से फिटनेस पर ध्यान देते थे और उनका परिवार व्यवसाय से जुड़ा हुआ है। डॉक्टर्स ने बताया कि उनकी मौत का कारण दिल का दौरा (हार्ट अटैक) था।

गोरखपुर की एक जिम में सुबह सुबह की घटना

जबलपुर मंडल के सतना, मैहर, कटनी मुड़वारा, दमोह एवं सागर स्टेशनों से होकर गुजरेगी

रीवा–चर्लपल्ली–रीवा ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेन 10-10 ट्रिप चलेगी

जबलपुर। रेल प्रशासन द्वारा ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विशेष ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। इसी कड़ी में, गाड़ी संख्या 01704/01703 रीवा – चर्लपल्ली – रीवा द्वि-साप्ताहिक ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेन (10-10 ट्रिप) चलाई जा रही है, जो जबलपुर मंडल के सतना, मैहर, कटनी मुड़वारा, दमोह एवं सागर स्टेशनों पर ठहरकर गंतव्य तक जाएगी।

गाड़ी संख्या 01704 रीवा – चर्लपल्ली द्वि-साप्ताहिक ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेन (10 ट्रिप)

गाड़ी संख्या 01704 रीवा – चर्लपल्ली विशेष ट्रेन दिनांक 24 अप्रैल 2025 से 25 मई 2025 तक प्रत्येक गुरुवार एवं रविवार को रीवा स्टेशन से दोपहर 13:00 बजे प्रस्थान कर, उसी दिन मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए 14:05 बजे सतना, 14:38 बजे मैहर, 15:50 बजे कटनी मुड़वारा, 17:23 बजे दमोह, 18:30 बजे सागर एवं अन्य स्टेशनों पर ठहराव के बाद अगले दिन दोपहर 14:45 बजे चर्लपल्ली स्टेशन पहुंचेगी।

गाड़ी संख्या 01703 चर्लपल्ली – रीवा द्वि-साप्ताहिक ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेन (10 ट्रिप)

गाड़ी संख्या 01703 चर्लपल्ली – रीवा विशेष ट्रेन दिनांक 25 अप्रैल 2025 से 26 मई 2025 तक प्रत्येक शुक्रवार एवं सोमवार को शाम 16:55 बजे चर्लपल्ली स्टेशन से प्रस्थान कर, अगले दिन मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए 19:20 बजे सागर, 20:38 बजे दमोह, 22:50 बजे कटनी मुड़वारा, तीसरे दिन 01:38 बजे मैहर 02:05 बजे सतना एवं अन्य स्टेशनों पर ठहराव के बाद तीसरे दिन सुबह 03:30 बजे रीवा स्टेशन पहुंचेगी।

रेलवे टिकट दलालों पर आरपीएफ की सख्त कार्रवाई

जबलपुर। भारतीय रेलवे में अवैध टिकटों की कालाबाजारी पर लगाम लगाने के लिए पश्चिम मध्य रेलवे के रेलवे सुरक्षा बल ने कड़ी कार्रवाई शुरू की ऑपरेशन उपलब्ध के तहत, जनवरी 2025 से 15 अप्रैल 2025 तक की अवधि में रेलवे एक्ट की धारा 143 के अंतर्गत कुल 13 मामले दर्ज किए गए। इस दौरान 14 लोगों को गिरफ्तार किया गया और 16 लाख 8 हजार 371 रुपये मूल्य के अवैध टिकट जब्त किए गए। गौरतलब है कि रेलवे एक्ट 143 के तहत, बिना अधिकृत अनुमति के टिकटों की खरीद-फरोख्त करना, उन्हें ऊँचे दामों पर बेचना या किसी भी तरह से टिकटों की अवैध बिक्री करना एक दंडनीय अपराध है। इसके लिए जुर्माने और जेल, दोनों की सजा का प्रावधान है। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि टिकट केवल रेलवे के अधिकृत काउंटरों या आधिकारिक ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म से ही बुक करें। अवैध बुकिंग से बचने और परेशानी से बचने के लिए अधिकृत स्रोतों का ही उपयोग करें।

सटोरियों से 1750 रूपये बरामद किये

गेमिंग हब में क्रिकेट सट्टा खेलते तीन पकड़ाए

जबलपुर। लार्डगंज थाना अंतर्गत गेमिंग हब में आईपीएल क्रिकेट का सट्टा खेलते तीन सटोरियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर 1750 रुपया और 3 मोबाईल जप्त किये हैं. लार्ड गंज पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार मुखबिर की सूचना पर रानीताल स्थित गेमिंग हब में दबिश दी गई, जहां वेदांश उर्फ बटुक अवस्थी, नारायण पटैल, मोहित सोनी को आईपीएल क्रिकेट मैच मुम्बई वर्सेस हैदराबाद मैच की हारजीत पर पैसों का दाव लगाते रंगे हाथ पकड़ा. आरोपियों के कब्जे से रेडमी नोट, एप्पल कम्पनी ,ओप्पो कम्पनी के कुल 3 मोबाइल एवं नगदी 1 हजार 750 रूपये जप्त करते हुये आरोपियों के विरूद्ध धारा 4 (क) सट्टा एक्ट के तहत कार्यवाही की गई।

विदेशी नागरिकों की सूचना नहीं देने पर होटल के खिलाफ मामला दर्ज

जबलपुर। कनाड़ा के टोरेंटो शहर से शहर आकर एक आलीशान होटल में ठहरे दो विदेशी नागरिकों की जानकारी संबंधित थाने को नहीं देने पर होटल के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। कलेक्टर के निर्देश पर सिविल लाईन थाना में होटल के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। घटना में संबंध में अति. पुलिस अधीक्षक जोन-1 शहार आनंद कलादगी ने बताया कि गत 1 जनवरी को टोरेंटो कनाडा निवासी मिचेल एलोन व रिवेश नाबेज शहर आये थे। दोनों जबलपुर में सिविल लाइन स्थित नर्मदा जैक्शन होटल में रुके। विदेशी नागरिकों के होटल में ठहरने की जानकारी संबंधित थाने को होटल प्रबंधन फार्म सी के माध्यम से ऑनलाइन उपलब्ध कराता है लेकिन होटल प्रबंधन ने इसकी जानकारी थाने में नहीं दी। इसके बाद कलेक्टर ने इस मामले में संज्ञान लेकर नर्मदा जेक्शन होटल के खिलाफ सिविल लाईन थाने में एक आई आर दर्ज कराई है। हालांकि होटल प्रबंधन का कहना है कि सर्वर खराब होने के कारण फार्म सी सबमिट करने में परेशानी हो रही थी। संबंधित विभाग को इसकी जानकारी भी दी गई लेकिन समस्या से निजात नहीं मिली। सर्वर ठीक होने के बाद होटल की ओर से विदेशी नागरिकों की आईडी की जानकारी फार्मसी में आनलाइन सिविल लाईन थाने को भेज दी गई थी।

रेत के अवैध खनन में लगी जेसीबी और ट्रैक्टर ट्राली जप्त

जबलपुर। सिहोरा थाना अंतर्गत हिरन नदी से अवैध रूप से जेसीबी मशीन से रेत उत्खनन कर एक ट्रैक्टर ट्राली लोड की जा रही थी। तभी पुलिस ने मौके पर ही रेत से भरी ट्राली और जेसीबी जप्त कर ली। एसडीओपी सिहोरा पारूल शर्मा ने बताया कि हिरन नदी मुरैठ में कल देर रात अवैध रेत उत्खनन की सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने दबिश दी। यहां बिना नम्बर की ट्रैक्टर ट्राली में बिना नम्बर की जेसीबी मशीन से अवैध रूप से रेत उत्खनन कर भरी जा रही थी। पुलिस को देखकर जेसीबी एवं टैक्टर चालक को मौके वाहन छोड़कर भाग गये. पुलिस ने वाहन जप्त कर दोनों चालकों के विरूद्ध धारा 303(2), 317(5), 3(5) बीएनएस तथा 4/21 खान खनिज अधिनियम के तहत कार्यवाही की है।

25 हजार से कम फीस, पोर्टल पर जानकारी अपलोड करना जरूरी

16,000 निजी स्कूलों को फीस नियमों में मिली छूट

हरिभूमि जबलपुर।

25 हजार रुपए से कम वार्षिक फीस वसूलने वाले निजी स्कूलों को अब स्कूल शिक्षा विभाग के पोर्टल पर फीस संबंधी जानकारी अपलोड करना जरूरी नहीं होगा। स्कूल शिक्षा विभाग ने इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं। विभाग ने साफ किया है कि जिन निजी विद्यालयों द्वारा 25 हजार रुपए से अधिक वार्षिक फीस वसूली जा रही है, उन्हें पोर्टल पर फीस संबंधी जानकारी अपलोड करना अनिवार्य होगा। इसके लिए अंतिम तिथि 15 मई तक बढ़ा दी गई है। साथ ही, यह भी कहा गया है कि बिना अनुमति और उचित कारण के फीस नहीं बढ़ाई जा सकेगी।

प्रदेश में कुल 34,652 निजी स्कूल हैं, जिनमें से लगभग 16,000 स्कूल ऐसे हैं जिनकी किसी भी कक्षा में वार्षिक फीस 25 हजार रुपए या उससे कम है। मध्य प्रदेश निजी विद्यालय (फीस तथा संबंधित विषयों का विनियमन) अधिनियम-2020 के तहत शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए निर्धारित फीस संरचना (कक्षा एवं संवर्गवार) की जानकारी पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य किया गया है। यह अधिनियम 31 जनवरी 2025 से प्रभावी हुआ है। शुरू में इसकी अंतिम तिथि 31 मार्च निर्धारित की गई थी। लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा जारी आदेश में बताया गया है कि कई विद्यालयों ने पोर्टल पर जानकारी अपलोड करने में तकनीकी समस्याओं की जानकारी दी है। इसे ध्यान में रखते हुए अपलोड की समय सीमा 15 मई तक बढ़ा दी गई है।

बिना अनुमति 10 प्रतिशत तक बढ़ा सकते हैं फीस

इस अधिनियम में यह भी प्रावधान है कि विद्यालय 10 प्रतिशत तक सालाना फीस वृद्धि बिना किसी पूर्व अनुमति के कर सकते हैं। इससे ज्यादा बढ़ाने के लिए संबंधित जिला समिति की अनुमति लेना आवश्यक होगा। यह प्रावधान इसलिए रखा गया है ताकि अभिभावकों पर अनावश्यक वित्तीय बोझ न पड़े। नई उपधारा के तहत, जिन स्कूलों की वार्षिक फीस 25 हजार रुपए से कम है, वे इस अधिनियम के दायरे से बाहर रहेंगे। इसके अतिरिक्त, फीस नियमन एवं संबंधित विषयों के लिए जिला स्तर पर और राज्य स्तर पर समिति गठित की गई है, जो इन मामलों की निगरानी करेगी।

पर्यटन विभाग की पहल से संजोया जाएगा विरासतों को

जबलपुर सहित मप्र के 10 किले बनेंगे हेरिटेज होटल

हरिभूमि जबलपुर।

मप्र पर्यटन विभाग की पहल से विरासतों को संजोया जा रहा है। इससे लोगों को रियासतकाल के दौर का अनुभव होगा। पर्यटन विभाग द्वारा शुरू किया गया हेरिटेज होटल का कॉन्सेप्ट अब भोपाल के सदर मंजिल से शुरू होकर प्रदेश के अन्य जिलों में मूर्तरूप ले रहा है। प्रदेश के 25 किलों की पहचान की गई है, जिन्हें हेरिटेज होटल बनाया जाएगा। पहले चरण में 11 किले विकसित होंगे। इस कार्य को पीपीपी मोड में किया जाएगा। इसके लिए जल्द ही बोली प्रक्रिया शुरू होगी।

पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण इन साइट्स को 90 सालों के लिए हेरिटेज होटल में बदलने पट्टे पर दिया जाएगा है। राजस्थान में कई किलों को हेरिटेज होटल में बदलने में पर्यटन विभाग को बड़ी सफलता मिली है। इससे वहां के पर्यटन उद्योग में बढ़ोतरी देखी गई। प्रदेश सरकार इसी तर्ज पर काम कर रही है। हेरिटेज साइट्स के नवीनीकरण में कुछ विशेष प्रकार की कठिनाइयां होती हैं। मसलन यदि कोई पेंटिंग धुंधली हो गई है, तो उसे ही मूल रूप में लाने का प्रयास किया जाएगा। इस योजना का मकसद विरासत का उपयोग करना है।

हेरिटेज होटल में होंगी कई सुविधाएं

विभाग के प्रमुख सचिव शिव शेखर शुक्ला ने बताया है कि टेंडर प्रक्रिया में अधिक लोगों को भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए किया गया है। अन्य विरासतीय सम्पतियों को भी जल्द ही अल्ट्रा मेगा प्रोजेक्ट के अंतर्गत निवेशकों को दिया जाएगा जिसमें ताज महल पैलेस भोपाल, गोविंदगढ़ फोर्ट रीवा, रॉयल होटल जबलपुर, माधवगढ़ फोर्ट सतना, क्योटी फोर्ट रीवा, राजा-रानी महल अशोकनगर, सिंघपुर महल अशोकनगर और श्योपुर फोर्ट श्योपुर शामिल हैं। मप्र पर्यटन विकास निगम वर्तमान में प्रदेश भर में पांच हेरिटेज होटल का संचालन कर रहा है। इनमें सतपुड़ा रिट्रीट पचमढ़ी, राक एंड मेनोर पचमढ़ी शीश महल ओरछा, किला कोठी चंदेरी और हाल ही में उज्जैन में शुरू हुआ सम्राट विक्रमादित्य द हेरिटेज शामिल है। इसमें से सबसे अधिक आक्यूपेंसी शीश महल ओरछा की है, जहां एक दिन और रात रुकने का किराया लगभग 6 हजार रुपये है। वहीं निजी क्षेत्र द्वारा भी प्रदेश में करीब दस हेरिटेज होटल संचालित है, जिनमें से भोपाल में ही तीन है।

महल और किलों की पहचान की गई

मप्र में नवीन पर्यटन नीति, 2025 बनाई गई है जो कि निवेशकों के लिए अधिक अनुकूल और उदार है। देश का दिल मध्य प्रदेश -सैलानियों को राजसी माहौल देने को तैयार है। प्रदेश भर में ऐसे महल और किलों की पहचान की गई है, जिन्हें हेरिटेज होटल में बदला जा सकता है। अभी 11 किलों को हेरिटेज होटल में बदलने के लिए निजी क्षेत्र को 90 साल के लिए लीज पर दिया गया है। इन संपत्तियों में पन्ना का महेंद्र भवन और मांडू का लोनेरा सराय जैसी विरासत भी शामिल हैं। इनमें से अधिकांश संपत्तियों पर उन्नयन के साथ सौंदर्यीकरण का कार्य चल रहा है। छत्तरपुर के राजगढ़ महल को हेरिटेज होटल के रूप में विकसित करने का काम लगभग 90 प्रतिशत पूरा हो चुका है। इस वर्ष यह पर्यटको के लिए इसका संचालन शुरू होने की संभावना है। दावा है कि हेरिटेज होटल चालू हो जाएं तो राज्य में अधिक पर्यटक माकर्षित होंगे, क्योंकि ऐसे होटलों में ठहरने से उन्हें राजसी ठाठ बाट का एहसास होता है। पर्यटन विभाग द्वारा शुरू की गई हेरिटेज होटल की अवधारणा धीरे-धीरे आकार ले रही है। क्योंकि ऐसी संपतियों के नवीनीकरण में विशेष सावधानी की आवश्यकता होती है। इसे इस तरह से किया जाना चाहिए कि विरासतीय संपत्तियों का मूल स्वरूप न बदले। उदाहरण के लिए अगर कोई पेंटिंग फीकी पड़ गई है, तो उसे इस तरह से बहाल किया जाना चाहिए कि उसकी चमक न जाए। राजस्थान अपने कई महल किलों को हेरिटेज होटलों में बदलने में सफल रहा है।

दिग्विजय सिंह ने राज्यपाल और मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर की न्यायिक जांच की मांग

रादुविवि कुलगुरु नियुक्ति पर पूर्व सीएम ने उठाए सवाल

हरिभूमि जबलपुर।

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय (रादुविवि) के कुलगुरु की नियुक्ति पर अब प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा की संसदीय समिति के अध्यक्ष सासंद दिग्विजय सिंह ने सवाल उठाया हैं। श्री सिंह ने इस संबंध में केंद्रीय शिक्षा मंत्री, राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री को पत्र लिखा हैं। उन्होंने पत्र में कहा हैं कि देश की उच्च शिक्षा प्रणाली की साख एक बार फिर सवालों के घेरे में है। वरिष्ठ सांसद एवं राज्यसभा में संसद की शिक्षा, महिला एवं बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष श्री सिंह ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान, मध्यप्रदेश के राज्यपाल, एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को एक पत्र लिखकर रादुविवि के कुलगुरु प्रो. राजेश कुमार वर्मा की नियुक्ति को लेकर गंभीर अनियमितताओं की ओर संकेत किया है। ज्ञात हो कि रादुविवि के वर्तमान कुलपति प्रोफेसर राजेश कुमार वर्मा की मूल नियुक्ति प्राध्यापक के रूप में ही कानूनी रूप से अमान्य थी। अब जब उनका कुलगुरु के पद पर पदोन्नयन हुआ है, तो यह सवाल और भी गंभीर हो गया है कि क्या एक अवैध नियुक्ति से शुरू हुआ सफर, अब विश्वविद्यालय के सर्वोच्च पद तक भी नियमों की बलि चढ़ाकर पहुँचा है?

एनएसयूआई जबलपुर लगातार उचित माध्यमों से इस मुद्दे पर हमलावर रही है। मामला इस बार विधानसभा तक भी पहुंच चुका है। इसी कड़ी में एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष अमित मिश्रा ने इस मामले की शिकायत स्वयं वरिष्ठ सांसद श्री सिंह को सौंपी। शिकायत की गंभीरता को देखते हुए श्री सिंह ने तुरंत केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री प्रधान, मध्यप्रदेश के राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री को एक विस्तृत पत्र भेजा, जिसमें प्रो. वर्मा की नियुक्ति प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए गए हैं।

शैक्षणिक नैतिकता की हत्या का आरोप

श्री सिंह ने इस नियुक्ति को कथित तौर पर 'शैक्षणिक नैतिकता की हत्या करार देते हुए मांग की है कि अगर प्रो. वर्मा की मूल नियुक्ति ही गैरकानूनी थी, तो फिर उनकी पदोन्नति को भी तुरंत निरस्त किया जाना चाहिए। यह मामला न केवल एक व्यक्ति की नियुक्ति का है, बल्कि पूरी व्यवस्था की पारदर्शिता, निष्पक्षता और योग्य उम्मीदवारों के साथ न्याय का है। इसके साथ ही श्री सिंह ने यह भी सवाल उठाया कि क्या मध्य प्रदेश में कुलपति की नियुक्तियां भी अब पैसे और पहचान की राजनीति का शिकार हो चुकी हैं? उन्होंने मांग की है कि न केवल प्रो. वर्मा की नियुक्ति की न्यायिक जांच कराई जाए, बल्कि राज्य के अन्य विश्वविद्यालयों में हुई सभी कुलपति नियुक्तियों की स्वतंत्र जांच भी आवश्यक है। यदि शिक्षा में योग्यता नहीं, तो फिर किस क्षेत्र में होगी? यदि विश्वविद्यालयों में भी साजिशें होंगी, तो भविष्य की नींव कौन रखेगा?

यह उठाए सवाल

पत्र के अनुसार, वर्ष 2009 में मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) द्वारा जारी विज्ञापन में स्पष्ट रूप से लिखा गया था कि प्रोफेसर पद हेतु वे व्यक्ति पात्र होंगे जिनका उच्च गुणवत्ता का शोध कार्य रहा हो एवं पीएच.डी. डिग्री और कम से कम दस वर्षों का शिक्षण अनुभव अनिवार्य है लेकिन दस्तावेज बताते हैं कि प्रो. राजेश कुमार वर्मा ने अपनी पीएच.डी. डिग्री 25 नवम्बर 2008 को प्राप्त की थी और केवल दो महीने बाद वे इस पद के लिए आवेदन कर दिया और चयनित हो गए। जबकि उक्त दिनांक तक उनके द्वारा कोई भी प्रतिष्ठित शोध पत्रिका में शोध पत्र का प्रकाशन नहीं किया गया था। न्यायिक निर्णयों और यूजीसी नियमों के अनुसार, शिक्षण अनुभव की गणना पीएच.डी. के बाद ही की जाती है। ऐसे में यह स्पष्ट है कि प्रो. वर्मा विज्ञापन की पात्रता को पूरा ही नहीं करते थे।

यह नहीं कोई साधारण चूक

पत्र में आरोप लगाया गया हैं कि यह कोई साधारण चूक नहीं, बल्कि एक सुनियोजित नियुक्ति घोटाला प्रतीत होता है। एक ओर जहां हजारों योग्य उम्मीदवार उचित अवसर के लिए संघर्ष करते हैं, वहीं दूसरी ओर एक व्यक्ति झूठी योग्यता और नियमों की अनदेखी करके न केवल प्रोफेसर बना, बल्कि अब विश्वविद्यालय का कुलपति भी बन गया।

कचरा डम्पिंग स्टेशन पर कटा पैर मिलने से सनसनी

जबलपुर। तिलवारा थाने से चंद कदमों की दूरी पर स्थित कचरा डंपिंग स्टेशन में शुक्रवार सुबह मानव अंग मिलने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस और नगर निगम का अमला सहित दर्जनों की संख्या में क्षेत्रीय लोग पहुंच गए। पुलिस ने चेक किया तो उक्त अंग किसी मानव का कटा हुआ पैर था। पुलिस ने अपनी तरफ से कार्रवाई पूर्ण करने के बाद नगर निगम स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से पैर को दफन करा दिया। क्षेत्रीय लोगों ने बताया कि पिछले कई दिनों से डंपिंग यार्ड के पास से निकलना दूभर हो रहा था, वहां इतनी अधिक बदबू आ रही थी कि, लोग बिना नाक-मुंह ढके वहां से गुजर ही नहीं पा रहे थे। इसी बीच सुबह-सुबह क्षेत्र के ही किसी व्यक्ति ने वहां एक सड़ा पैर देखा और तत्काल पूरी घटना से पुलिस को अवगत कराया। पुलिस मामले को संदिग्ध मानकर आसपास की बस्तियों और अन्य थानाक्षेत्रों में पतासाजी कर रही है।

छह सप्ताह में जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश

गांधी मेडिकल कॉलेज, भोपाल में अवैध नियुक्तियों पर हाई कोर्ट सख्त

जबलपुर। मप्र हाइकोर्ट ने गांधी मेडिकल कॉलेज, भोपाल में वर्ष 2021 में लैब असिस्टेंट और तकनीशियन पदों पर हुई अवैध नियुक्तियों के मामले में सख्ती दर्शाई है। चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत व जस्टिस विवेक जैन की डिवीजन बेंच ने मामले से जुड़े अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जांच समिति की रिपोर्ट छह सप्ताह के भीतर प्रस्तुत करें। रिपोर्ट के अनुसार, आवश्यक कार्रवाई भी की जाए ।

भोपाल निवासी वीर सिंह लोधी ने जनहित याचिका दायर कर कहा कि वर्ष 2021 में गांधी मेडिकल कॉलेज, भोपाल में लैब असिस्टेंट और तकनीशियन पदों पर नियमों के विपरीत नियुक्तियां की गईं। शिकायतों और पूर्व आदेशों के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता अक्षांश श्रीवास्तव ने दलील दी कि राज्य सरकार द्वारा 1 मई 2024 और 19 सितंबर 2024 को दिए गए आदेशों के अनुसार जांच समिति गठित की गई थी, लेकिन आज तक समिति की रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की गई। सुनवाई के बाद कोर्ट ने 19 सितंबर 2024 को गठित समिति को निर्देश दिये कि वह मामले पर विचार कर छह सप्ताह की अवधि में निर्णय ले और निर्णय की कॉपी याचिकाकर्ता को उपलब्ध कराए। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता राज्य के निर्णय से संतुष्ट न हो, तो विधि अनुसार उचित फोरम में आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240